एलएसी शांति के बिना चीन से.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

दंगल की इमेज में बंधना नहीं... 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 193 | गाजियाबाद / गुरूवार 15 अक्टूबर 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

पंचम दिन

मां स्कंदमाता

मां स्कंदमाता भगवान कार्तिकेय की माता हैं। वे अपने पुत्र को गोद में धारण करती हैं और कमल पर विराजमान रहती हैं। उनकी पूजा मातृत्व, प्रेम, करुणा और वात्सल्य का संदेश देती है। भक्त संतान की सुख-समृद्धि, परिवार की खुशहाली और जीवन में शांति के लिए उनकी आराधना करते हैं।

पति को मारकर नीले-ड्रम में भरने वाली मुस्कान को फांसी

- प्रेमी साहिल को भी सजा-ए-मौत, मेरठ कोर्ट का बड़ा फैसला
- फैसला सुनते ही छलके आंसू, बोली-मेरी बच्चियों का ध्यान रखना

मेरठ (एजेंसी)। मेरठ के बहुचर्चित सौरभ राजपूत हत्याकांड यानी नीला ड्रम केस में अदालत ने दोनों दोषियों को मृत्युदंड की सजा सुनाई है। अदालत का फैसला सुनते ही मुस्कान रस्तोगी और साहिल शुक्ला भावुक हो गए। जिला जज अरविंद कुमार मिश्रा की अदालत में बुधवार को सजा पर सुनवाई की। वहीं मुस्कान ने कहा कि उसकी दो बेटियां हैं उनका ख्याल रखा जाए। हालांकि लंच से पहले भी जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए दोनों दोषियों से अदालत ने पूछा कि क्या वे सजा सुनाए जाने से पहले कुछ कहना चाहते हैं। दोनों ने जवाब दिया कि उन्हें कुछ नहीं कहना है। लंच के बाद दोनों को दोबारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया गया। इसके बाद अदालत ने सजा सुनाई। जेल प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार, फैसला सुनते समय मुस्कान ने हाथ जोड़ रखे थे और बाद में रोने लगी। साहिल शुक्ला की आंखें भी नम हो गईं। इस मामले में अभियोजन पक्ष ने अपराध की गंभीरता और क्रूरता का हवाला देते हुए दोनों के लिए मृत्युदंड की मांग की थी। दूसरी ओर, बचाव पक्ष ने मुस्कान की दो बेटियों के भविष्य और परवरिश का हवाला देकर अदालत से नरमी बरतने की अपील की थी।

- **वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से हुई पेशी, अदालत ने पूछा- कुछ कहना है-** सजा पर फैसला सुनाए जाने से पहले मुस्कान रस्तोगी और साहिल शुक्ला को जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जिला जज के सामने अलग-अलग पेश किया गया। अदालत ने दोनों से उनकी बात रखने का अवसर दिया। दोनों ने कहा कि उन्हें कुछ नहीं कहना है। सीनियर जेल सुपरिटेंडेंट वीरेश राज शर्मा के मुताबिक, अदालत ने दोनों से विभिन्न मुद्दों पर सवाल किए। इनमें फॉरेंसिक रिपोर्ट से जुड़े पहलू भी शामिल थे। उन्होंने सवालों का विस्तृत ब्योरा साझा नहीं किया, लेकिन बताया कि दोनों ने अदालत के सामने अपना पक्ष रखा। फैसले से पहले दोनों बेचैन नजर आ रहे थे।

मुस्कान ने बेटी से मिलने की गुजारिश की है

सीनियर जेल सुपरिटेंडेंट वीरेश राज शर्मा के मुताबिक, मुस्कान पिछले तीन-चार दिनों से अपनी बड़ी बेटी से मिलने की गुजारिश कर रही थी। बच्ची की उम्र करीब सात साल बताई गई है। हालांकि, जेल अधीक्षक के अनुसार, बच्ची को उससे मिलवाने के लिए जेल नहीं लाया गया था। सजा पर सुनवाई के दौरान भी मुस्कान की दोनों बेटियों का मुद्दा उठा। बचाव पक्ष की अधिवक्ता रेखा जैन ने बच्चियों के भविष्य और पालन-पोषण का हवाला देते हुए अदालत से कम सजा देने की अपील की। वहीं, अभियोजन पक्ष ने अपराध की गंभीरता को आधार बनाकर कड़ी सजा की मांग की।

संक्षिप्त समाचार

दुनिया भर में मिल रही भारतीय संस्कृति को पहचान: पीएम

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारत की सांस्कृतिक विरासत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार पहचान मिल रही है। भारत का संगीत, नृत्य, सिनेमा और खानपान दुनिया के अलग-अलग देशों के लोगों को भारत से जोड़ने का काम कर रहे हैं। उन्होंने यह बात 'बृहत्तर भारत दुनिया भर में भारत के सांस्कृतिक संबंध' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भेजे गए अपने लिखित संदेश में कही।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत सरकार केवल ऐतिहासिक स्मारकों को सुरक्षित रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि देश की प्राचीन पांडुलिपियों को भी सहेजने के प्रयास कर रही है। इसके लिए ज्ञान भारतम पहल के तहत काम किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य भारत की पांडुलिपियों से जुड़ी विरासत को संरक्षित करना है। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि दूसरे देशों में मौजूद भारत की प्राचीन धरोहरों को वापस लाने के प्रयासों को नई गति मिली है। यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 14 से 16 अक्टूबर तक आयोजित किया जा रहा है। इसका आयोजन संस्कृति मंत्रालय के तहत आने वाला इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) कर रहा है। सम्मेलन में भारत की सांस्कृतिक विरासत और देश के दूसरे समाजों व सभ्यताओं के साथ उसके संबंधों पर चर्चा हो रही है। उद्घाटन सत्र में केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी मौजूद रहे।

11.40 लाख रेलवे कर्मचारियों को 78 दिन का दीवाली बोनस

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को तीन बड़े फैसलों का ऐलान किया। इन फैसलों में रेलवे कर्मचारियों को सरकार ने त्योहारों से पहले बड़ी सौगात दी है। कैबिनेट ने लगभग 11,40,770 रेलवे कर्मचारियों के लिए प्रदर्शन-आधारित बोनस को मंजूरी दी है। यह बोनस 78 दिनों के वेतन के बराबर होगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसे मेहनती रेलवे कर्मचारियों के लिए दीवाली का तोहफा बताया। वैष्णव ने बताया, आज कैबिनेट ने तीन बहुत महत्वपूर्ण फैसले लिए। पहला फैसला लगभग 11,40,770 रेलवे कर्मचारियों के लिए 78 दिनों के प्रदर्शन-आधारित बोनस को मंजूरी देना था। यह बोनस दिन-रात अथक परिश्रम करने वाले मेहनती रेलवे कर्मचारियों के लिए दीवाली का तोहफा है। जब हम अपने परिवारों के साथ त्योहार मना रहे होते हैं, तब ये कर्मचारी चौबीसों घंटे खेतों में, रेलवे ट्रैक पर, इंजनों के अंदर और कार्यशालाओं में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए काम करते रहते हैं। बोनस की कुल राशि लगभग 2,009 करोड़ रुपये है। कैबिनेट ने लगभग 11,40,770 रेलवे कर्मचारियों के लिए बोनस को मंजूरी दी है। यह बोनस 78 दिनों के प्रदर्शन-आधारित होगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसे दीवाली का तोहफा बताया। यह बोनस रेलवे कर्मचारियों के अथक परिश्रम का सम्मान है। ये कर्मचारी दिन-रात काम करते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं। वे त्योहारों के दौरान भी चौबीसों घंटे ड्यूटी पर रहते हैं। वे खेतों, रेलवे ट्रैक, इंजनों और कार्यशालाओं में लगातार कार्यरत रहते हैं।

देश में थोक महंगाई 5 महीने में सबसे ज्यादा

- खाने-पीने की चीजें महंगी होने का असर, फुटकर महंगाई में भी तेजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। थोक महंगाई सितंबर में बढ़कर 11.39 फीसदी पहुंच गई है। सरकार ने कल 14 अक्टूबर को ये आंकड़े जारी किए। यह पांच महीने में सबसे ज्यादा है। अगस्त में यह 9.92 फीसदी थी। थोक महंगाई बढ़ने की वजह खाने-पीने की चीजें, फ्यूल, पावर और मैन्युफेक्चर्ड प्रोडक्ट्स का महंगा होना है। सितंबर में रिटेल महंगाई भी बढ़कर 5.54 फीसदी पर पहुंच गई है। अगस्त में यह 4.82 फीसदी थी। थोक महंगाई दर 11.39 फीसदी होने का मतलब यह है कि जो सामान पिछले साल इस समय थोक बाजार में 100 का मिल रहा था, वह आज लगभग 111.39 का है। ये आंकड़े नए बेस ईयर के मुताबिक हैं। सरकार ने 15 जून 2026 को जीडीपी का नया बेस ईयर 2022-23 लागू किया था। इसने पुरानी 2011-12 की सीरीज की जगह ली है। सितंबर महीने में थोक महंगाई दर बढ़कर 11.39 फीसदी पर पहुंच गई, जो कि अगस्त में 9.92 फीसदी दर्ज की गई थी।

खाने-पीने की चीजों में तेजी, ईंधन व बिजली क्षेत्र में उछाल

खाद्य पदार्थों की महंगाई दर अगस्त के 7.05 फीसदी के आंकड़े से उछलकर सितंबर में 8.66 फीसदी दर्ज हुई। फ्यूल और पावर सेक्टर में महंगाई दर अगस्त के 22.93 से तेजी से बढ़कर 25.85 फीसदी पर पहुंच गई। प्राइमरी आर्टिकल्स (कच्चा सामान) की महंगाई दर अगस्त के 7.76 से बढ़कर सितंबर में 8.67 फीसदी हो गई। मैन्युफैक्चर्ड प्रॉडक्ट्स की महंगाई दर अगस्त के 8.37 से बढ़कर 9.76 फीसदी हो गई। पेट्रोल-डीजल, खाने-पीने की वस्तुएं, क्रूड ऑयल, गैस, कोयला और टेक्सटाइल में सबसे ज्यादा तेजी रही। जब भी सरकार महंगाई नापती है, तो वह किसी एक पुराने साल को 'पैमाना' मान लेती है, ताकि उससे तुलना करके पता चल सके कि आज चीजें कितनी महंगी हुई हैं। सरकार ने 2022-23 को नया पैमाना यानी बेस ईयर बनाया है। इसका मतलब है कि आज के सामानों की कीमतों की तुलना 2022-23 के दामों से की जा रही है।

100 साल होने पर वकील पीबी मेनन को तोहफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल हाई कोर्ट ने अनुभवी वकील 100 साल के पी बालासुब्रमण्यन मेनन को सीनियर एडवोकेट का दर्जा दिया है। मेनन के नाम एक प्रैक्टिसिंग वकील के तौर पर सबसे लंबे करियर का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज है। उन्हें यह सम्मान उनके 10 अक्टूबर को 100वें जन्मदिन से ठीक एक दिन बाद मिला है। हाईकोर्ट ने सोमवार यानी 11 अक्टूबर को पीबी मेनन को 12 अक्टूबर से सीनियर एडवोकेट के तौर पर नियुक्त किया।

2023 में, 97 साल की उम्र में मेनन ने सबसे लंबे समय तक वकालत करने वाले वकील के तौर पर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी जगह बनाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उनके 100वें बर्थडे पर बधाई संदेश भेजा है।

100 साल के पीबी मेनन की लाइफ में रिटायरमेंट नहीं- द हिंदू की एक रिपोर्ट के अनुसार, पीबी मेनन की जिंदगी में रिटायरमेंट या रिटायर होने जैसी कोई चीज नहीं है।

पीएम मोदी से आज मिलेगा एशियाड का भारतीय दल

- प्रधानमंत्री खिलाड़ियों, उनके प्रशिक्षकों और सहयोगी स्टाफ से करेंगे बातचीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल गुरुवार को हाल ही में संपन्न हुए आइची-नागोया एशियन गेम्स में हिस्सा लेने वाले भारतीय खिलाड़ियों से मुलाकात करेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री खिलाड़ियों, उनके प्रशिक्षकों और सहयोगी स्टाफ से बातचीत करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह कार्यक्रम दिल्ली के मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में शाम करीब 4.30 बजे आयोजित होगा। इस अवसर पर पीएम संबोधित भी करेंगे।

501 खिलाड़ियों के दल ने लिया था हिस्सा

भारत ने इन खेलों के लिए कुल 501 खिलाड़ियों का दल भेजा था। इनमें से 310 खिलाड़ी पहली बार एशियाई खेलों में हिस्सा लेने पहुंचे थे। प्रधानमंत्री के साथ होने वाले इस कार्यक्रम में भारतीय दल के खिलाड़ी, उनके प्रशिक्षक और सहयोगी स्टाफ शामिल होंगे। इसके अलावा भारतीय ओलंपिक संघ के पदाधिकारी, राष्ट्रीय खेल महासंघों के प्रतिनिधि और युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अधिकारी भी कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। इस मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करेंगे और अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों से संवाद करेंगे।

यूथ प्रोटेस्टर्स को साथ लाए राहुल

पुलिस पर लगाए आरोप

- छात्रा बोली-प्राइवेट पार्ट पर मारा, युवक ने कहा-गुंडों के कहने पर हिरासत में लिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली में चल रहे विरोध-प्रदर्शनों के दौरान पुलिस कार्रवाई का सामना करने वाले नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के कार्यकर्ताओं का समर्थन किया है। राहुल गांधी ने एनएसयूआई से जुड़े कार्यकर्ताओं की पिटाई का आरोप लगाते हुए बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा।

राहुल ने आरोप लगाया कि मोदी और शाह भारत की आवाज के खिलाफ खड़े हैं। राहुल गांधी एनएसयूआई के कुछ कार्यकर्ताओं और प्रदर्शनकारियों के साथ मीडिया के सामने आए। इन सभी को दिल्ली में मंगलवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस द्वारा पीटे जाने का आरोप है। राहुल गांधी ने कहा, जैसा कि मैंने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था, अपने चारों ओर देखिए। यह

भारत है। अमित शाह जी, इसे ध्यान से देखिए, यहां कोई हिंदू, कोई मुसलमान, कोई जाति, कोई महिला या कुछ और नहीं है। यहां सिर्फ एक आवाज, एक विरोध है और वह भारत की आवाज है।

वीडियो रिकॉर्डिंग रखें और सबूत हमें भेजें: राहुल

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, मेरी सलाह है, इस आवाज के खिलाफ खड़े ना हों। कोई भी इस आवाज के खिलाफ नहीं टिक सकता। मैंने सभी छात्रों से कहा है कि वे वीडियो रिकॉर्डिंग रखें और वह सबूत हमें भेजें। जब यह पूरा मामला खत्म हो जाएगा, तो हम उन सभी सबूतों का इस्तेमाल करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि जिन लोगों को सजा मिलनी चाहिए, उन्हें सजा मिले- चाहे वह पीएम नरेंद्र मोदी हों, ज्ञानेश कुमार हों, अमित शाह हों या फिर वे कॉन्स्टेबल ही क्यों न हो जो हमारे बच्चों पर हाथ उठा रहा है। राहुल गांधी ने इस दौरान केरल की निवासी और दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ने वाली छात्रा आथिरा का उल्लेख करते हुए दावा किया कि पुलिस कार्रवाई के कारण उसके एक कान की सुनने की क्षमता चली गई है। उन्होंने कहा, केरल की आथिरा के एक कान की सुनने की क्षमता चली गई है। उसके कान पर चोट मारी गई थी और अब वह उस कान से सुन नहीं सकती। कांग्रेस नेता ने कहा, पिछली बार मैंने आपको एक लड़का दिखाया था जिसकी आंखों की रोशनी चली गई थी। अब आथिरा एक कान से सुन नहीं सकती।

भारत में इजरायल फ्लाइट जैसा खौफ, जयपुर में इमर्जेंसी लैंडिंग

हाईजैक का इमरजेंसी अलर्ट, अटक गई सांसें...

जयपुर (एजेंसी)। फ्लाईदुबई के कॉकपिट में भारतीय कैप्टन स्मित मच्छार पर हुए जानलेवा हमले और हाईजैक की खौफनाक कोशिश की यादें अभी धुंधली भी नहीं पड़ी थीं कि बुधवार सुबह जयपुर में एयर इंडिया की इंटरनेशनल फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग ने सुरक्षा एजेंसियों के होश उड़ा दिए। जर्मनी (फ्रैंकफर्ट) से दिल्ली आ रही फ्लाइट संख्या एआई-2030 में अचानक हाईजैक/बम का कोड ट्रिगर होने के बाद हड़कंप मच गया

और विमान को आनन-फानन में जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर आपात स्थिति में उतारा गया। हुआ यूं कि जर्मनी के फ्रैंकफर्ट से दिल्ली जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट संख्या एआई-2030 में अनहोनी की सूचना मिली थी। विमान के पायलट की ओर से इमरजेंसी अलर्ट बटन कोड 7500 दबाने पर सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं। यह बटन आपातकाल में ही दबाया जाता है। इससे पता चलता है कि विमान को हाईजैक कर लिया गया है।

तिहाड़ के बैरक-4 में आशुतोष रांका व नंबर 2 में सौरव दास

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास और राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका को 5 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। साथ ही, अजिंक्य शिंदे को निजी बॉन्ड पर रिहा किया गया है। बताया जा रहा है कि तिहाड़ जेल के बैरक नंबर में आशुतोष रांका को रखा गया है जबकि सौरव दास को बैरक नंबर दो की जेल में रखा गया है। दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तारी के बाद सौरव दास, आशुतोष रांका और

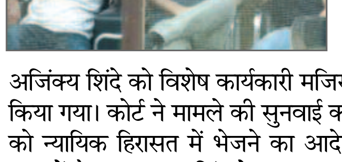

अजिंक्य शिंदे को विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट (एसईएम) कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए सौरभ और आशुतोष को न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। सीजेपी के कानूनी मामलों के प्रमुख रत्ना सिंह ने बुधवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी कि सौरव और आशुतोष को 5 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

बिहार में मौत का ऐसा मंजर कि रो पड़ीं डीएम

- एक घर से सात बच्चों के शव उठे, दूसरे से पांच, मची चीत्कार

वैशाली (एजेंसी)। वैशाली जिले के राघोपुर थाना क्षेत्र की रामपुर श्यामचंद पंचायत में मंगलवार रात हुए नाव हादसे ने पूरे जिले को झकझोर कर रख दिया। इस दर्दनाक घटना के बाद गांव-गांव में मातम पसरा है। भोज खाने के लिए निकले 13 मासूमों की डूबने से मौत हो गई। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि एक ही गांव से एक साथ कई बच्चों की अर्थियां उठीं। हर तरफ

चीख-पुकार मची है और गांव के घरों में चूल्हे तक नहीं जले हैं। वहीं, अस्पताल में मृतक बच्चों के परिजनों का दर्द देखकर जिलाधिकारी वर्षा सिंह भी खुद को संभाल नहीं पाईं। वह परिजनों के गले लगकर रोने लगीं। इस दृश्य को देखकर वहां मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गईं। इस हादसे का सबसे दर्दनाक पहलू यह है कि इसने कई परिवारों को उजाड़ दिया। जानकारी के अनुसार, एक ही घर से सात मासूम बच्चों के शव उठे, जबकि दूसरे घर से पांच बच्चियों की मौत हो गई। तीसरे घर के एक बच्चे की भी जान चली गई। एक साथ इतनी अर्थियां उठने से गांव में मातम है।

भोज खाने जा रहे थे करीब 20 लोग बीच गंगा में पलटी जर्जर नाव

बताया जाता है कि रामपुर श्यामचंद पंचायत के भगतान टोला स्थित माता महारानी स्थान के पास सिंघेश्वर राय के यहां भोज का आयोजन किया गया था। गांव के करीब 20 लोग एक छोटी और जर्जर नाव पर सवार होकर ढाब के उस पार भोज खाने जा रहे थे। नाव जैसे ही बीच ढाब में पहुंची, ओवरलोड होने और जर्जर स्थिति के कारण अनियंत्रित होकर पलट गई। देखते ही देखते नाव पर सवार लोग गहरे पानी में डूबने लगे। हादसे की सूचना मिलते ही रामपुर श्यामचंद पंचायत और आसपास के गांवों के सैकड़ों लोग घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। रात के अंधेरे में ग्रामीण मोबाइल की रोशनी के सहारे बचाव कार्य में जुट गए। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद स्थानीय लोगों ने पानी से सभी लोगों को बाहर निकाला और आनन-फानन में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी), राघोपुर फतेहपुर पहुंचाया।

एसटीएफ की बड़ी कार्रवाई : अंतरराज्यीय अवैध हथियार तस्कर गिरोह का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस के रोहिणी जिला स्थित विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ कर तीन शातिर तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में अवैध असलाह और गोला-बारूद बरामद किया है। पकड़े गए हथियारों में भारतीय आयुध कारखाने की मुहर और निशान वाली पिस्तौल, चार अन्य पिस्तौल,एक.32 बोर की रिवॉल्वर, एक देसी कट्टा, 52 कारतूस, एक चाकू और दो चार पहिया वाहन शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान प्रवेश उर्फ प्रिंस (25), राहुल ग्रेवाल उर्फ पिंकू (26) और आकाश (26) के रूप में हुई है। प्रवेश पर पहले से ही कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। च के दौरान राहुल और आकाश को हथियारों के साथ दबोचा था, जिससे पूछताछ के बाद मुख्य आपूर्तिकर्ता प्रवेश का सुराग मिला। इसके बाद एसटीएफ की टीम ने बुद्ध विहार इलाके से प्रवेश को एक महिंद्रा स्कॉर्पियो कार में हथियार पहुंचाने आते समय गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया है कि इस गिरोह के तार विक्की हद्दल गैंग से जुड़े हुए हैं। बरामद किए गए हथियार असली और आयातित बताए जा रहे हैं, जिनके सीरियल नंबर पुलिस को गुमराह करने के लिए मिटा दिए गए थे।

उत्तराखंड में गुटखा और तंबाकू उत्पादों पर एक साल का प्रतिबंध

-सीएम धामी ने नशा-मुक्त मिशन को दी रफ्तार

देहरादून (एजेंसी)। देवभूमि उत्तराखंड को नशा-मुक्त बनाने के अपने संकल्प को आगे बढ़कर राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुटखा, पान मसाला और सभी प्रकार के तंबाकू उत्पादों के निर्माण व बिक्री पर एक वर्ष का पूर्ण प्रतिबंध लगाया है। इस निर्णय की घोषणा कर मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि युवा पीढ़ी को नशे के गर्त में जाने से बचाना और उनके भविष्य को सुरक्षित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री धामी ने स्पष्ट किया कि नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों की प्रतिवर्ष समीक्षा की जाती है, जिसके आधार पर यह सख्त कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश को नशा-मुक्त बनाने के विजन को साकार करने के लिए उत्तराखंड सरकार प्रतिबद्ध है, क्योंकि युवाओं का भटकाव सीधे तौर पर देश और प्रदेश के भविष्य को प्रभावित करता है। प्रशासनिक बैठक को संबोधित कर सीएम धामी ने मानसून के बाद जनजीवन को सामान्य बनाने और खराब सड़कों की त्वरित मरम्मत के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को जन चौपाल, रात्रि चौपाल और तहसील दिवस के माध्यम से सीधे धरातल पर उतरकर आम जनता की समस्याओं का त्वरित निस्तारण करने को कहा। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में विकास कार्यों की सीधी निगरानी और युवाओं को प्रगति के अवसर प्रदान करने पर भी बल दिया।

एंटी-ड्रग सामजिक कार्यकर्ता परविंदर झोटा की हत्या से हड़कंप : मुख्य आरोपी गिरफ्तार

मानसा (एजेंसी)। पंजाब के मानसा में नशे के खिलाफ मुखर आवाज उठाने वाले चर्चित सामजिक कार्यकर्ता परविंदर सिंह झोटा की निर्मम हत्या के बाद इलाके में भारी तनाव फैल गया है। घटना से आक्रोशित निहंग सिखों और स्थानीय लोगों ने मुख्य आरोपी के घर में जमकर तोड़फोड़ की, सामान बाहर फेंक दिया और उसकी दुकान को आग के हवाले कर दिया। स्थिति की गंभीरता को देखकर पंजाब की भगवंत मान सरकार ने सख्त रुख दिखाकर मुख्य आरोपी अश्वनी कुमार के अवैध निर्माण पर बुलडोजर चला दिया है। वहीं, पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर मुख्य शूटर अश्वनी को बुधवार सुबह गिरफ्तार किया है।
यह सनसनीखेज वारदात एक फार्मेसी में अंजाम दी गई थी। सोशल वर्कर झोटा सोशल मीडिया पर लाइव आकर नशे के सौदागरों का पर्दाफाश करने के लिए मशहूर थे। घटना वाले दिन उनका मेडिकल स्टोर मालिक अश्वनी कुमार से विवाद हुआ था, जिस पर झोटा ने कथित तौर पर सिंथेटिक ड्रग्स बेचने का आरोप लगाया था। इस बहस के दौरान आरोपी ने पिस्तौल निकालकर उन पर गोलियां चला दीं। पूरी वारदात का खौफनाक वीडियो भी सामने आया है। गौरतलब है कि अपनी हत्या से कुछ ही दिन पहले झोटा ने मानसा में फल-फूल रहे अवैध नशीले पदार्थों के कारोबार की सीबीआई जांच कराने की मांग की थी। पंजाब में नशा विरोधी अभियानों से जुड़े कार्यकर्ताओं की सुरक्षा को लेकर अब गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। यद्यपि पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है और अवैध संपत्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है, लेकिन जनआक्रोश को देखकर मानसा में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

रेस्टोरेंट में लगी आग, खिड़की से कूदकर लोगों ने बचाई जान

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली के मौजपुर इलाके में मंगलवार रात एक रेस्टोरेंट के किचन में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग से बचने लोग पहली मंजिल की खिड़की से नीचे कूद गए। घटना के सामने आए वीडियो में कुछ लोग अपने बच्चों को भी खिड़की से नीचे उतारते नजर आ रहे हैं। पुलिस के मुताबिक इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। जानकारी के मुताबिक मौजपुर स्थित उधम रेस्टोरेंट के किचन में मंगलवार रात आग लगी। आग लगते ही रेस्टोरेंट में मौजूद लोगों के बीच भगदड़ मच गई।

कुंभ-2027 की तैयारियों में तेजी, मेलाधिकारी सोनिका ने कई निर्माण स्थलों का किया निरीक्षण

हरिद्वार (शिखर समाचार)। कुंभ मेला-2027 के आयोजन की तैयारियों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा कराने के लिए मेला प्रशासन ने निर्माण कार्यों की निगरानी तेज कर दी है। इसी क्रम में बुधवार को मेलाधिकारी सोनिका ने नगर के विभिन्न क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर सड़कों, चौराहों, फुटपाथों, पैदल मार्गों और सौंदर्यीकरण से जुड़े कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में गुणवत्ता के साथ पूरे करने और निगरानी व्यवस्था प्रभावी बनाए रखने के निर्देश दिए।

मेलाधिकारी ने शंकराचार्य चौक से मालवीय चौक तक सड़क सुधार, चौराहों के विकास, फुटपाथ और सड़क के मध्य विभाजक निर्माण सहित जन-सुविधाओं से जुड़े कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान नगर आयुक्त नंदन कुमार, हरिद्वार-रुड़की विकास प्राधिकरण के सचिव प्रत्यूष सिंह और लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता डीपी सिंह सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। मेलाधिकारी ने सड़कों और अन्य स्थानों पर बेतरतीब खड़े तथा क्षतिग्रस्त खंभों को हटाने और यातायात व पैदल आवागमन को सुरक्षित एवं सुगम बनाने के निर्देश दिए।
इसके बाद मेलाधिकारी ने जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के साथ माया देवी मंदिर क्षेत्र से वाल्मीकि चौक होते हुए गुजरांवाला चौक तक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने सड़क सुधार, स्वच्छता और कुंभ मेले के मद्देनजर आवश्यक तैयारियों की समीक्षा की। गुजरांवाला धर्मशाला से शिवमूर्ति चौक तक की आंतरिक गलियों तथा शिवमूर्ति चौक क्षेत्र में चल रहे सड़क सुधार, फुटपाथ निर्माण और सौंदर्यीकरण कार्यों को भी देखा। उन्होंने व्यस्त क्षेत्रों में कार्य तेजी से पूरा करने तथा सड़कों और फुटपाथों से अतिक्रमण हटाने के लिए प्रभावी कार्रवाई करने पर जोर दिया। मेलाधिकारी ने भगत सिंह चौक और बिल्केश्वर क्षेत्र से मनसा देवी मार्ग तक फुटपाथ निर्माण तथा मनसा देवी पैदल मार्ग के सुदृढ़ीकरण कार्यों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पैदल मार्ग सुरक्षित, व्यवस्थित और सुगम बनाए जाने चाहिए। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और प्रगति पर बहुस्तरीय निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं को पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराने तथा रात्रिकालीन पाली में भी काम कराने की स्थिति की नियमित समीक्षा करने को कहा। निरीक्षण रिपोर्ट समय-समय पर प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए।
निरीक्षण के दौरान लोक निर्माण विभाग और परियोजना कार्यान्वयन इकाई के अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं, अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती ने खड़खड़ी क्षेत्र में निमार्णाधीन पुल तथा पुराने दिल्ली-नीति पास मार्ग पर सड़क सुधार और फुटपाथ निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित कार्यदायी संस्थाओं को कुंभ मेला-2027 से जुड़े सभी निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए।

राहुल गांधी व विपक्ष की याचिका से तकनीकी कमियां दूर, सुप्रीम कोर्ट में 26 अक्टूबर को सुनवाई संभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त के कामकाज के तरीके और देशभर में चल रहे विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ कांग्रेस नेता राहुल गांधी तथा अन्य विपक्षी नेताओं द्वारा सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका से जुड़ी सभी तकनीकी कमियां दूर की गई हैं। शीर्ष अदालत की रजिस्ट्री द्वारा आपत्तियां हटाने के बाद याचिका को औपचारिक रूप से रिट पिटीशन के रूप में दर्ज किया गया है। सुप्रीम कोर्ट के आधिकारिक सिस्टम के अनुसार, इस महत्वपूर्ण मामले पर सुनवाई की संभावित तारीख 26 अक्टूबर दर्शायी गई है। दशहरा अवकाश के बाद सुप्रीम कोर्ट का कामकाज 26 अक्टूबर से नियमित रूप से शुरू होगा। हालांकि, शीर्ष अदालत इस सप्ताह 16 अक्टूबर तक कार्य करेगी, जिससे यह संभावना बनी हुई है कि यदि याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता विशेष उल्लेख करते हैं, तब इस पर इसी सप्ताह शीघ्र सुनवाई हो सकती है। 12 अक्टूबर को दाखिल याचिका पर रजिस्ट्री ने कोर्ट फीस, दस्तावेजों की स्पष्टता और वकालतनामे जैसी 14 तकनीकी आपत्तियां लगाई थीं, जिन्हें अब ठीक किया गया है। इस याचिका में दो नए नेताओं—वीसीके संस्थापक टी.थिरुमावलवन और नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता सज्जाद अहमद किचलू के नाम शामिल होने के बाद कुल याचिकाकर्ताओं की संख्या 13 हो गई है। राहुल गांधी और खड़गे सहित प्रमुख विपक्षी नेताओं द्वारा दायर संयुक्त याचिका में आरोप लगाया गया है कि मुख्य चुनाव आयुक्त अन्य चुनाव आयुक्तों की सहमति और जानकारी के बिना एकतरफा निर्णय ले रहे हैं। याचिकाकर्ताओं ने मांग की है कि सुप्रीम कोर्ट एसआईआर शुरू करने से जुड़ी सभी सरकारी फाइलें, नोटिंग्स और रिकॉर्ड सार्वजनिक करने का निर्देश दे।

पंजाब बीजेपी का आम आदमी पार्टी सरकार पर हमला

-सीबीआई जांच और सीएम के इस्तीफे की मांग

चंडीगढ़, एजेंसी।
पंजाब के मानसा में नशा-विरोधी कार्यकर्ता परविंदर सिंह झोटा की दिनदहाड़े गोली मारकर की गई हत्या के बाद राज्य की राजनीति में सियासी उबाल है। पंजाब भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने इस हत्याकांड के पीछे पुलिस और लोकल तंत्र की नाकामी का आरोप लगाकर राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया को पत्र लिखा है। बीजेपी ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने की मांग की है और बिगड़ती कानून-व्यवस्था का हवाला देकर मुख्यमंत्री भगवंत मान के तुरंत इस्तीफे की मांग की है। पंजाब बीजेपी अध्यक्ष ढिल्लों ने कहा कि पंजाब में रोजाना हत्याएं, गैंगवार और नशा तस्करी की घटनाएं हो रही हैं, जिससे सूबे में भय का माहौल है। उन्होंने आरोप लगाया कि झोटा की हत्या उस समय की गई जब उन्होंने नशीली दवाएं बेचने वाली एक केमिस्ट दुकान का भंडाफोड़ किया था। मृतक के पिता के बयानों का हवाला देकर बीजेपी नेता ने दावा किया कि यह अवैध कारोबार लोकल विधायक और पुलिस तंत्र की मिलीभगत से चल रहा है। बीजेपी नेता ढिल्लों ने राज्य सरकार की घेराबंदी कर कहा कि आज ही सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पंजाब पुलिस के अधिकारी को 15 किलोग्राम हेरोइन के साथ रंगे हाथों पकड़ा है, जो यह साबित करता है कि नशे के कारोबार को प्रशासनिक संरक्षण प्राप्त है। उन्होंने अमृतसर में बैंक मैनेजर को गोली मारे जाने और मोहाली मुठभेड़ जैसी घटनाओं का जिक्र कर कहा कि मुख्यमंत्री, जिनके पास गृह विभाग भी है, राज्य को सुरक्षा देने में पूरी तरह विफल साबित हुए हैं। बीजेपी ने पूरे पंजाब में घटना के विरोध में प्रदर्शन शुरू कर कहा है कि केवल भाजपा ही राज्य को नशा मुक्त बना सकती है।

विधानसभा चुनाव से पहले सपा को झटका: 3 बागी विधायक भाजपा में शामिल

अखिलेश यादव की बढ़ी चुनौती

लखनऊ, एजेंसी।
उत्तर प्रदेश की सियासत में समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव को एक बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। सपा के तीन प्रमुख बागी विधायक, राकेश प्रताप सिंह (गौरीगंज, अमेठी), अभय सिंह (गोसाईंगंज, अयोध्या) और विनोद चतुर्वेदी (कालपी, जालौन), आधिकारिक तौर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। इन तीनों विधायकों ने वर्ष 2022 का विधानसभा चुनाव सपा के टिकट पर जीता था, लेकिन 2024 के राज्यसभा चुनाव के दौरान इन्होंने भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में क्रॉस-वोटिंग की थी, जिसके बाद से ही इनके भाजपा में जाने की अटकलें तेज थीं।
भाजपा में शामिल होने के बाद तीनों विधायकों ने समाजवादी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर जमकर हमला बोलकर अपने दल-बदल के पीछे के कारणों का खुलासा किया।

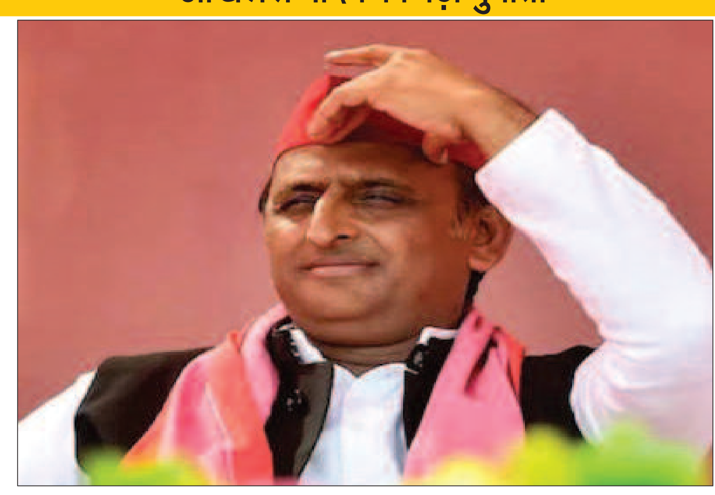

गोसाईंगंज से विधायक अभय सिंह ने कहा कि रामचरितमानस का अपमान करने वालों और भगवान श्री राम के दर्शन से रोकने वालों का साथ देना उनके लिए संभव नहीं था। कालपी से विधायक विनोद चतुर्वेदी ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर के भव्य उद्घाटन के समय सपा हाईकमान द्वारा विधायकों को दर्शन करने से रोकना करोड़ों लोगों की जन-आस्था पर सीधी चोट थी। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विकास कार्यों की सराहना कर कहा कि जनता के समग्र विकास के लिए उन्होंने भाजपा का दामन थामा है।
गौरीगंज के विधायक राकेश प्रताप सिंह ने दावा किया कि उनके क्षेत्र की 98 प्रतिशत जनता और बूथ स्तर के कार्यकर्ता भी सपा छोड़कर भाजपा में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनके साथ करीब एक हजार स्थानीय जनप्रतिनिधि भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर चुके हैं। इस राजनीतिक घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देकर यूपी सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जन-कल्याणकारी नीतियों से प्रभावित होकर जन-प्रतिनिधि लगातार भाजपा की ओर आकर्षित हो रहे हैं। तीन विधायकों के इस दलबदल से आगामी लोकसभा चुनावों से पहले समाजवादी पार्टी के रणनीतिक खेमे को एक बड़ा नुकसान पहुंचा है, और यह अखिलेश यादव के लिए नई मुश्किलें खड़ी कर सकता है।

लक्सर में पनीर बनाने वाली इकाई पर छापा, नौ कुंतल पनीर और 90 किलो तेल नष्ट; लाइसेंस निलंबित

हरिद्वार (शिखर समाचार)। नवरात्र और दीपावली के मद्देनजर खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने लक्सर क्षेत्र के संघीपुर गढ़ी स्थित पनीर निर्माण इकाई पर छापेमारी की। 13 अक्टूबर की मध्य रात्रि और 14 अक्टूबर की सुबह की गई कार्रवाई में करीब तीन कुंतल तैयार पनीर, छह कुंतल अधबना पनीर और 90 किलोग्राम पामोलीन तेल सहित लगभग 10 कुंतल खाद्य सामग्री नष्ट कराई गई। विभाग ने इकाई को अग्रिम आदेशों तक बंद कराते हुए उसका खाद्य लाइसेंस भी निलंबित कर दिया।
खाद्य सुरक्षा आयुक्त विनय शंकर पांडेय और जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देश पर गढ़वाल मंडल के उपायुक्त राजेंद्र सिंह रावत के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। टीम में सहायक आयुक्त महिमानंद जोशी, वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिलीप जैन, योगेंद्र पांडेय और पवन कुमार शामिल रहे। पुलिस बल और महिला पुलिसकर्मियों ने भी कार्रवाई में सहयोग किया।

छापेमारी के दौरान निर्माण स्थल पर बिक्री के लिए रखा करीब तीन कुंतल तैयार पनीर और लगभग छह कुंतल अधबना पनीर मिला। इसके अलावा 15 किलोग्राम क्षमता वाले पामोलीन तेल के छह भरे टिन, 26 खाली टिन और 25 किलोग्राम क्षमता वाले स्किम्ड मिल्क पाउडर के 10 खाली बोरे भी मिले। जांच के दौरान स्किम्ड मिल्क पाउडर और पामोलीन तेल का इस्तेमाल कर पनीर तैयार किए जाने की जानकारी सामने आई। विभाग के अनुसार, उत्तराखंड में सात अगस्त 2026 को एनालॉग पनीर के निर्माण, भंडारण और बिक्री पर प्रतिबंध लगाया गया था।
कार्रवाई के दौरान गड्ढा खुदवाकर तैयार और अधबना पनीर तथा पामोलीन तेल नष्ट कराया गया। इकाई पर नोटिस चस्पा कर कामकाज बंद करा दिया गया। संचालक ताजिम पुत्र फैयाज, निवासी संघीपुर गढ़ी के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है। मौके से पनीर और पामोलीन तेल के नमूने लेकर जांच के लिए राजकीय प्रयोगशाला, रुद्रपुर भेजे गए हैं। विभाग ने त्योहारों के दौरान मिलावटखोरी पर अंकुश लगाने के लिए अभियान जारी रखने की बात कही है।

चारधाम से आदि कैलाश तक सनातन संस्कृति का संदेश लेकर निकली जूना अखाड़े की पवित्र छड़ी यात्रा

हरिद्वार (शिखर समाचार)। जूना अखाड़े की पवित्र छड़ी यात्रा बुधवार को पौराणिक सिद्धपीठ मायादेवी मंदिर से वैदिक मंत्रोच्चार के बीच रवाना हुई। आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि और अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री एवं जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक श्रीमहंत हरि गिरि के सानिध्य में संतों ने विधि-विधान से यात्रा का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, कुंभ मेला अधिकारी सोनिका और अपर मेला अधिकारी दयानंद सरस्वती सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।
हिमालय पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी वीरेंद्रानंद गिरि के नेतृत्व में लगभग 70 साधु-संतों, नागा संन्यासियों और श्रद्धालुओं का जत्था उत्तराखंड के पौराणिक तीर्थों की यात्रा पर रवाना हुआ। पवित्र छड़ी यात्रा के अंतर्गत यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बदरीनाथ सहित केदारखंड एवं मानसखंड के विभिन्न प्राचीन तीर्थस्थलों, सिद्धपीठों, शिवालयों और शक्तिपीठों में दर्शन-पूजन किया जाएगा। यात्रा में ओम पर्वत और आदि कैलाश के दर्शन भी प्रस्तावित हैं। इस दौरान सनातन धर्म की परंपराओं के प्रचार-प्रसार, आध्यात्मिक चेतना के जागरण और राष्ट्रीय एकता का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जाएगा।

यात्रा के शुभारंभ अवसर पर जूना अखाड़े के वरिष्ठ सभापति श्रीमहंत प्रेम गिरि, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमहंत महेश पुरी, श्रीमहंत केदारपुरी, महामंत्री श्रीमहंत शैलेंद्र गिरि और श्रीमहंत रामेश्वर गिरि सहित अनेक संत-महंत मौजूद रहे। संतों ने पवित्र छड़ी के पूजन के साथ यात्रा की सफलता और श्रद्धालुओं के कल्याण की कामना की। जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सचिव श्रीमहंत नारायण गिरि ने कहा कि पवित्र छड़ी यात्रा सनातन धर्म की प्राचीन और गौरवशाली परंपरा का प्रतीक है। यह गुरु-शिष्य परंपरा, त्याग, तपस्या और भारतीय संस्कृति की आध्यात्मिक विरासत को जीवंत बनाए रखने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि इस यात्रा के जरिए युवा पीढ़ी को वेदों, उपनिषदों और श्रीमद्भगवद्गीता के संदेशों से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही, देश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक एकता को मजबूत करने का संदेश भी दिया जाएगा।

एलएसी पर शांति के बिना चीन से रिश्ते सामान्य होना संभव नहीं: जयशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भारत-चीन संबंधों को लेकर देश का रुख फिर पूरी तरह स्पष्ट किया है। उन्होंने कहा कि भारत और चीन के बीच संबंधों को सामान्य बनाने के लिए वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर शांति और स्थिरता का बना रहना सबसे प्राथमिक और अनिवार्य शर्त है। ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में जयशंकर ने कहा कि सीमा पर किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या तनाव का सीधा असर दोनों देशों के द्विपक्षीय, व्यापारिक और आर्थिक संबंधों पर पड़ेगा।
विदेश मंत्री जयशंकर ने उल्लेख किया कि वर्ष 2024 के बाद से एलएसी पर स्थिति में सुधार आया है और उसी अनुपात में दोनों देशों के रिश्तों में भी धीरे-धीरे सामान्य स्थिति की ओर बढ़ रहे है। उन्होंने कहा कि पूर्वी लद्दाख में साढ़े चार साल तक चले सैन्य गतिरोध के बाद अब विश्वास बहाली के उपाय हो रहे हैं। जब विदेश मंत्री जयशंकर से चीन से आने वाले निवेश और व्यापारिक ढील के बारे में पूछा गया, तब उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत व्यापार के लिए सीमा विवाद के पूर्ण समाधान की शर्त नहीं रख रहा है, लेकिन सीमा पर शांति और स्थिरता जरुरी है। व्यापारिक और बाजार पहुंच से जुड़ी नीतियों पर अलग से और स्थिति का आकलन करके निर्णय लिया जाएगा। जयशंकर ने चीन के साथ बढ़ते व्यापार असंतुलन पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार पूरी तरह से चीन के पक्ष में झुका हुआ है। भारतीय कंपनियों को चीनी बाजारों में वह समान मौके और पहुंच नहीं मिल पा रही है, जो भारत ने चीनी कंपनियों को अपने बाजार में दी है। 2020 की गलवान घाटी की हिंसक झड़प का जिक्र कर विदेश मंत्री ने कहा कि 1975 से 2020 तक पूरे 45 वर्षों तक सीमा पर शांति बनी रही और कोई खून-खराबा नहीं हुआ था। लेकिन 2020 की घटना ने उस चार दशक पुरानी यथास्थिति को तोड़ दिया, जिससे दोनों देशों के संबंधों में गंभीर तनाव आ गया। उन्होंने साफ किया कि भविष्य में भी संबंधों की दिशा सीमा पर अमन-चैन से ही तय होगी।

ट्रोनिका सिटी में पुलिस मुठभेड़, हत्या का वांछित आरोपी बिलाल घायल अवस्था में गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। कमिश्नरेट गाजियाबाद के थाना ट्रोनिका सिटी पुलिस ने हत्या के मामले में वांछित आरोपी को पुलिस मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ में आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसके बाद पुलिस ने उसे घायल अवस्था में पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बिलाल (27) निवासी केला गोदाम, थाना अंकुर विहार क्षेत्र के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक चाकू, एक तमंचा, एक जिंदा कारतूस, दो खोखा कारतूस और एक मोटरसाइकिल बरामद की है। घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस के अनुसार, 12 अक्टूबर 2026 को थाना ट्रोनिका सिटी में हत्या की घटना के संबंध में मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले में वांछित आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की तीन टीमें लगाई गई थीं। बुधवार को चेकिंग के दौरान पुलिस टीम को एक मोटरसाइकिल सवार तेजी से आता दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया, लेकिन वह रुकने के बजाय खानपुर की ओर भागने लगा। इसके बाद पुलिस टीम ने उसका पीछा किया। पुलिस का कहना है कि पीछा किए जाने के दौरान आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। इसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आरोपी के पैर में गोली लग गई। पुलिस टीम ने उसे घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम बिलाल बताया। पुलिस के मुताबिक, वह ट्रोनिका सिटी थाने में दर्ज हत्या के मुकदमे में वांछित था। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने आरोपी के कब्जे से हथियार और कारतूस बरामद किए। बरामद सामान में एक चाकू, एक तमंचा, एक जिंदा कारतूस, दो खोखा कारतूस और एक मोटरसाइकिल शामिल है। पुलिस अब बरामदगी से जुड़े तथ्यों की जांच और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। पुलिस के अनुसार, बिलाल के खिलाफ फिलहाल ट्रोनिका सिटी थाने में हत्या के मामले का अभियोग दर्ज है। उसके अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाई जा रही है। इस कार्रवाई को थाना ट्रोनिका सिटी पुलिस टीम ने अंजाम दिया।

मेरठ तिराहे से शातिर वाहन चोर गिरफ्तार, चोरी की क्रेटा समेत चार वाहन बरामद

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। कमिश्नरेट गाजियाबाद में वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सिहानी गेट पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस टीम ने मेरठ तिराहे से वाहन चोरी के मामले में आबिद (34) को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से इंदिरापुरम क्षेत्र से चोरी की गई सफेद रंग की क्रेटा कार बरामद हुई है। इसके अलावा पुलिस ने वाहन चोरी में इस्तेमाल होने वाले औजार और चार फर्जी नंबर प्लेट भी बरामद की हैं। आरोपी की निशानदेही पर हिंडन नदी के पास कब्रिस्तान के पीछे झाड़ियों में छिपाकर रखी गई तीन रॉयल एनफील्ड बुलेट मोटरसाइकिल भी बरामद की गईं। इस तरह पुलिस ने आरोपी के कब्जे और निशानदेही पर कुल चार वाहन बरामद किए हैं। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी अपने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देता था। गिरोह के सदस्य चोरी किए गए वाहनों की पहचान छिपाने के लिए फर्जी नंबर प्लेट का इस्तेमाल करते थे। चोरी के वाहनों को सुनसान स्थानों पर छिपाकर रखने के साथ ही उन्हें ठिकाने लगाने की तैयारी भी की जाती थी। पुलिस अब बरामद वाहनों और अन्य सामान के आधार पर गिरोह के काम करने के तरीके तथा वाहन चोरी की दूसरी घटनाओं में उसकी संलिप्तता की जांच कर रही है। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी के खिलाफ दिल्ली, गाजियाबाद समेत कई जिलों में वाहन चोरी और अन्य आपराधिक मामलों के दो दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस आरोपी के आपराधिक इतिहास का सत्यापन करने के साथ यह पता लगाने में जुटी है कि उसने अपने साथियों के साथ मिलकर किन-किन क्षेत्रों में वारदातों को अंजाम दिया है। बरामद क्रेटा कार और तीनों बुलेट मोटरसाइकिलों के संबंध में भी आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, गिरोह में शामिल अमरोहा निवासी आरोपी के दोनों फरार साथियों की तलाश की जा रही है। उनकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। पुलिस को उम्मीद है कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी से वाहन चोरी की अन्य घटनाओं और गिरोह के नेटवर्क के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है।

सीता हरण, राम-हनुमान मिलन और बाली वध की लीला का मंचन

मुरादनगर (शिखर समाचार)। श्री आदर्श रामलीला कमेटी के तत्वावधान में आयोजित रामलीला महोत्सव के दौरान सीता हरण, प्रभु श्रीराम-हनुमान मिलन और बाली वध की सजीव लीलाओं का भावपूर्ण मंचन किया गया। कलाकारों के उम्दा अभिनय ने दर्शकों को पूरी तरह मंत्रमुग्ध कर दिया। इन प्रमुख प्रसंगों के दौरान पूरा पंडाल जय श्रीराम के गगनभेदी जयकारों से गूंज उठा।लीला के मंचन में दिखाया गया कि स्वर्ण मृग को देखकर माता सीता ने प्रभु श्रीराम से उसे प्राप्त करने की इच्छा व्यक्त की। प्रभु श्रीराम मृग के पीछे चल पड़े और लक्ष्मण को माता सीता की सुरक्षा के लिए कुटिया में रहने का निर्देश दिया। कुछ देर बाद मारीच द्वारा राम की आवाज में 'त्राहिमाम' की पुकार सुनकर माता सीता चिंतित हो गईं और उन्होंने लक्ष्मण को उनकी सहायता के लिए जाने का आग्रह किया। सीता के विशेष आग्रह पर लक्ष्मण कुटिया के बाहर सुरक्षा रेखा खींचकर श्रीराम की खोज में निकल पड़े। इसी ताक में बैठे रावण ने साधु का वेश धारण कर भिक्षा मांगने के बहाने माता सीता का हरण कर लिया। सीता को लंका ले जाते समय पक्षीराज जटायु ने रावण का पुरजोर विरोध किया, लेकिन रावण ने उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। इसके पश्चात, माता सीता की खोज में वन-वन भटक रहे प्रभु श्रीराम और लक्ष्मण की किष्किंधा पर्वत पर हनुमान जी से भेंट हुई। हनुमान जी ने अत्यंत श्रद्धा के साथ प्रभु श्रीराम की मित्रता सुग्रीव से कराई। इसके उपरांत, सुग्रीव और बाली के बीच भीषण युद्ध हुआ, जिसमें प्रभु श्रीराम ने बाली का वध कर सुग्रीव को उसका राज्य पुन: वापस दिलाया। इन सभी प्रेरणादायी प्रसंगों के मंचन के दौरान दर्शकों ने जय श्रीराम के उद्घोष के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। इस धार्मिक आयोजन के दौरान कमेटी के सभी पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के गणमान्य लोग और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

आवास विकास का महा-एक्शन: 315 करोड़ के बकायेदारों पर गरजा प्रवर्तन दल, सीलिंग और कुर्की का अल्टीमेटम

गार्डेनिया, फ्यूटेक और गौतम समिति पर शिकंजा; आवंटन होंगे निरस्त, नीलाम होंगी डिफॉल्ट संपत्तियां

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद ने गाजियाबाद में अरबों रुपये के बकायेदारों के खिलाफ आर-पार की जंग छेड़ दी है। वसुंधरा योजना में करोड़ों रुपये दबाकर बैठे बड़े डिफॉल्टरों से वसूली के लिए परिषद की विशेष टीम प्रवर्तन दल (प्रवर्तन दस्ता) के भारी लाव-लश्कर के साथ सीधे बकायेदारों की संपत्तियों पर आ धमकी। विभाग की इस अचानक और आक्रामक कार्रवाई से बड़े बिल्डरों और डिफॉल्टरों में हड़कंप मच गया है। अधिकारियों ने दो टूक चेतावनी दी है कि यदि पाई-पाई का भुगतान तत्काल नहीं हुआ, तो संपत्तियों को सील करने के साथ-साथ कुर्की और आरसी (वसूली प्रमाण पत्र) जारी करने की अंतिम वैधानिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

अरबों के बकाये पर कुंडली मारे बैठे हैं ये बड़े नाम:

- **गार्डेनिया इंडिया लिमिटेड: लगभग ₹157 करोड़ का भारी-भरकम बकाया**
- **फ्यूटेक प्राइवेट लिमिटेड: करीब ₹139 करोड़ की देनदारी**
- **गौतम सहकारी समिति: लगभग ₹19 करोड़ का बकाया**

कार्रवाई के दौरान कई ऐसी डिफॉल्ट संपत्तियां भी चिन्हित की गईं, जिनका आवंटन तत्काल प्रभाव से निरस्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। निरस्त की गई इन संपत्तियों को आवास विकास परिषद अब सार्वजनिक नीलामी के जरिए बेचकर अपने राजस्व की भरपाई करेगा।

जिला प्रशासन से जल्द मुलाकात, चलेगा संयुक्त महा-अभियान

परिषद के उच्चाधिकारी अपनी बकाया धनराशि की शत-प्रतिशत वसूली सुनिश्चित करने के लिए जल्द ही गाजियाबाद जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से सीधी मुलाकात करने जा रहे हैं। प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर आरसी के जरिए बकायेदारों की अन्य संपत्तियों की कुर्की और सख्त कानूनी प्रक्रिया को अंजाम दिया जाएगा। परिषद के इस आक्रामक रुख से साफ है कि सिद्धार्थ विहार, वसुंधरा और मंडोला में वर्षों से बकाया डकारने वाले डिफॉल्टरों की अब खैर नहीं है।

> "बकायेदारों को स्पष्ट संदेश दे दिया गया है कि परिषद के बकाये को लेकर अब कोई रियायत या समझौता नहीं होगा। आने वाले दिनों में यह अभियान और व्यापक रूप लेगा। वसुंधरा के बाद यह महा-अभियान सिद्धार्थ विहार और मंडोला योजना में भी उसी सख्ती से चलेगा। हर डिफॉल्टर की संपत्ति चिन्हित है, किसी को बख्शा नहीं जाएगा।"
> ■ पी.एस. रावत, संपत्ति प्रबंधक (गाजियाबाद)

> "परिषद की बकाया धनराशि जनता और विकास की अमानत है। वर्षों से करोड़ों रुपये दबाकर बैठे बकायेदार तत्काल अपना संपूर्ण बकाया जमा कराएं। आगामी सप्ताह से किसी को कोई मोहलत नहीं मिलेगी; संपत्तियों की सीलिंग, आवंटन निरस्तीकरण और वसूली प्रमाण पत्र (आरसी) जारी कर प्रशासन के माध्यम से कठोर वसूली कराई जाएगी। साथ ही, आम बायर्स से स्पष्ट अपील है कि किसी भी संस्था या बिल्डर से संपत्ति खरीदने से पहले परिषद कार्यालय आकर उसके बकाये की स्थिति जरूर जांच लें, अन्यथा किसी भी कानूनी या वित्तीय नुकसान के लिए वे खुद जिम्मेदार होंगे।"
> ■ अनिल कुमार सिंह, उप आवास आयुक्त (मेरठ जोन)

जिलाधिकारी की मदद से संविदा पर मिली नौकरी, ओमवीर सेन ने क्रिकेट में तीन पुरस्कार जीतकर बढ़ाया जिले का मान

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ के जनता दरबार में रोजगार की गुहार लेकर पहुंचे दिव्यांग क्रिकेटर ओमवीर सेन की उम्मीद पूरी हुई तो उन्होंने क्रिकेट के मैदान पर शानदार प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया। उत्तर प्रदेश पैरा क्रिकेट टीम की ओर से खेलते हुए ओमवीर ने मैन ऑफ द मैच, मैन ऑफ द सीरीज और सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज के पुरस्कार हासिल किए। जीत की खुशियां साझा करने के लिए उन्होंने जिलाधिकारी से मुलाकात कर उन्हें धन्यवाद दिया।

गोविंदपुरी, मोदीनगर निवासी ओमवीर सेन ने कुछ सप्ताह पहले जनता दरबार में अपनी समस्या रखते हुए बताया था कि वह भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम और उत्तर प्रदेश पैरा क्रिकेट टीम के खिलाड़ी हैं, लेकिन उन्हें रोजगार नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने जिलाधिकारी से नौकरी दिलाने का अनुरोध किया था। मामले का संज्ञान लेने के बाद उन्हें मोदीनगर नगरपालिका में संविदा पर रोजगार मिल गया। इसके लिए ओमवीर ने जिलाधिकारी का आभार जताया था।

रोजगार मिलने के बाद ओमवीर बनारस में आयोजित क्रिकेट मुकाबलों में हिस्सा लेने रवाना हुए। मैचों से पहले उन्होंने जिलाधिकारी से आशीर्वाद लिया और अपने बल्ले पर उनका हस्ताक्षर भी प्राप्त किया। ओमवीर ने जिलाधिकारी को अपना आदर्श बताते हुए कहा था कि वे उनके लिए भाग्यशाली हैं।

प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के बाद ओमवीर ने जिलाधिकारी से दोबारा मुलाकात की और अपने पुरस्कार दिखाकर खुशी साझा की। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश पैरा क्रिकेट टीम की ओर से खेलते हुए उन्हें मैन ऑफ द मैच, मैन ऑफ द सीरीज और सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज का पुरस्कार मिला। ओमवीर ने इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए जिलाधिकारी का दिल से आभार व्यक्त किया। जिलाधिकारी की ओर से उनके गांव में उनके नाम पर सड़क का नामकरण कराने की बात भी कही गई है।

मिशन शक्ति 6.0: प्रधानाध्यापिका डॉ. सुमन अग्रवाल सम्मानित

हापुड़ (शिखर समाचार)। जनपद में नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को समर्पित 'मिशन शक्ति - 6.0' अभियान के अंतर्गत एक भव्य महिला सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। नगर पालिका परिषद सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक (एसपी) आईपीएस मधुवन कुमार सिंह और अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) महेश कुमार ने बालिकाओं व महिलाओं को जागरूक करने में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग की प्रधानाध्यापिका डॉ. सुमन अग्रवाल सहित अन्य विशिष्ट महिलाओं और महिला पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। समारोह को संबोधित करते हुए एसपी आईपीएस मधुवन कुमार सिंह और एएसपी महेश कुमार ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, कानूनी अधिकारों और आत्मसम्मान के प्रति जागरूक करना है। साथ ही, उन्हें किसी भी विषम परिस्थिति में त्वरित सहायता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करना है, ताकि समाज में महिलाओं का आत्मविश्वास और अधिक मजबूत हो सके।

इस अवसर पर सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी, चीफ फायर ऑफिसर (सीएफओ) अजय शर्मा, महिला थाना प्रभारी निरीक्षक अरुणा राय और इंस्पेक्टर मनु चौधरी सहित पुलिस विभाग व प्रशासन के कई अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जनपदीय एथलेटिक्स में खिलाड़ियों ने लगाई तेज दौड़, प्रिंस और सलोनी ने मारी बाजी

सहारनपुर (शिखर समाचार)। बीडी बाजोरिया इंटर कॉलेज के खेल मैदान पर 70वीं जनपदीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का शुभारंभ सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच उत्साहपूर्वक हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन जिला परियोजना अधिकारी प्रदीप द्विवेदी, जिला विद्यालय निरीक्षक जय करन यादव और जिला विद्यालय निरीक्षक द्वितीय हर्ष देव स्वामी ने 800 मीटर दौड़ को हरी झंडी दिखाकर किया। प्रतियोगिता में जनपद के 50 से अधिक विद्यालयों के खिलाड़ियों ने उत्साह के साथ प्रतिभाग किया और विभिन्न स्पधाओं में अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दौरान अलग-अलग आयु वर्गों की दौड़ और अन्य एथलेटिक्स स्पधाओं में खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। बालक वर्ग की 800 मीटर दौड़ में देवबंद के प्रिंस ने प्रथम, राहुल ने द्वितीय और अनस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जूनियर वर्ग की 800 मीटर दौड़ में रामपुर

तहसील के लकी प्रथम, केशव द्वितीय तथा नकुड़ तहसील के पीयूष तृतीय स्थान पर रहे। वहीं, 600 मीटर की सब-जूनियर बालिका दौड़ में सलोनी ने प्रथम, साक्षी ने द्वितीय और नव्या ने तृतीय स्थान हासिल किया। गोला फेंक बालिका वर्ग में अंजुल ने पहला, परीक्षा ने दूसरा और नैंसी ने तीसरा स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। कार्यक्रम में केके शर्मा, कुलभूषण जैन, प्रधानाचार्य राजीव रंजन, प्रतियोगिता संयोजक धर्मेंद्र कुमार, डॉ. सुभाष सागर, शालिनी रानी, प्रधानाचार्य परिषद के अध्यक्ष राजवीर सिंह, धर्मेंद्र शर्मा, सचिव अजय गुप्ता, बृजमोहन द्विवेदी, अनूप सिंह, गौरव मिश्रा और विक्रम सिंह सहित विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य उपस्थित रहे। जनपदीय क्रीड़ा सचिव प्रवीण चौधरी और प्रतियोगिता के क्रीड़ा सचिव मुकेश राही ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में खेल भावना, अनुशासन और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता विकसित करना है। प्रतियोगिता के आयोजन से खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने और खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर मिला। पूरे आयोजन के दौरान खेल मैदान में उत्साह का माहौल बना रहा।

रामपुर मनिहारान की रामलीला में भावुक हुआ केवट संवाद, श्रीराम के गंगा पार करने का सजीव मंचन

रामपुर मनिहारान/सहारनपुर (शिखर समाचार)। श्री गंगाराम रामलीला कमेटी की ओर से आयोजित रामलीला में बीती रात भगवान श्रीराम और केवट संवाद का मनोहारी मंचन किया गया। कलाकारों ने अपने सशक्त अभिनय से रामायण के प्रसंग को जीवंत कर दिया, जिसे देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। कार्यक्रम का उद्घाटन युवा भाजपा नेता गौतम पंवार और रेडीमेड वस्त्र व्यवसायी खुशहाल सैनी ने फीता काटकर किया। इस दौरान रामलीला देखने पहुंचे श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल रहा। मंचन में दिखाया गया कि वनवास के दौरान भगवान श्रीराम अपनी पत्नी सीता और भाई लक्ष्मण के साथ गंगा नदी के तट पर पहुंचते हैं। नदी पार करने के लिए वे केवट से नाव उपलब्ध कराने का अनुरोध करते हैं। केवट भगवान श्रीराम के चरणों की महिमा को समझते हुए पहले तीनों के पैर धोता है और फिर

उन्हें अपनी नाव में बैठाकर गंगा नदी पार कराता है। इस प्रसंग के माध्यम से कलाकारों ने भगवान के प्रति भक्ति, समर्पण और निष्कपट प्रेम का संदेश दिया। कलाकारों ने पूरी तैयारी और प्रभावशाली अभिनय के साथ प्रस्तुति देकर दर्शकों की सराहना प्राप्त की। इससे पहले के दृश्य में वनवास के दौरान श्रीराम और लक्ष्मण को वट वृक्ष का दूध लगाकर अपना रूप बदलते देखकर अयोध्या के मंत्री सुमंत मूर्छित हो जाते हैं। श्रीराम, सीता और लक्ष्मण उन्हें वहीं छोड़कर आगे की यात्रा पर निकल जाते हैं। इस प्रसंग ने भी दर्शकों को भावुक किया। श्री गंगाराम कमेटी की रामलीला का संचालन सन्नी सैनी ने किया। इस अवसर पर कमेटी के प्रधान रामनिवास सैनी, संजय गुप्ता, जोगेंद्र चौधरी, जय सैनी, रामलीला कमेटी के पूर्व मंत्री अनिल जैन, रवि पाल, अशोक जैन और मुकेश सैनी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

शामली में 50 से अधिक दुकानों के नाम पर फर्जी बिल बनाने का आरोप, लाखों के भुगतान की जांच

शामली (शिखर समाचार)। जनपद में 50 से अधिक मेडिकल स्टोर, स्टेशनरी और अन्य दुकानों के नाम पर कथित फर्जी बिल तैयार कर लाखों रुपये का भुगतान कराने का मामला सामने आया है। आरोप है कि केंद्रीय भंडार गृह शामली की मोहर का इस्तेमाल कर दुकानदारों के नाम से बिल बनाए गए, जबकि संबंधित दुकानदारों ने इन्हें जारी करने से इनकार किया है। जिलाधिकारी आलोक यादव ने मामले की जांच के निर्देश दिए हैं। पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह ने भी प्रकरण को गंभीर बताया है।

शामली केमिस्ट एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष देवराज मलिक ने अधिकारियों से शिकायत कर निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। भारत मेडिकल स्टोर के नाम पर 1,080 रुपये का बिल सामने आया है। संचालक देवराज मलिक का कहना है कि उन्होंने यह बिल जारी नहीं किया। उनके अनुसार, बिल पर दर्ज वस्तु एवं सेवा कर संख्या गलत है

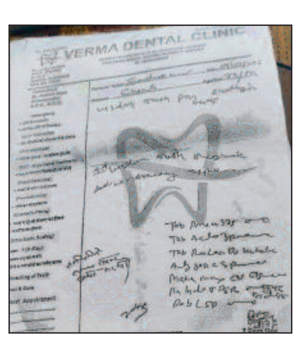

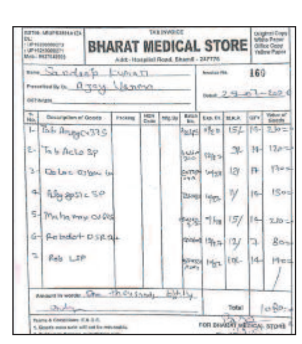

और हस्ताक्षर भी उनके नहीं हैं। उस्मान मेडिकल स्टोर के नाम पर 1,565 रुपये का बिल बनाए जाने पर भी संचालक ने आपत्ति जताई है। इसके अलावा डॉ. अकबर खान ने भुवयांश यादव के नाम से 14 अगस्त को तैयार पर्चा जारी करने से इनकार किया है। वर्मा डेंटल क्लीनिक के नाम से 29 जुलाई का पर्चा बनाए जाने के मामले में डॉ. अजय ने भी जांच की मांग की है। सिटी मैगजीन स्टेशनरी के नाम पर 1,330 रुपये और श्रीराम इलेक्ट्रिक के नाम पर 650 रुपये का बिल दशार्या गया। संबंधित दुकानदारों ने बिल जारी करने और उन पर दर्ज हस्ताक्षरों को अपना मानने से इनकार किया है। केमिस्ट एसोसिएशन के अनुसार, अब तक 50 से अधिक दुकानों के नाम सामने आए हैं। जांच में यह पता लगाया जाएगा कि कथित बिल कहां तैयार किए गए, भुगतान किसने कराया और इसमें किन लोगों की भूमिका रही। केंद्रीय भंडार गृह के प्रबंधक संदीप कुमार ने भी मामले की जांच कराने की बात कही है। जिलाधिकारी आलोक यादव ने स्पष्ट किया कि जांच में दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल आरोपों की पुष्टि जांच और संबंधित अभिलेखों के परीक्षण के बाद ही हो सकेगी।

संक्षिप्त समाचार

सीएम से सम्मान पाकर गदगद हुए ग्राम प्रहरी

बरेली , एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों सम्मानित होकर ग्राम प्रहरियों के चेहरे खिल उठे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार मुश्किल समय में लोगों के साथ खड़ी रहती है। मानदेय 2500 से बढ़ाकर 3500 कर दिया गया है। गांवों में सुरक्षा का माहौल बेहतर हुआ है। महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा को लेकर भी लोगों में भरोसा बढ़ा है। पुलिस लाइन में सीएम के हाथों 11 ग्राम प्रहरियों को सम्मानित किया गया।

सात दिन के लिए बिलपुर क्रॉसिंग पर वाहनों का आवागमन बंद

बरेली , एजेंसी। फतेहगंज पूर्वी। कस्बे के दातागंज मार्ग पर स्थित बिलपुर रेलवे क्रॉसिंग संख्या 344 सी को मरम्मत कार्य के कारण मंगलवार सुबह से 19 अक्तूबर तक के लिए बंद कर दिया गया है। इस कारण इस मार्ग से वाहनों का आवागमन नहीं हो सकेगा।

इससे पहले 10 से 16 तारीख के बीच इस क्रॉसिंग को मरम्मत कार्य के लिए बंद किया जाना था, लेकिन किसी कारणवश इसको बंद नहीं किया जा सका था। हालांकि रेलवे विभाग की ओर से जारी पत्र के अनुसार मंगलवार सुबह दस बजे से यह बंद सात दिन के लिए लागू हो गया। रेल पथ निरीक्षक मोहम्मद जैद रजा ने बताया कि रेल पथ सीनियर सेक्शन इंजीनियर शाहजहांपुर ने जारी पत्र में थाना पुलिस, आरपीएफ पुलिस सहित बिलपुर स्टेशन अधीक्षक को जानकारी दी है। इस दौरान लोग निवड़िया क्रॉसिंग संख्या 345, 346 सी से होकर आवागमन कर सकेंगे।

पेंसिल पैकिंग के नाम पर महिला से साइबर ठगी

बरेली , एजेंसी। पेंसिल पैकिंग का काम देने का झांसा देकर गांधीनगर कॉलोनी निवासी मंदीप कौर से 69,500 रुपये ठग लिए गए। पीड़िता ने प्रेमनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

मंदीप कौर ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उन्होंने 11 सितंबर को फेसबुक पर पेंसिल पैकिंग के काम का एक विज्ञापन देखा था। विज्ञापन में दिए गए नंबर पर संपर्क करने पर पंकज नाम के व्यक्ति ने उनसे बात की। पंकज ने मंदीप कौर को हर महीने 30 हजार रुपये कमीशन देने का लालच दिया। 12 सितंबर को एक डिलीवरी मैन ने उनसे संपर्क किया और सामान देने के बदले भुगतान करने को कहा। आरोपी ने क्यूआर कोड भेजकर मंदीप कौर से अलग-अलग खातों में कुल 69,500 रुपये ट्रांसफर करा लिए। रुपये भेजने के बावजूद उन्हें कोई सामान प्राप्त नहीं हुआ। इसके बाद महिला को ठगी का अहसास हुआ।

विद्यार्थियों की मानसिक सेहत परखी

लखनऊ, एजेंसी। विद्यार्थियों की मानसिक सेहत और भावनात्मक स्थिति का आकलन करने के लिए ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में मंगलवार को मनोवैज्ञानिक परीक्षण शिविर लगाया गया। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित शिविर में तनाव, व्यक्तित्व, सामान्य मानसिक स्वास्थ्य और संवेगात्मक बुद्धिमत्ता की जांच की गई। कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य समग्र विकास का अहम हिस्सा है। समय रहते उचित मार्गदर्शन लेने से तनाव प्रबंधन और भावनात्मक संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है।

नए वाहनों से शेरगढ़ में कूड़ा उठान होगा व्यवस्थित

बरेली , एजेंसी। नगर पंचायत में साफ-सफाई व्यवस्था को और अधिक बेहतर बनाने के उद्देश्य से नगर पंचायत शेरगढ़ ने छह ई-रिक्शा, एक जेसीबी मशीन और एक टिपर वाहन की खरीद की है। इससे अब कस्बे में कूड़ा उठान और भी व्यवस्थित तरीके से हो सकेगा। कस्बे में मंगलवार को नगर पंचायत परिसर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद नगर पंचायत अध्यक्ष बुद्धसेन मौर्य एवं अधिशासी अधिकारी दुर्गेश कुमार सिंह के नेतृत्व में सभी वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। नगर पंचायत अध्यक्ष बुद्धसेन मौर्य ने कहा कि नगर पंचायत को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखना नगर पंचायत की प्राथमिकता है।

सरकारी जमीन पर फर्जी एनओसी से पास कराया नक्शा, एडीए ने किया निरस्त; अफसरों-कर्मचारियों की जांच शुरू

आगरा, एजेंसी। आगरा विकास प्राधिकरण (एडीए) ने धाकरान इलाके में नजूल विभाग के फर्जी पत्र के सहारे पास कराए गए भवन के नक्शे को निरस्त कर दिया। इसके साथ ही नक्शा स्वीकृति की प्रक्रिया के दौरान तैनात रहे अधिकारियों को भी प्राधिकरण ने चिह्नित कर जांच शुरू कर दी है।

विभागीय सूत्रों के अनुसार नजूल विभाग ने अपने पत्र में दावा किया है कि उसकी ओर से सिर्फ एक ही पत्र जारी किया गया जिसमें संपत्ति के सरकारी भूमि होने का उल्लेख था। ऐसे में किसी फर्जी पत्र के आधार पर नक्शा पास किया जाना गलत है। विभाग के इस दावे के बाद प्राधिकरण को शुरुआती जांच में पता चला है कि नजूल विभाग का पत्र मिलने और आपत्ति के बावजूद एडीए अफसरों-बाबुओं के रैकेट ने नक्शे को मंजूरी दे दी।

ऐसे में उस समय तैनात रहे इंजीनियरों, बाबुओं और अन्य जिम्मेदार अधिकारियों को चिह्नित किया जा रहा है। एडीए सचिव संजय कुमार ने बताया कि नक्शे को निरस्त करने के साथ ही आगे की कार्रवाई के लिए भी जांच की जा रही है। एमजी रोड पर धाकरान चौराहे के पास स्थित एक संपत्ति के लिए एक ही तारीख में दो अलग-अलग पत्रांकों से एनओसी जारी करने के मामले का खुलासा किया था। खुद को जमीन का मालिक बताने वाले ने प्राधिकरण के एबीपास पोर्टल पर 4 जनवरी 2025 की तारीख वाली एनओसी अपलोड कर मानचित्र स्वीकृति के लिए आवेदन किया था।

उस समय तहसीलदार सदर और नजूल मुहर्रिर की आख्या के आधार पर दावा किया गया कि भूमि नजूल की नहीं है, जिसके आधार पर एडीए ने नक्शा मंजूर कर दिया था। बाद में नजूल विभाग द्वारा भेजे गए पत्र में स्पष्ट हुआ कि सर्वे शीट नंबर-107 मौजा-चक अव्वल शहर आगरा (सन 1929-30) के अनुसार यह जमीन नजूल भूखंड के अंतर्गत आती है और इसके लिए एनओसी दिया जाना संभव ही नहीं है। इसी के बाद से नजूल विभाग और प्राधिकरण मामले की जांच में जुटा है।

दर्ज होगी प्राथमिकी

गुड़ की मंडी में धोखाधड़ी कर नक्शा पास कराने और सरकारी जमीन पर निर्माण के मामले में प्राथमिकी दर्ज कराए जाने के बाद अब धाकरान की जमीन के मामले में भी प्राधिकरण ने कानूनी कार्रवाई की तैयारी कर ली है। सूत्रों का कहना है कि विभाग के अफसर जांच पूरी होने का इंतजार कर रहे हैं। इस बार नक्शा पास कराने वाले बिल्डर के अलावा मिलीभगत में शामिल रहे विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ भी प्राथमिकी की तैयारी चल रही है।

अब से 2000 रुपये से अधिक के भुगतान पर नहीं लगेगा 0.4 प्रतिशत शुल्क, व्यापरियों का विरोध लाया रंग

आगरा, एजेंसी। यूपीआई से 2000 रुपये से अधिक लेनदेन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) शुल्क फिलहाल दिवाली तक टल गया है। 15 अक्तूबर से यह अब लागू नहीं होगा। इसे लेकर एक तरफ व्यापारियों ने 15 अक्तूबर को काला दिवस स्थगित कर दिया है।

यूपीआई पर 0.4त्न एमडीआर शुल्क के विरोध में व्यापारी संगठन लामबंद थे। डीएम के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन भेजे गए। आगरा व्यापार मंडल अध्यक्ष टीएन अग्रवाल ने कहा कि इस काले कानून को दिवाली के बाद भी लागू नहीं करना चाहिए। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष गिर्राज अग्रवाल ने कहा कि यदि दोबारा शुल्क लागू किया गया तो व्यापारी फिर विरोध के लिए लामबंद होंगे। संपूर्ण उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल की प्रदेश महिला मंत्री निधि अग्रवाल एवं मंडल अध्यक्ष पंकज अग्रवाल ने व्यापारियों की चिंताएं समझने के लिए पीएम और वित्त मंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। फेडरेशन ऑफ उद्योग व्यापार एसोसिएशन के अध्यक्ष हरेश अग्रवाल और कार्यवाहक अध्यक्ष रवींद्र अग्रवाल ने कहा कि सरकार यदि यूपीआई भुगतान पर शुल्क लागू करेगी तो संगठन को आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा। उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल उत्तर प्रदेश के महानगर अध्यक्ष नरेश पांडेय और कोषाध्यक्ष सुरेश लवानिया ने कहा कि यूपीआई पर शुल्क लगाने से छोटे कारोबार की रीढ़ टूट जाएगी।

डीएस कॉलेज ने जीती एनसीसी शिविर की ओवरऑल ट्रॉफी

अलीगढ़ , एजेंसी। डीएस कॉलेज ने 3वीं यूपी गर्ल्स बटालियन एनसीसी के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर की ओवरऑल ट्रॉफी जीत ली। सीएटीसी-50 शिविर का मंगलवार को मथुरा रोड स्थित सीवी गुप्ता सरस्वती विद्या पीठ, सिंघारपुर में पुरस्कार वितरण समारोह के साथ समापन हुआ। शिविर में 470 कैडेट्स ने हिस्सा लिया। कर्नल नरेंद्र सिंह के नेतृत्व में आयोजित शिविर में ड्रिल, फील्ड क्राफ्ट एवं बैटल क्राफ्ट, मैप रीडिंग, फायरिंग, टेंट पिचिंग, रस्साकशी, बेस्ट कैडेट और सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं हुईं। कैडेट्स को यातायात सुरक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और ड्रोन तकनीक की जानकारी भी दी गई। ड्रिल प्रतियोगिता में केआरजीआईसी, मथुरा ने पहला और डीएस डिग्री कॉलेज, अलीगढ़ ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। फील्ड क्राफ्ट व बैटल क्राफ्ट में डीएस कॉलेज की बबली कुमारी प्रथम और सोनी शर्मा द्वितीय रहीं। कृष्णा इंटरनेशनल स्कूल की ओजस्वी ने तीसरा स्थान हासिल किया। कैंप कमांडर व सीओ कर्नल नरेंद्र सिंह ने कैडेट्स को अनुशासन, कठिन परिश्रम, नेतृत्व और राष्ट्रसेवा का महत्व बताया। स्वास्थ्य व स्वच्छता प्रतियोगिता में एसआरकेडीसी कॉलेज की श्रेष्ठा पाठक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

सड़क पर बहा गंगाजल, घरों में पहुंच रहा इतना गंदा पानी; जिसमें से आ रही बदबू

आगरा, एजेंसी। ताजमहल के पास घरों में पेयजल पहुंचाने के लिए 147 करोड़ रुपये खर्च हो गए। फिर भी सीवर की तरह काला, बदबूदार गंदा पानी पहुंच रहा है। ताज के 500 मीटर दायरे में तांगा स्टैंड, दक्षिणी गेट और पाक टोला के पास घरों में मंगलवार को नल से गंदा जल निकला। इन्हीं घरों के पास ताजगंज में ही गुम्मट के नजदीक सीवर मैनहोल के पास पानी की लाइन टूटने से गंगाजल सड़क पर बहता रहा। जलकल विभाग ने बुधवार को दोनों जगह जांच कराई, जिसके बाद मरम्मत का काम शुरू किया गया है।

ताजमहल के पास ताजगंज में मंगलवार को लोग पानी के लिए परेशान रहे। आगरा स्मार्ट सिटी के तहत तीन साल पहले 147 करोड़ रुपये खर्च करके 17,250 घरों में पानी के कनेक्शन दिए गए थे। इनमें एमपी पुरा गुम्मट के पास ताजगंज में गंदे पानी की सप्लाई तीन दिनों से चल रही है। सीवर की तरह काला, बदबूदार, गंदा पानी नल से निकला तो लोगों ने शिकायत की।

क्षेत्रीय निवासी रिजवानउद्दीन ने बताया कि स्मार्ट सिटी में अजब काम किया गया है। सीवर से होकर पानी की लाइनें निकाली गई है। गंगाजल की लाइन फट जाने से सीवर मैनहोल से साफ पानी निकला, जबकि घरों में गंदा सीवर पहुंच रहा है। पाक टोला, दक्षिणी गेट और कटरों में भी गंदे पानी की आपूर्ति की शिकायतें आईं। दक्षिणी गेट निवासी पप्पू ने बताया कि आगरा स्मार्ट सिटी ने ही दोनों लाइनें बिछाई थीं, जिनमें घटिया गुणवत्ता के कारण जलकल विभाग ने हैंडओवर लेने से ही इन्कार कर दिया था। इनकी खामियां लोगों को अब परेशान कर रही हैं।

जलकल महाप्रबंधक कुमार गौरव ने बताया कि सीवर लाइन से सटाकर ही पानी की लाइन डाली गई थी, जो क्षतिग्रस्त हुई तो इसका पानी सीवर चैंबर से होकर सड़क पर बहने लगा। इसकी जांच के लिए टीम भेजी गई। मरम्मत जारी है। लीकेज मिल गया है।

मिशन शक्ति की अनूठी पहल: पायल कौर ने संभाली एक दिन की वार्डन की जिम्मेदारी

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान तथा स्वावलंबन को बढ़ावा देने के लिए संचालित मिशन शक्ति के छठवें चरण के अंतर्गत बुधवार को ग्राम हीरावाली स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में अनूठी पहल की गई। यहां कक्षा आठ की छात्रा पायल कौर को एक दिन के लिए वार्डन बनाया गया। इस अवसर पर पायल ने जिम्मेदारी के साथ विद्यालय की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और विभिन्न कार्यों की जानकारी प्राप्त की। एक दिन की वार्डन बनने पर विद्यालय की मुख्य वार्डन मीनाक्षी चौधरी और छात्राओं कशिश, रिया तथा इंजल सहित अन्य छात्राओं ने पायल कौर का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इसके बाद पायल ने विद्यालय की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए छात्राओं की उपस्थिति पंजिका, उनके आने-जाने के अभिलेख तथा सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था की जांच की। उन्होंने रसोईघर की साफ-सफाई और भोजन की गुणवत्ता का भी निरीक्षण किया। इसके अतिरिक्त खेलकूद और विद्यालय में संचालित अन्य गतिविधियों की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान पायल कौर ने छात्राओं से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं और सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने छात्राओं से पूछा कि उन्हें समय पर भोजन मिल रहा है या नहीं, किसी को स्वास्थ्य संबंधी परेशानी तो नहीं है और क्या वे अपनी कोई समस्या साझा करना चाहती हैं। इस पहल का उद्देश्य बालिकाओं में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना तथा उन्हें विद्यालय की व्यवस्थाओं को समझने का अवसर देना रहा। इस अवसर पर पायल कौर ने अनुशासन, स्वच्छता और मेहनत को सफलता की कुंजी बताते हुए इनके महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम में विद्यालय का समस्त स्टाफ और छात्राएं उपस्थित रहीं। मिशन शक्ति के तहत आयोजित इस पहल को बालिकाओं को सशक्त बनाने और उनमें निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

महिलाओं को सरकारी योजनाओं और सुरक्षा हेल्पलाइन की दी गई जानकारी

बिजनौर (शिखर समाचार)। महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मिशन शक्ति फेज-5 के द्वितीय चरण के अंतर्गत बुधवार को नगर पालिका परिषद बिजनौर के भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर सभागार में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पालिकाध्यक्ष इंदिरा सिंह ने की, जबकि संचालन नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी रामपाल सिंह ने किया। इस दौरान महिलाओं को उनके अधिकारों, सरकारी कल्याणकारी योजनाओं और आपातकालीन सहायता सेवाओं की जानकारी देकर जागरूक किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना और जननी सुरक्षा योजना सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। महिलाओं को इन योजनाओं की पात्रता और लाभों की जानकारी देते हुए उनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। वक्ताओं ने महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तीकरण के लिए जागरूकता को महत्वपूर्ण बताया। इसके अतिरिक्त महिलाओं को संकट की स्थिति में तत्काल सहायता प्राप्त करने के लिए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। उन्हें महिला पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, बाल हेल्पलाइन 1098 और पुलिस आपातकालीन सेवा 112 के उपयोग के बारे में बताया गया। महिलाओं को समझाया गया कि किसी भी आपात स्थिति में इन सेवाओं का उपयोग कर सहायता प्राप्त की जा सकती है। कार्यक्रम में रूपाली रस्तौगी, सोनिका, नेहा शर्मा, पूनम विश्नोई, आसमा, ज्योति, प्रीति, रूपा, ममता, नीलम, कविता गुप्ता, अश्वनी, मंजू रानी और ज्योति कश्यप सहित क्षेत्र की अनेक महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को जागरूक बनाकर उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग करना तथा सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करना रहा।

हापुड़ में व्यापारियों ने FSSAI के खिलाफ खोला मोर्चा, CEO को भेजा ज्ञापन

हापुड़ (शिखर समाचार)। हापुड़ के व्यापारियों का खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्यप्रणाली के खिलाफ गुस्सा फूट पड़ा है। उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के बैनर तले व्यापारियों ने खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) को 15 सूत्रीय ज्ञापन भेजकर खाद्य सुरक्षा अधिनियम के नियमों में आवश्यक बदलाव करने की पुरजोर मांग की है। यह ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से प्रेषित किया गया है। व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष विजेन्द्र पंसारी और जिला चेयरमैन संजय कृपाल के नेतृत्व में दिए गए इस ज्ञापन पर दीपांशु गर्ग, शुभम गोयल, विजय अग्रवाल, गोविंद अग्रवाल और अतुल कंसल सहित कई प्रमुख व्यापारियों ने हस्ताक्षर किए हैं।

व्यापारियों का मुख्य आरोप है कि खाद्य सुरक्षा विभाग खुदरा विक्रेता (रिटेलर) के साथ-साथ निमार्ता को पक्ष तो बना देता है, लेकिन नियमानुसार 'फॉर्म-5 के' तक नहीं भेजा जाता है। इसके अलावा, केवल समाचार पत्रों में छपी खबरों या अफवाहों के आधार पर कारखानों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों को कानूनी कार्रवाई के दायरे में घसीटा जा रहा है। नमूना जांच रिपोर्ट आने में 14 दिनों के बजाय महीनों का समय लग जाता है, तब तक खाद्य सामग्री की उपभोग तिथि (एक्सपायरी डेट) ही निकल चुकी होती है।

ज्ञापन के माध्यम से निम्नलिखित मुख्य मांगें उठाई गई हैं:

केंद्रीय प्रयोगशाला की आधिकारिक रिपोर्ट आने से पहले व्यापारियों का सामान जब्त न किया जाए।

सीलबंद डिब्बाबंद वस्तुओं में किसी प्रकार की गड़बड़ी मिलने पर स्थानीय दुकानदार की बजाय सीधे संबंधित निर्माण कंपनी को जिम्मेदार माना जाए।

फर्जी और दुर्भावनापूर्ण शिकायतों के आधार पर की जाने वाली नमूना प्रक्रिया (सैंपलिंग) पर पूरी तरह रोक लगाई जाए। व्यापार क्षेत्र में स्पष्टता लाने के लिए 'एक देश, एक कानून, एक अधिकारी, एक कार्यालय' की व्यवस्था को सख्ती से लागू किया जाए।

चित्रकूट में राम-भरत मिलाप ने किया भावुक, त्याग और मयार्दा का संदेश दे गई रामलीला

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। खतौली के ठाकुरद्वारा बड़ा बाजार में आयोजित ऐतिहासिक रामलीला के 116वें वार्षिकोत्सव में बुधवार को श्रीराम के चित्रकूट आगमन, राजा दशरथ के निधन, भरत मिलाप और भरत के चरण पादुकाएं लेकर अयोध्या लौटने की लीलाओं का भावपूर्ण मंचन किया गया। कलाकारों के सजीव अभिनय ने रामायण के प्रसंगों को जीवंत कर दिया। श्रीराम और भरत के मिलन का दृश्य देखकर दर्शक भावुक हो उठे, जबकि भरत के त्याग, समर्पण और भाई के प्रति प्रेम की खूब सराहना हुई। इस दौरान रामलीला स्थल जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा।

मंचन में दिखाया गया कि वनवास के दौरान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण चित्रकूट पहुंचते हैं। दूसरी ओर पुत्र वियोग में व्याकुल राजा दशरथ प्राण त्याग देते हैं, जिससे अयोध्या में शोक छा जाता है। पिता के निधन का समाचार मिलने पर भरत श्रीराम को अयोध्या वापस लाने के लिए चित्रकूट पहुंचते हैं। वह बड़े भाई से राजपाट संभालने और अयोध्या लौटने का आग्रह करते हैं, लेकिन पिता को दिए वचन का पालन करने के लिए श्रीराम वनवास पूरा करने के अपने संकल्प पर अडिग रहते हैं।

इसके बाद भरत श्रीराम की चरण पादुकाएं लेकर अयोध्या लौटने का निर्णय लेते हैं। वह चरण पादुकाओं को राजसिंहासन पर विराजमान कर स्वयं सेवक के रूप में राज्य की जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लेते हैं। यह प्रसंग भाईचारे, त्याग, कर्तव्य और मयार्दा का संदेश देता है। इस अवसर पर रामलीला समिति के अध्यक्ष गणेश शंकर पालीवाल, कोषाध्यक्ष नवीन गुप्ता, मंत्री राजेंद्र जैन, दुष्यंत शर्मा अन्नू, ज्ञानेश्वर शर्मा, कुलबीर सिंह कर्णवाल, प्रवीण शर्मा, सतीश वर्मा, अनुपम गौड़, मनोज सैनी, कन्हैया मित्तल, आदर्श नगर, बृजभूषण, राजेंद्र वर्मा, अनिल त्यागी, मनन गुप्ता, शिवम मित्तल, गौरव शर्मा, प्रवीण गुप्ता, राजेंद्र विश्वकर्मा, अनिल सैनी, पुनीत, सूरज पालीवाल, रजनीश मिश्रा और राजकुमार राठी सहित समिति के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

पीएम श्री कंपोजिट स्कूल में मदर मेले का आयोजन

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर के पीएम श्री कंपोजिट स्कूल नंबर 1 में बुधवार को मदर मेले का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय स्टेट बैंक की प्रबंधक मोना सिन्हा तथा प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष हेमराज शर्मा ने किया। इस अवसर पर हेमराज शर्मा ने 'मिशन शक्ति' और महिला सशक्तिकरण के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए, जबकि विद्यालय के प्रधानाध्यापक रतिराम शर्मा ने बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजने के लिए उपस्थित सभी माताओं की सराहना की। मेले में मिशन शक्ति की प्रभारी सब-इंस्पेक्टर अंकिता पटेल और महिला कांस्टेबल प्रीति यादव ने माताओं और विद्यार्थियों को महिला हेल्पलाइन नंबरों, बाल शोषण, गुड टच-बैड टच और साइबर अपराध से बचाव के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने सरस्वती वंदना, स्वागत गीत और विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। विभिन्न गतिविधियों के तहत बच्चों ने गोलगप्पे, छोले, भेलपुरी और चना मसाला आदि के स्टॉल लगाए। इसके साथ ही छात्रों ने विज्ञान, पर्यावरण अध्ययन (ईवीएस) के मॉडलों और शिक्षण अधिगम सामग्री (टीएलएम) का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मीना मंच प्रभारी कल्पना शर्मा, बालिका शिक्षा प्रभारी कारण सिंह, ममता सिंह, स्नेह लता, रेशमा, दिव्या, यासमीन, हेमलता, नीलम राघव और रविकरण सिंह का विशेष सहयोग रहा।

रबूपुरा में धूमधाम से निकाली गई राम बारात

रबूपुरा (शिखर समाचार)। कस्बा में आयोजित श्रीरामलीला महोत्सव के अंतर्गत श्रीराम बारात धूमधाम के साथ निकाली गई। घोड़ा-बग्गी पर सवार भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न के स्वरूप श्रद्धालुओं के आकर्षण का मुख्य केंद्र रहे। शोभायात्रा में भगवान श्री गणेश की मनमोहक झांकी भी शामिल की गई। राम बारात का औपचारिक शुभारंभ रबूपुरा नगर पंचायत के अध्यक्ष शशांक सिंह ने फीता काटकर किया। यह भव्य शोभायात्रा अनाज मंडी से शुरू होकर महाराणा प्रताप चौक और थाना रोड से गुजरती हुई गंगा मंदिर पर जाकर संपन्न हुई। देर रात तक कस्बा में राम बारात की धूम रही, जहां स्थान-स्थान पर श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर बारात का जोरदार स्वागत किया। बारात देखने के लिए आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी भारी संख्या में लोग पहुंचे। इस अवसर पर नरेश गोयल, नीरज गर्ग, संजय मीणा और सुधीर गोयल सहित कई गणमान्य लोग और भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मुरादनगर में सजी मां भगवती की चौकी, गूंजे भजन

मुरादनगर (शिखर समाचार)। श्री आदर्श रामलीला कमेटी के तत्वावधान में शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर टंकी रोड स्थित रामलीला मंच पर भव्य 'मां भगवती की चौकी' का आयोजन किया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान में प्रसिद्ध भजन गायकों ने अपनी मधुर वाणी से मां भगवती की महिमा का गुणगान कर उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को भक्तिरस से सराबोर कर दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ जागरण मंडल के महंत मनोज शर्मा ने मां भगवती की पावन ज्योति प्रज्वलित कर और श्रीगणेश वंदना के साथ किया। इसके पश्चात, प्रख्यात भजन गायक नामदेव सिस्टर्स, श्रवण मस्ताना और नितिन शर्मा ने एक से बढ़कर एक पारंपरिक और आधुनिक देवी गीत प्रस्तुत किए। भजनों की गूंज और माता के जयकारों से पूरा रामलीला मंच परिसर पूर्णतः भक्तिमय हो गया। श्रद्धालु भक्ति में लीन होकर देर रात तक झूमते रहे और वातावरण माता के जयकारों से गुंजायमान रहा। इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में कमेटी के बुद्धप्रकाश गोयल, अरविंद भारतीय, सुशील गोयल, विनोद धनगर, महेश गोयल, सुभाष चंद गर्ग, अशोक गुप्ता, विनोद जिंदल, संदीप सिंघल, अमरीश गोयल, महेश चंद सिंघल, सुरेश कंसल, अशोक कुमार गुप्ता, अनिल कुमार गोयल, गिरीश गोयल, जितेंद्र गोयल, राजकुमार गोयल, नवनीत गुप्ता, प्रदीप गोयल, मनोज गोयल, देवेंद्र गुप्ता, योगेंद्र गुप्ता, भूपेंद्र पाल, संजीव राजपूत, सतीश गर्ग, नरेश गुप्ता, दीपक गोयल, राजू तोमर, नितिन गोयल, संजय गोयल, सचित गोयल, वसु गुप्ता, प्रमोद गोयल, शिवकुमार गोयल, दीपक सिंघल, प्रवीण सिंघल, ललित गोयल, अक्षय सिंघल, लवली गोयल, विपिन गर्ग, सचिन गर्ग, निशंक कुमार, उज्ज्वल, सार्थक, मंजू रानी, अलका गोयल, डॉ. बबीता गर्ग, सारिका गोयल, सीमा रानी, नीरू गोयल और बाला रानी सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के गणमान्य श्रद्धालु उपस्थित रहे।

हापुड़ के आदेश त्यागी रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय की वित्तीय सलाहकार समिति में मनोनीत

हापुड़ (शिखर समाचार)। महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली ने अपनी वित्तीय स्थिति को अधिक सुदृढ़, स्थिर और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से 14 सदस्यीय 'वित्तीय प्रबंधन सलाहकार समिति' का गठन किया है। इस महत्वपूर्ण समिति में हापुड़ के असौड़ा निवासी आदेश त्यागी को सलाहकार सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया है। विश्वविद्यालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, यह समिति समय-समय पर संस्था की वित्तीय स्थिति का गहन अध्ययन करेगी। साथ ही, वित्तीय स्थिरता के उपाय तलाशने, संसाधनों का बेहतर उपयोग करने, नए आय स्रोतों की पहचान करने और सीएसआर (CSR) फंड को आकर्षित करने के लिए प्रभावी रणनीतियों पर अपने सुझाव देगी। इसके अलावा, यह समिति दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता योजना तैयार करने में विश्वविद्यालय प्रशासन का मार्गदर्शन भी करेगी।

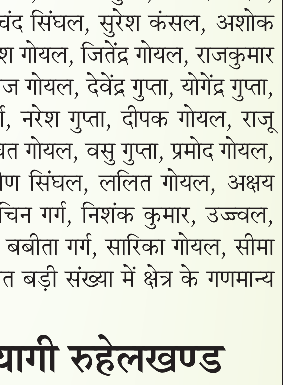

हापुड़ के लिए गौरव का क्षण

इस प्रतिष्ठित समिति में हापुड़ के असौड़ा निवासी और 'भारतीय राष्ट्रीय कृषक उपज उपजाना प्रसंस्करण एवं रिटेलिंग सहकारी संघ' के निदेशक आदेश त्यागी के मनोनयन से पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। कॉर्पोरेट, सहकारिता और प्रबंधन के क्षेत्र में उनका लंबा और समृद्ध अनुभव रहा है, जिसका प्रत्यक्ष लाभ अब विश्वविद्यालय को मिलेगा।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि समिति द्वारा दिए जाने वाले सुझावों पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। यह सलाहकार निकाय विश्वविद्यालय को वित्तीय रूप से स्वावलंबन की राह पर ले जाने में अहम भूमिका निभाएगा।

दिवाली से पहले रोशनी से जगमगाएंगे ग्रेटर नोएडा के प्रवेश द्वार और गोलचक्कर

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। दिवाली पर ग्रेटर नोएडा को रोशनी से जगमगाने के लिए प्राधिकरण ने तैयारियां तेज कर दी हैं। शहर के सभी प्रवेश द्वारों और गोलचक्करों पर प्रकाश व्यवस्था बेहतर बनाई जाएगी। इसके साथ ही विभिन्न गांवों, सेक्टरों और पार्कों में भी स्ट्रीट लाइट लगाकर उन्हें चालू करने की तैयारी है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रेरणा सिंह ने बुधवार को विद्युत अभियांत्रिकी विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिवाली से पहले सभी निर्धारित कार्य पूरे करने के निर्देश दिए।

बैठक में प्रेरणा सिंह ने बादलपुर और अस्तौली में निमार्णाधीन 33 केवी बिजलीघरों की प्रगति की समीक्षा की। दोनों बिजलीघरों के निर्माण की निर्धारित समयसीमा में अभी छह महीने शेष हैं। इसके बावजूद उन्होंने कार्यों में तेजी लाकर निर्माण निर्धारित समय से पहले पूरा कराने के निर्देश दिए, ताकि संबंधित क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सके। किसानों को आवंटित छह प्रतिशत आबादी भूखंडों में बिजली संबंधी कार्यों की समीक्षा करते हुए अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने नवंबर तक सभी कार्य पूरे करने को कहा। खैरपुर, खोदना खुर्द, पतवाड़ी,

छोटी मिलक और इटैड़ा सहित कई गांवों में इन भूखंडों पर बिजली संबंधी कार्य कराए जा रहे हैं। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि कार्यों में अनावश्यक देरी न हो और निर्धारित समयसीमा का पालन किया जाए। तिलपता, कुलेसरा, छपरौला और खोदना खुर्द सहित 17 गांवों में स्ट्रीट लाइट लगाने का कार्य प्रगति पर है। अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने दिवाली से पहले लाइट लगाने के साथ उन्हें चालू कराने पर जोर दिया। इसके अलावा सेक्टर-2, सेक्टर-3 और सेक्टर-12 सहित अन्य सेक्टरों के पार्कों में भी स्ट्रीट लाइट लगाने के निर्देश दिए गए, जिससे लोगों को बेहतर प्रकाश व्यवस्था मिल सके। बैठक में नालों के निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की गई। प्रेरणा सिंह ने प्रस्तावित कार्यों की निविदा प्रक्रिया निर्धारित समय में पूरी कर निर्माण शुरू कराने के निर्देश दिए। बैठक में नाला विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक मनोज कुमार सचान, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक अजित भाई पटेल, अश्विनी चतुर्वेदी, सौरभ भारद्वाज सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मेले में भीड़ के बावजूद दुकानदारों की कमाई ठप, महंगी दुकानों और अव्यवस्थाओं से बढ़ी परेशानी

सहारनपुर (शिखर समाचार)। नगर निगम द्वारा आयोजित ऐतिहासिक मेला गुघाल में इस बार दर्शकों की अच्छी भीड़ उमड़ने के बावजूद दुकानदारों को अपेक्षित कारोबार नहीं मिल सका। महंगी दरों पर दुकानें लेने, बेमौसम बारिश और कम खरीदारी के कारण छोटे व्यापारियों को नुकसान उठाना पड़ने का दावा किया जा रहा है। दुकानदारों ने मेला चेयरमैन पर उनकी समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए आयोजन की व्यवस्थाओं पर सवाल उठाए हैं। जाहर वीर गोगा जी महाराज की स्मृति में आयोजित होने वाला मेला गुघाल धार्मिक आस्था, सामाजिक सद्भाव और छोटे व्यापारियों की आजीविका से जुड़ा महत्वपूर्ण आयोजन है। म्हाड़ी पर तीन दिन और मुख्य मेले में करीब 15 दिनों तक दुकानें लगती हैं। इस बार नगर निगम की ओर से एक वर्ष के बजाय तीन वर्ष के लिए ठेका दिए जाने और दुकानों की नीलामी में ऊंची दरें लगने की चर्चा रही। अधिक कीमत देकर दुकानें लेने वाले व्यापारियों को उम्मीद थी कि

दर्शकों की भीड़ से बिक्री बढ़ेगी, लेकिन बारिश और अपेक्षाकृत कम खरीदारी ने उनकी उम्मीदों को झटका दिया। दुकानदारों का कहना है कि मेले में लोगों की आवाजाही तो रही, लेकिन छोटी दुकानों पर बिक्री उम्मीद के अनुरूप नहीं हुई। व्यापारियों ने आरोप लगाया कि मेला चेयरमैन ने आयोजन के दौरान उनके बीच पहुंचकर समस्याएं जानने की पहल नहीं की। उनका यह भी कहना है कि कुछ परिवार मेले में पहुंचने के बावजूद खरीदारी के लिए बड़े माल और प्रतिष्ठित दुकानों को प्राथमिकता देते हैं, जिससे छोटे कारोबारियों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाता।

मेले के दौरान एक वर्ग द्वारा बहिष्कार किए जाने की चचाएं भी रहीं। वहीं, रात करीब साढ़े 11 बजे बिजली की रोशनी बंद होने और झूलों का संचालन रुकने से मेले की अवधि बढ़ाए जाने को लेकर असमंजस बना हुआ है। सूत्रों के अनुसार, मेला आगे बढ़ाने की संभावना पर चचाएं चल रही हैं, हालांकि इस संबंध में कोई आधिकारिक निर्णय सामने नहीं आया है। दर्शकों की मौजूदगी के बावजूद व्यापारियों को नुकसान होने की शिकायतों ने आयोजन की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े किए हैं। दुकानदारों को उम्मीद है कि उनकी समस्याओं पर ध्यान देकर भविष्य में ऐसी व्यवस्था की जाएगी, जिससे धार्मिक परंपरा के साथ छोटे व्यापारियों की आजीविका को भी लाभ मिल सके।

बिजनौर में किसानों और वकीलों का जोरदार प्रदर्शन, बैरिकेडिंग तोड़कर कलेक्ट्रेट और गन्ना समिति पहुंचे आंदोलनकारी

बिजनौर (शिखर समाचार)। बिजनौर में बुधवार को किसानों और वकीलों के प्रदर्शनों के चलते पुलिस-प्रशासन को भारी चुनौती का सामना करना पड़ा। जिला बार एसोसिएशन की न्याय यात्रा में शामिल वकील पुलिस की बैरिकेडिंग पार कर कलेक्ट्रेट परिसर में पहुंच गए, जबकि भारतीय किसान यूनियन (लोकशक्ति) के कार्यकर्ताओं ने गन्ना मूल्य घोषित करने और गुलदार की समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग को लेकर गन्ना समिति कार्यालय पर प्रदर्शन किया। दोनों घटनाओं के दौरान पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठे।

जिला जजी से निकली वकीलों की न्याय यात्रा को रोकने के लिए पुलिस ने रास्ते में बैरिकेडिंग की थी, लेकिन प्रदर्शनकारी उसे पार कर कलेक्ट्रेट परिसर में दाखिल हो गए। इस घटनाक्रम के बाद प्रशासनिक अधिकारियों को स्थिति संभालने में मशक्कत करनी पड़ी। इसी बीच भारतीय किसान यूनियन (लोकशक्ति) के राष्ट्रीय अध्यक्ष

मास्टर श्योराज सिंह और जिला अध्यक्ष वीर सिंह के नेतृत्व में बड़ी संख्या में किसान ट्रैक्टर-ट्रालियों के साथ जुलूस निकालते हुए गन्ना समिति कार्यालय की ओर बढ़े। पुलिस ने प्रदर्शनी मैदान के पास बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें रोकने का प्रयास किया, लेकिन किसान बैरिकेडिंग पार कर गन्ना समिति परिसर में पहुंच गए और पंचायत शुरू कर दी। बाद में पुलिस ने परिसर के आसपास घेराबंदी कर दी।

पंचायत को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष मास्टर श्योराज सिंह ने कहा कि चीनी के दाम बढ़ाए जा रहे हैं, लेकिन किसानों के गन्ने का मूल्य घोषित नहीं किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों की समस्याओं पर सरकार गंभीरता से ध्यान नहीं दे रही है और शांतिपूर्ण आंदोलन को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने क्षेत्र में गुलदार के बढ़ते खतरे पर चिंता जताते हुए उसके स्थायी समाधान की मांग की। श्योराज सिंह ने चेतावनी दी कि यदि गन्ना मूल्य घोषित करने और गुलदार की समस्या का समाधान करने की मांगें पूरी नहीं हुईं, तो किसान 2027 के विधानसभा चुनाव में नोटा का विकल्प चुनने पर विचार करेंगे। पंचायत के बाद किसानों ने अपनी मांगों को लेकर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। दिनभर चले इन घटनाक्रमों से शहर में सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक तैयारियों को लेकर चर्चा होती रही।

दादरी के सिटी मॉल पर खाद्य सुरक्षा विभाग की छापेमारी, 240 लीटर घी और 18 किलो मिर्च पाउडर जब्त

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। शारदीय नवरात्र के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने बुधवार को दादरी में छापेमारी की। नई बस्ती स्थित सिटी मॉल से घी, मिर्च पाउडर, मखाना, सरसों का तेल और कुट्टू के आटे सहित छह खाद्य नमूने जांच के लिए एकत्र किए गए। कार्रवाई के दौरान करीब 240 लीटर घी और 18 किलोग्राम मिर्च पाउडर को भी जब्त किया गया। विभाग के अनुसार, घी पर भ्रामक जानकारी अंकित थी, जबकि मिर्च पाउडर की पैकिंग पर निर्माण संबंधी आवश्यक विवरण नहीं मिले।

सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय सर्वेश मिश्रा ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देश पर मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी वीरेंद्र द्विवेदी के नेतृत्व में टीम ने ऑनलाइन मंच संचालित करने वाली कम्यूनिटी प्राइवेट

लिमिटेड के सिटी मॉल परिसर की जांच की। टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी मुकेश कुमार, विजय बहादुर पटेल, विशाल कुमार गुप्ता, रविंद्र नाथ वर्मा और रितु सक्सैना शामिल रहे।

जांच के दौरान अवतार ब्रांड के घी का एक नमूना और अवतार ब्रांड के गाय के घी का एक नमूना लिया गया। इसके अलावा मिर्च पाउडर, मखाना, सरसों के तेल और कुट्टू के आटे के नमूने भी संग्रहित किए गए। कुल छह नमूनों को परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजने की प्रक्रिया की गई है। विभाग ने बताया कि घी पर विटामिन और खनिज होने संबंधी भ्रामक जानकारी अंकित होने के कारण करीब 240 लीटर घी जब्त किया गया। वहीं, पैकिंग तिथि और बैच संख्या जैसे विवरण नहीं होने तथा मिथ्याछाप पाए जाने के आधार पर लगभग 18 किलोग्राम मिर्च पाउडर जब्त किया गया।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने विक्रेताओं को निर्देश दिए कि वे खाद्य सामग्री केवल लाइसेंसधारी या पंजीकृत आपूर्तिकताओं से खरीदें और खरीद का बिल अवश्य प्राप्त करें। सामग्री खरीदते समय निर्माण तिथि, बैच संख्या और अन्य जरूरी विवरणों की जांच भी करें। सहायक आयुक्त ने कहा कि त्योहार के दौरान शुद्ध खाद्य एवं पेय पदार्थों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जांच अभियान आगे भी जारी रहेगा।

कस्तूरबा स्कूल की छात्रा निधि बनीं एक दिन की डीएम, सुनीं जनशिकायतें

हापुड़ (शिखर समाचार)। मिशन शक्ति फेज-6 अभियान के तहत बुधवार को एक प्रेरणादायक पहल देखने को मिली, जब कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की छात्रा निधि को एक दिन के लिए हापुड़ का जिलाधिकारी (डीएम) बनाया गया। पदभार संभालते ही उन्होंने कलेक्ट्रेट सभागार में जनसुनवाई की और आम जनता की समस्याओं को गंभीरता से सुना। एक दिन की डीएम बनीं निधि ने विशेष तौर पर महिलाओं और बालिकाओं से जुड़ी शिकायतों व समस्याओं को सुना और उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने जिले में मिशन शक्ति के तहत चल रहे महिला सुरक्षा, सम्मान और जागरूकता कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कलेक्ट्रबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की छात्राओं की शिक्षा, सुरक्षा और अन्य मूलभूत सुविधाओं को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। जिलाधिकारी कविता मीना ने इस अवसर पर कहा कि आज हमारी बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। कस्तूरबा विद्यालय की ये मेधावी बालिकाएं अपनी मेहनत और लगन से आत्मनिर्भर बनकर देश का भविष्य संवारेंगी। निधि जैसी प्रतिभावान बेटियां पूरे जनपद का नाम रोशन कर रही हैं। कार्यक्रम के अंत में जिलाधिकारी ने छात्रा निधि को प्रशस्ति पत्र और उपहार भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कैराना में मतदाता सूची सुधारने की कवायद तेज, घर-घर जाकर पात्र लोगों का सत्यापन करेंगे बीएलओ

कैराना/शामली (शिखर समाचार)। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने और सूची में शामिल होने से छूटे पात्र लोगों के नाम जोड़ने के लिए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। एक अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन किया जाएगा। साथ ही पहली बार मतदाता बनने वाले युवाओं को सूची में शामिल कराने पर विशेष जोर दिया जाएगा। बुधवार को कैराना तहसील के सभाकक्ष में 136 बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) और 12 पर्यवेक्षकों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप जिलाधिकारी शिवाजी यादव ने निर्देश दिए कि विधानसभा क्षेत्र कैराना के प्रत्येक मतदान स्थल पर बीएलओ सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक उपस्थित रहना सुनिश्चित करें। वे घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करेंगे और

पात्र लोगों को मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए फार्म-6 भरने में सहायता प्रदान करेंगे।

बैठक में तुलनात्मक सूची के आधार पर मतदाता सूची से छूटे लोगों की पहचान करने पर जोर दिया गया। अधिकारियों को एक सप्ताह में 20 से 25 मतदाताओं से संपर्क करने का लक्ष्य दिया गया है। इसके अतिरिक्त, पहली बार मतदान के पात्र होने वाले युवाओं को सूची में शामिल कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए अनुपस्थित, स्थायी रूप से स्थानांतरित, मृतक और दोहरी प्रविष्टि वाले मतदाताओं की अलग-अलग सूची तैयार कर उनका सत्यापन किया जाएगा। इसके माध्यम से सूची में मौजूद त्रुटियों की पहचान कर आवश्यक सुधार किए जाएंगे। उप जिलाधिकारी शिवाजी यादव ने अभियान के दौरान निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने और पात्र मतदाताओं को सूची में शामिल कराने के लिए गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में तहसीलदार अर्जुन सिंह भी मौजूद रहे।

जनगणना-2027 की तैयारियों में तेजी, फील्ड ट्रेनर्स का तीन दिवसीय प्रशिक्षण पूरा

शामली (शिखर समाचार)। जनगणना-2027 के द्वितीय चरण की तैयारियों के तहत फील्ड ट्रेनर्स का तीन दिवसीय प्रशिक्षण बुधवार को संपन्न हो गया। प्रशिक्षण में जनगणना से संबंधित मोबाइल अनुप्रयोग के संचालन, स्व-गणना प्रक्रिया और आंकड़ों को डिजिटल माध्यम से दर्ज करने की जानकारी दी गई। अब प्रशिक्षित फील्ड ट्रेनर्स चार्ज स्तर पर प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण देंगे, ताकि जनगणना का कार्य निर्धारित समयसीमा में व्यवस्थित ढंग से पूरा कराया जा सके।

जिलाधिकारी आलोक यादव के निर्देशन में आयोजित प्रशिक्षण के तीसरे दिन जिला जनगणना प्रभारी शिवकुमार भारती तथा मास्टर ट्रेनर सचिन विकल और शशांक अग्रवाल ने प्रतिभागियों को मोबाइल अनुप्रयोग की कार्यप्रणाली समझाई। इस दौरान जनगणना से संबंधित विभिन्न जानकारियों को दर्ज करने की प्रक्रिया का व्यावहारिक अभ्यास भी

कराया गया। प्रशिक्षकों ने आंकड़ों को सही तरीके से दर्ज करने और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कार्य करने की जानकारी दी। अपर जिलाधिकारी सत्येंद्र सिंह ने बताया कि आगामी सप्ताह से चार्ज स्तर पर प्रगणकों और पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण शुरू कराया जाएगा। इसके लिए आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि जनगणना का कार्य समयबद्ध और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए प्रशिक्षण महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षित कर्मियों के माध्यम से मैदानी स्तर पर कार्य करने वाले कर्मचारियों को प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी।

प्रशिक्षण के समापन अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी बृजेंद्र शुक्ल ने फील्ड ट्रेनर्स को सहभागिता प्रमाण पत्र वितरित किए। वहीं, प्रशिक्षण कार्यक्रम में योगदान देने वाले मास्टर ट्रेनर्स को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। अधिकारियों ने उम्मीद जताई कि प्रशिक्षण से जनगणना कार्य में लगे कर्मचारियों की दक्षता बढ़ेगी और आगामी चरण की तैयारियों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जा सकेगा।

संपादकीय

नीला ड्रम कांड का फैसला: न्याय की कठोरता के साथ समाज को आत्ममंथन की भी जरूरत

मेरठ के बहुचर्चित नीला ड्रम हत्याकांड में अदालत द्वारा मुस्कान रस्तोगी और साहिल शुक्ला को मृत्युदंड सुनाया जाना केवल एक जघन्य अपराध की कानूनी परिणति नहीं है, बल्कि यह समाज, पारिवारिक संबंधों, मानवीय संवेदनाओं और न्याय व्यवस्था की भूमिका पर गंभीर विमर्श का अवसर भी है। सौरभ राजपूत की हत्या ने जिस तरह पूरे देश को झकझोर दिया था, उसने लोगों के मन में रिश्तों की विश्वसनीयता और इंसान के भीतर बढ़ती संवेदनहीनता को लेकर अनेक सवाल खड़े किए। बुधवार, 14 अक्टूबर 2026 को मेरठ की अदालत ने इस मामले में दोनों दोषियों को फांसी की सजा सुनाकर यह स्पष्ट संदेश दिया कि कानून की नजर में किसी व्यक्ति के जीवन के साथ किया गया गंभीर अन्याय अनदेखा नहीं किया जा सकता। हालांकि, किसी भी मृत्युदंड के मामले में न्यायिक प्रक्रिया की अगली कानूनी सीढ़ियों और निर्धारित संवैधानिक प्रावधानों का सम्मान भी उतना ही आवश्यक है।

सौरभ राजपूत पूर्व मर्चेंट नेवी कर्मी थे। मार्च 2025 में उनकी हत्या के बाद जिस तरीके से उनके शव को क्षत-विक्षत कर नीले ड्रम में सीमेंट और अन्य सामग्री के बीच छिपाया गया, उसने अपराध की क्रूरता को देश के सामने उजागर किया। इस मामले में सौरभ की पत्नी मुस्कान रस्तोगी और साहिल शुक्ला को अदालत ने दोषी ठहराया। अभियोजन पक्ष के अनुसार, अपराध को छिपाने के लिए भी गंभीर प्रयास किए गए। मामले की सुनवाई के दौरान 22 गवाहों के बयान दर्ज हुए और 126 सुनवाइयों के बाद 30 सितंबर को दोनों को दोषी करार दिया गया। इसके बाद 14 अक्टूबर को सजा सुनाई गई। यह घटनाक्रम बताता है कि जघन्य अपराधों की जांच, साक्ष्य जुटाने और अदालत में आरोपों को प्रमाणित करने की प्रक्रिया कितनी महत्वपूर्ण होती है।

इस फैसले को केवल कठोर सजा के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। न्याय का मूल उद्देश्य अपराध के लिए उत्तरदायित्व तय करना, पीड़ित परिवार को न्याय दिलाना और कानून के प्रति नागरिकों का विश्वास मजबूत करना है। सौरभ के परिवार ने जिस पीड़ा का सामना किया, उसकी भरपाई कोई फैसला नहीं कर सकता। किसी प्रियजन की असमय और हिंसक मृत्यु परिवार के जीवन में ऐसा खालीपन छोड़ देती है, जिसे समय भी पूरी तरह नहीं भर पाता। अदालत का निर्णय परिवार को यह भरोसा जरूर देता है कि उसकी पीड़ा न्यायिक व्यवस्था तक पहुंची और अपराध के लिए दोषियों को जवाबदेह ठहराया गया। लेकिन इस त्रासदी से जुड़ा भावनात्मक नुकसान न्याय के निर्णय के बाद भी बना रहता है। इस प्रकरण ने मृत्युदंड को लेकर एक पुरानी और गंभीर बहस को भी फिर सामने ला दिया है। भारतीय न्याय व्यवस्था में फांसी की सजा सबसे कठोर दंड है और इसे असाधारण परिस्थितियों में ही दिए जाने का सिद्धांत स्वीकार किया गया है। सर्वोच्च न्यायालय ने विभिन्न निर्णयों में स्पष्ट किया है कि मृत्युदंड के लिए अपराध की प्रकृति के साथ-साथ उससे जुड़े सभी प्रासंगिक पहलुओं पर विचार जरूरी है। अदालत द्वारा सजा सुनाए जाने के बाद भी कानून में निर्धारित उच्च न्यायालय की पुष्टि और अपील की प्रक्रिया महत्वपूर्ण रहती है। इसलिए किसी फैसले पर भावनात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त करने के साथ यह समझना भी आवश्यक है कि न्याय व्यवस्था का आधार केवल जनाक्रोश नहीं, बल्कि प्रमाण, कानून और निष्पक्ष प्रक्रिया है। कानून की मजबूती इसी में है कि वह सबसे कठिन परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों से विचलित न हो।

~ मौलिक चिंतन ~

जिसका कोई लक्ष्य नहीं,
उसका कोई भविष्य नहीं।

~~~~~~~~~

©
विनय संकोची

पटाखों पर प्रतिबंध नहीं, प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण जरूरी

सौरभ वार्ष्णेय

त्योहार भारतीय संस्कृति की आत्मा हैं। दीपावली जैसे पर्व केवल धार्मिक आस्था के प्रतीक नहीं, बल्कि सामाजिक सद्भाव, पारिवारिक एकता और खुशियों के उत्सव भी हैं। दीपों की रोशनी, घरों की सजावट, मिठाइयों का आदान प्रदान और पूजा अर्चना हमारी सांस्कृतिक परंपरा का अभिन्न हिस्सा हैं। लेकिन जब त्योहारों की खुशियां वायु प्रदूषण, सांस संबंधी बीमारियों और बच्चों बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर संकट बनकर सामने आने लगें, तब यह विचार करना जरूरी हो जाता है कि उत्सव मनाने का तरीका कैसा हो। दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर रोक लगाने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई ने एक बार फिर इसी महत्वपूर्ण सवाल को देश के सामने रखा है।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पटाखों पर प्रतिबंध की मांग पर सुनवाई करते हुए कहा कि लोगों के स्वास्थ्य और धार्मिक भावनाओं के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने लोगों से कम प्रदूषण वाले तरीकों से त्योहार मनाने की अपील की। पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना भी शामिल थे। सुनवाई के दौरान अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि पटाखों से होने वाले नुकसान के प्रति लोगों को जागरूक करना जरूरी है। मामले की अगली सुनवाई 15 अक्टूबर को निर्धारित की गई है। इस सुनवाई में वरिष्ठ अधिवक्ता और न्याय मित्र अपराजिता सिंह की टिप्पणी विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। उन्होंने कहा कि यदि भगवानों को पता चले कि उनके नाम पर बच्चे पीड़ित हो रहे हैं और बीमार पड़ रहे हैं, तो वे भी हैरान रह जाएंगे। इस कथन का मूल संदेश स्पष्ट है कि धार्मिक आस्था का उद्देश्य मानव कल्याण होना चाहिए, न कि ऐसा कोई व्यवहार जो दूसरों के स्वास्थ्य और जीवन के लिए परेशानी पैदा करे। धर्म और परंपरा के नाम पर किए जाने वाले किसी भी कार्य पर विचार करते समय उसके सामाजिक प्रभावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण लंबे समय से गंभीर चिंता का विषय रहा है। वाहनों से निकलने वाला धुआं, निर्माण कार्यों से उडे वाली धूल, औद्योगिक उत्सर्जन और मौसम संबंधी परिस्थितियां प्रदूषण को प्रभावित करती हैं। दीपावली के दौरान पटाखों से निकलने वाला धुआं और सूक्ष्म कण इस समस्या को और बढ़ा सकते हैं। इसका प्रभाव विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों, दमा और अन्य सांस संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों पर पड़ सकता है।

प्रदूषण का संकट किसी एक परिवार या वर्ग तक सीमित नहीं रहता। पटाखे जलाने वाला व्यक्ति कुछ मिनटों के उत्साह के बाद सामान्य जीवन में लौट सकता है, लेकिन उससे निकलने वाले धुएं का असर आसपास रहने वाले लोगों को भी झेलना पड़ सकता है। ऐसे में व्यक्तिगत खुशी और सार्वजनिक स्वास्थ्य के बीच संतुलन स्थापित करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी बन जाता है।

यह भी समझना होगा कि प्रदूषण के लिए केवल पटाखों को जिम्मेदार ठहराकर बाकी स्रोतों की अनदेखी करना समाधान नहीं है। यदि सरकार वास्तव में दिल्ली-एनसीआर की हवा को स्वच्छ बनाना चाहती है, तो उसे सालभर प्रदूषण फैलाने वाले सभी प्रमुख स्रोतों पर प्रभावी कार्रवाई करनी होगी। पटाखों पर नियमों के साथ-साथ वाहनों, निर्माण स्थलों, औद्योगिक इकाइयों और खुले में कचरा जलाने जैसी गतिविधियों पर भी नियंत्रण आवश्यक है।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान यह भी संकेत दिया कि किसी आदेश को लागू करने से पहले उसकी व्यावहारिकता पर विचार करना जरूरी है। केवल प्रतिबंध लगा देना पर्याप्त नहीं है। यह देखना भी आवश्यक है कि नियमों का पालन कैसे कराया जाएगा, उल्लंघन करने वालों पर किस प्रकार कार्रवाई होगी और आम लोगों को इसके प्रति जागरूक करने की क्या व्यवस्था होगी। न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची द्वारा पटाखे फोडे के धार्मिक आधार पर सवाल उठाना भी विचारणीय है। भारतीय परंपराओं में दीपावली का प्रमुख संदेश अंधकार पर प्रकाश और अज्ञान पर ज्ञान की विजय है। दीप जलाना, पूजा करना, जरूरतमंदों की सहायता करना और परिवार तथा समाज के साथ खुशियां बांटना इस पर्व की व्यापक सांस्कृतिक भावना को व्यक्त करते हैं। इसलिए यह जरूरी है कि परंपराओं को समय, परिस्थिति और सामाजिक उत्तरदायित्व के अनुरूप समझा जाए। मुख्य न्यायाधीश ने लोगों को जागरूक करने और अपनी मूल संस्कृति की ओर लौटने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने उस परंपरा का उल्लेख किया जिसमें दीप जलाने और फुलझडियां जलाने जैसे सीमित साधनों से उत्सव मनाया जाता था। इसका आशय उत्सव की खुशियों को समाप्त करना नहीं, बल्कि उन्हें ऐसा स्वरूप देना है जिससे दूसरों के जीवन और स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

पिछले वर्ष दीपावली से पहले दिल्ली की वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई का स्तर 200 के पार पहुंचने की खबरों के बीच सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली एनसीआर में निर्धारित शर्तों के तहत ग्रीन पटाखों की बिक्री और इस्तेमाल की अनुमति दी थी। इसका उद्देश्य धार्मिक परंपराओं और पर्यावरण तथा स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के बीच संतुलन बनाने का प्रयास था। हालांकि, ग्रीन पटाखों को प्रदूषण से पूरी तरह मुक्त मान लेना भी उचित नहीं होगा। उनका वास्तविक प्रभाव उत्पाद की गुणवत्ता, निर्धारित मानकों और इस्तेमाल की परिस्थितियों पर निर्भर करता है। इसलिए केवल किसी उत्पाद को ग्रीन पटाखा कह देना पर्याप्त नहीं है। उसकी प्रामाणिकता की जांच, बिक्री पर निगरानी और निर्धारित समय तथा स्थान संबंधी नियमों का पालन सुनिश्चित करना आवश्यक है। इसके लिए प्रशासन को स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने चाहिए। पुलिस, प्रदूषण नियंत्रण एजेंसियों और स्थानीय निकायों के बीच समन्वय होना चाहिए। बाजारों में प्रतिबंधित पटाखों की बिक्री रोकने के साथ-साथ लोगों को नियमों की जानकारी भी दी जानी चाहिए। स्कूलों, आवासीय समितियों और सामाजिक संगठनों के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाए जा सकते हैं।

लोकतंत्र का गला घोटने का शातिराना प्रयास

निर्मल रानी

चुनावी धांधली और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग को लेकर पिछले 13 दिनों से राजधानी दिल्ली लगातार प्रदर्शनों से जूझ रही है। 10 अक्टूबर को जहां कॉकरोच जनता पार्टी ने विपक्षी दलों के समर्थन से जंतर मंतर सहित दिल्ली के कई प्रमुख स्थलों पर बड़े प्रदर्शन किये वहीं 12 अक्टूबर का दिन विपक्षी इण्डिया गठबंधन द्वारा बुलाये गए विशाल रैली व प्रदर्शन के नाम रहा। 12 अक्टूबर के इस अभूतपूर्व प्रदर्शन को विपक्षी दलों की सबसे बड़ी रैली व प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है। इस रैली व प्रदर्शन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे,राहुल गाँधी,प्रियंका गाँधी,विपक्ष-शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के अतिरिक्त समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव , एन सी पी नेता सुप्रिया सुले, शिवसेना के संजय राउत, सी पी आई एम एल के दीपांकर भट्टाचार्य,आर जे डी के तेजस्वी यादव, तृणमूल कांग्रेस की ममता बनर्जी आदि अनेक बड़े नेता शामिल हुये। इस प्रदर्शन के दौरान भी जब दिल्ली पुलिस ने बैरिकेड्स लगाकर नेताओं को रोकने की कोशिश की, तो अखिलेश यादव, महुआ मोइत्रा, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी समेत कई नेता बैरिकेड्स पर चढ़ गए, जिसके बाद पुलिस ने कई प्रमुख नेताओं को हिरासत में भी लिया। बाद में राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्षी दल इस मामले को लेकर याचिका दायर करने सुप्रीम कोर्ट पहुंचे।

इस प्रदर्शन को रोकने या इसे विफल करने के लिये सरकार की ओर से हर संभव प्रयास किये गए। बल प्रयोग से लेकर,सड़कों पर नुकीली कीलें बिछाने, प्रदर्शनकारियों से लेकर अनेक आम राहगीरों तक को गिरफ़्तार करने की अनेक घटनाएं देखने को मिलीं। कनाट प्लेस से लेकर संसद भवन तक का इलाका पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया। देश के इतिहास का यह पहला प्रदर्शन था जिसे कवर करने से रोकने की गरज से अनेक प्रमुख मीडिया घरानों के पत्रकारों से लेकर कई स्वतंत्र व सोशल मीडिया जर्नलिस्ट्स व यू ट्यूबर्स को भी हिरासत में लिया गया। कई के साथ मारपीट भी की गयी। बी बी सी सहित अनेक पत्रकारों के साथ पुलिस बदसलूकी से पेश आती दिखाई दी। जिन मीडिया संस्थानों के पत्रकारों को दिल्ली में प्रदर्शन कवर करने के दौरान पुलिस ने हिरासत में लिया था उनमें बिजनेस स्टैंडर्ड,नवभारत टाइम्स,रॉयटर्स के अलावा स्क्रॉल, न्यूज लॉन्ड्री,बूम,एमओ,मॉलिटिक्स इंडिया,उल्टा चश्मा आदि के कई पत्रकार शामिल हैं। जाने माने पत्रकार परंजॉय गुहा ठाकुरता को भी दिल्ली में जबरन हिरासत में लिया गया जबकि ऑल्ट न्यूज के पत्रकार को अहमदाबाद में व स्क्रॉल के एक अन्य पत्रकार को पुणे में हिरासत में लिया गया। नवरात्रि के पहले ही दिन हो रहे इस आंदोलन में कई महिला पत्रकारों को पीटा,घसीटा गया और हिरासत में लिया गया। यहाँ तक कि कई महिला पत्रकारों ने तो पुलिस पर यौन हमले का भी आरोप लगाया। सवाल यह है कि क्या जनहित के कार्यक्रमों को कवर करना कोई अपराध है जिसकी वजह से पुलिस को यह सब करना पड़ा ? जबकि इस प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिए गए पत्रकार पेशेवर तरीके से अपना काम अंजाम दे रहे थे? भारत का संविधान पत्रकारों के रिपोर्टिंग करने, सत्ता में बैठे लोगों से सवाल पूछने और जनहित के मुद्दों को नागरिकों के सामने लाने के अधिकार की रक्षा करता है। अनुच्छेद 19(1)(ए) अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी देता है और प्रेस की स्वतंत्रता को भी इसी अनुच्छेद का हिस्सा माना गया है। ऐसे में कानून व्यवस्था के नाम पर इस तरह का तानाशाही रवैय्या गैर संवैधानिक नहीं तो और क्या है ? क्या इसी भारत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न केवल मदर ऑफ डेमोक्रेसी, बताया था बल्कि अपनी बातों के समर्थन में मीडिया से जुड़े कुछ आंकड़े भी बताए थे?

पिछले दिनों प्रदर्शन के दौरान जंतर मंतर,कनॉट प्लेस व संसद मार्ग आदि कई जगहों पर जिसतरह से पत्रकारों के साथ पेश आया गया उसने तो उस आपातकाल के जुल्म को भी पीछे छोड़ दिया जिसे लेकर वर्तमान सरकार कांग्रेस को आज भी घेरती रहती है। लोकतान्त्रिक सरकार होने का दावा करने वालों को यह बताना होगा कि जब भारत का संविधान पत्रकारों के रिपोर्टिंग करने, सत्ता में बैठे लोगों से सवाल पूछने और जनहित के मुद्दों को नागरिकों के सामने लाने के अधिकार की रक्षा करता है ऐसे में उन्हें अपने दायित्व निभाने से रोकने के क्या मायने हैं ? साफ जाहिर है कि सरकार देश में फैले सत्ता विरोधी जनाक्रोश को देश व दुनिया से छुपाना चाहती है। वह नहीं चाहती कि दुनिया को यह पता चले कि चुनावी धांधलियों के खिलाफ देश के लोग खासकर युवा किस तरह सरकार का विरोध करते हुये सड़कों पर उतर आये हैं। और वह यह भी नहीं चाहती कि इस आंदोलन को कुचलने के लिये सरकार के इशारे पर की जा रही बर्बर पुलिस कार्रवाई को दुनिया देख सके। यही वजह है कि जहाँ दर्जनों पत्रकारों को पुलिस ने हिरासत में लिया,अनेक पत्रकारों के साथ बदसलूकी,मारपीट की कई महिला पत्रकारों के साथ अशोभनीय हरकतें कीं वहीं दर्जनों पत्रकारों को प्रदर्शन स्थल तक जाने से भी रोका गया।

एक और नई बात इस प्रदर्शन में यह भी देखने को मिली कि सत्ता प्रायोजित दर्जनों लोग पत्रकार की वेश में हाथों में माइक लिये इधर उधर घूमते नजर आये। यह लोग प्रदर्शन की रिपोर्टिंग करने या प्रदर्शनकारियों से बात करने के बजाये उन पत्रकारों को ही घेर कर सवाल पूछने लगते जोकि घटना की रिपोर्टिंग कर रहे या प्रदर्शनकारियों से सवाल पूछ रहे थे। ये उन पत्रकारों का ही इंटरवियू लेते व उन्हें बहस में उलझा कर सत्ता को सही ठहरने व प्रदर्शनकारियों को ही कटघरे में खड़ा करने की बातें करते। जिसकी वजह से वह पत्रकार असहज महसूस करते और उन्हें रिपोर्ट करने में अड़चन पैदा होती। यह ढर्रा कई बार कई जगहों पर देखा गया। गोया जानबूझकर एक ऐसी प्रवृति अपनाई गयी जिससे या तो पुलिसिया कहर से मीडिया कर्मी भयभीत होकर स्वयं रिपोर्ट करना छोड़ दें या उन्हें पकड़ कर प्रदर्शनस्थल से दूर ले जाया जाये या फिर उन्हें नकली पत्रकारों के झुण्ड में घेरकर उन्हीं से दस सवाल पूछकर उलझाये रखा जाये ताकि वे वास्तविकता को देख न सकें व उसकी रिपोर्ट न कर सकें। इसके अतिरिक्त कनॉट प्लेस के आउटर सर्किल पर ही भारी पुलिस बल द्वारा अनेक पत्रकारों को रोका गया ताकि वे जंतर मंतर या धरने के करीब जा भी न सकें। याद रखना चाहिये कि चुनावी धांधलियों के चर्चे भी पूरी दुनिया में हो चुके हैं और हो रहे हैं साथ ही विश्व पंचायत संयुक्त राष्ट्र भी अपनी चिंताएं जाहिर कर चुका है। जो सरकार पहले ही देश के मीडिया के बड़े हिस्से को किसी न किसी रूप में प्रबंधित कर चुकी है उसके द्वारा चंद ईमानदार पत्रकारों व स्वतंत्र पत्रकारों पर नियंत्रण कर देश के वास्तविक हालात पर पर्दा डालने की कोशिश करना लोकतंत्र का गला घोंटने का एक और शातिराना प्रयास है।

मोदी मंत्रिमंडल के अहम फैसले : रेलकर्मियों को दीपावली की सौगात,

विनोद सिंह 'तकियावाला'

14 अक्टूबर की मंत्रिमंडलीय बैठक के ये दोनों फैसले आर्थिक विकास के दो महत्वपूर्ण पक्षों को सामने रखते हैं।रेलकर्मियों के लिए बोनस का निर्णय श्रम और सेवा के सम्मान का संदेश देता है, जबकि आईडीबीआई बैंक का रणनीतिक विनिवेश वित्तीय क्षेत्र में बदलाव की दिशा को रेखांकित करता है। देश की प्रगति के लिए आवश्यक है कि आर्थिक सुधारों के साथ जनहित सुरक्षित रहे, कर्मचारियों का मनोबल बढ़े और सार्वजनिक संस्थानों की जवाबदेही बनी रहे। विकास की यही संतुलित दृष्टि भारत को मजबूत अर्थव्यवस्था बनाने और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

बैंक के विनिवेश से आर्थिक सुधारों रेलकर्मियों के लिए करोड़ रुपये के उत्पादकता- संबद्ध बोनस को मंजूरी,वित्तीय सुधारों का नया अध्याय...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए फैसले देश की आर्थिक दिशा,प्रशासनिक प्राथमिकताओं और जनकल्याण के प्रति सरकार की सोच को प्रतिबिंबित करते हैं। 14 अक्टूबर 2026 को हुई बैठक में भारतीय रेल के 11.40 लाख से अधिक पात्र कर्मचारियों के लिए 78 दिनों के उत्पादकता-संबद्ध बोनस को मंजूरी देना और आईडीबीआई बैंक के रणनीतिक विनिवेश की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना विशेष महत्व रखता है। एक ओर दीपावली से पहले रेलकर्मियों और उनके परिवारों को आर्थिक राहत देने का निर्णय है, तो दूसरी ओर बैंकिंग क्षेत्र में बड़े निवेश और प्रबंधन संबंधी बदलाव का रास्ता खुलता दिखाई देता है। इन दोनों फैसलों के केंद्र में अलग-अलग प्राथमिकताएं हैं, लेकिन व्यापक दृष्टि से देखें तो इनका संबंध आर्थिक गतिविधियों,संस्थागत कार्यकुशलता और विकास की निरंतरता से जुड़ता है।

रेलवे कर्मचारियों को 78 दिनों के बोनस की सौगात भारतीय रेल केवल यातायात का साधन नहीं, बल्कि देश की आर्थिक और सामाजिक जीवनरेखा है।प्रतिदिन करोड़ों यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने से लेकर उद्योगों के लिए कच्चे माल और तैयार उत्पादों की ढुलाई तक, रेलवे की भूमिका देश के विकास में महत्वपूर्ण है। इस विशाल व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में लाखों कर्मचारियों का योगदान रहता है।रेलगाड़ियों का सुरक्षित परिचालन, पटरियों का रखरखाव, तकनीकी व्यवस्थाओं का संचालन, स्टेशनों पर यात्रियों की सहायता और मालगाड़ियों की आवाजाही जैसे कार्यों में कर्मचारियों की जिम्मेदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है।केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 के प्रदर्शन के आधार पर लगभग 11,40,770 पात्र रेलकर्मियों के लिए 78 दिनों के वेतन के बराबर उत्पादकता- संबद्ध बोनस को मंजूरी दी है। इस पर कुल 2,009.61 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। पात्र कर्मचारियों को अधिकतम 17,951 रुपये तक बोनस मिलेगा। यह निर्णय त्योहार के मौसम में कर्मचारियों के लिए आर्थिक राहत के साथ उनके परिश्रम और योगदान को सम्मान देने का भी संदेश देता है। वर्तमान समय में परिवारों के सामने शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और दैनिक जरूरतों से जुड़े अनेक खर्च हैं।ऐसे में दीपावली से पहले मिलने वाली अतिरिक्त राशि से रेलकर्मियों को अपने घरेलू बजट को व्यवस्थित करने और त्योहार की तैयारियां करने में सहायता मिलेगी। लाखों परिवारों तक पहुंचने वाली यह राशि बाजार में मांग बढ़ाने में भी योगदान दे सकती है। त्योहारों के दौरान खरीदारी बढ़ने से छोटे व्यापारियों, दुकानदारों और विभिन्न सेवाओं से जुड़े कारोबारियों को लाभ मिलने की संभावना रहती है उत्पादकता- संबद्ध बोनस का महत्व केवल आर्थिक भुगतान तक सीमित नहीं है। यह कर्मचारियों के योगदान को स्वीकार करने और कार्यकुशलता को प्रोत्साहित करने का माध्यम भी है। रेलवे में सुरक्षा और समयबद्धता सर्वोच्च प्राथमिकताएं हैं। आधुनिक तकनीक, नई रेल लाइनों, विद्युतीकरण और उन्नत परिचालन प्रणालियों के साथ कर्मचारियों का प्रशिक्षण, अनुभव और अनुशासन भी उतना ही आवश्यक है।पिछले वर्षों में भारतीय रेल के आधुनिकीकरण, रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास, माल ढुलाई क्षमता बढ़ाने और सुरक्षा प्रणालियों को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया गया है। इन योजनाओं का वास्तविक लाभ तभी व्यापक होगा, जब कर्मचारियों को बेहतर कार्य परिस्थितियां, आवश्यक प्रशिक्षण और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जाए। बोनस जैसे निर्णय कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाने में सहायक हो सकते हैं।इसके साथ ही रेलवे की कार्यप्रणाली में निरंतर सुधार और यात्रियों के प्रति जवाबदेही बनाए रखना भी आवश्यक है।आईडीबीआई बैंक के रणनीतिक विनिवेश से बड़ा बदलाव

मंत्रिमंडल की बैठक का दूसरा महत्वपूर्ण निर्णय आईडीबीआई बैंक के रणनीतिक विनिवेश से संबंधित है।सरकार ने फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स की सहायक कंपनी को बैंक में रणनीतिक हिस्सेदारी खरीदने के लिए स्वीकृति दी है। इस सौदे के तहत केंद्र सरकार और भारतीय जीवन बीमा निगम की संयुक्त 60.72 प्रतिशत हिस्सेदारी लगभग 52,878.08 करोड़ रुपये में बेची जाएगी। घोषित सौदे के अनुसार, शेयर का मूल्य 81 रुपये निर्धारित किया गया है, जो स्वतंत्र मूल्यांकन के आधार पर तय 75.99 रुपये के संदर्भ मूल्य से अधिक है। लेनदेन पूरा होने के बाद सरकार और एलआईसी की संयुक्त हिस्सेदारी 34 प्रतिशत रहने की जानकारी दी गई है।यह फैसला बैंकिंग क्षेत्र में सरकार की भूमिका, निजी निवेश और वित्तीय संस्थानों की कार्यकुशलता से जुड़ी व्यापक बहस को फिर सामने लाता है। रणनीतिक विनिवेश का उद्देश्य केवल सरकारी हिस्सेदारी का हस्तांतरण नहीं, बल्कि किसी संस्थान को पूंजी, प्रबंधन क्षमता और प्रतिस्पर्धा के लिहाज से अधिक सक्षम बनाने की संभावनाओं से भी जुड़ा होता है।

बदलते बैंकिंग परिदृश्य में डिजिटल भुगतान, साइबर सुरक्षा, ग्राहकों को त्वरित सेवाएं, ऋण वितरण और जोखिम प्रबंधन का महत्व लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में बैंक के लिए आधुनिक तकनीक अपनाना, ग्राहकों का विश्वास बनाए रखना और वित्तीय प्रदर्शन में सुधार करना आवश्यक है।यदि रणनीतिक निवेश से इन क्षेत्रों में सुधार होता है, तो इसका लाभ बैंक की दीर्घकालिक स्थिति को मजबूत करने में मिल सकता है।

हालांकि,इतने बड़े सौदे की सफलता का आकलन केवल सरकार को प्राप्त होने वाली राशि से नहीं किया जाना चाहिए। बैंक के जमाकर्ताओं की सुरक्षा, कर्मचारियों के हित, ग्राहकों को मिलने वाली सेवाओं की गुणवत्ता और वित्तीय प्रणाली की स्थिरता भी महत्वपूर्ण हैं।नियामकीय शर्तों और कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए सौदे को पूरा करना आवश्यक होगा। यह भी देखना होगा कि स्वामित्व और प्रबंधन में बदलाव के बाद बैंक अपनी सेवाओं को किस प्रकार बेहतर बनाता है।कर्मचारी कल्याण और आर्थिक सुधारों के बीच संतुलन रेलवे बोनस और आईडीबीआई बैंक के रणनीतिक विनिवेश को एक साथ देखने पर सरकार की दो अलग-अलग नीतिगत प्राथमिकताएं सामने आती हैं। रेलवे कर्मचारियों को बोनस देने का निर्णय उनके योगदान को सम्मानित करने और त्योहार के अवसर पर आर्थिक सहायता पहुंचाने से संबंधित है। वहीं आईडीबीआई बैंक के विनिवेश का उद्देश्य संस्थागत ढांचे और प्रबंधन में बदलाव के माध्यम से बैंक की क्षमता बढ़ाने की दिशा में कदम उठाना है।भारत जैसी विशाल अर्थव्यवस्था में विकास की गति बनाए रखने के लिए बुनियादी ढांचे में निवेश, उद्योगों का विस्तार, रोजगार के अवसर और मजबूत वित्तीय संस्थान आवश्यक हैं। इसके साथ ही कर्मचारियों के हितों और आम नागरिकों की जरूरतों की अनदेखी नहीं की जा सकती। आर्थिक सुधार तभी सार्थक होंगे, जब उनका लाभ व्यापक समाज तक पहुंचे और संस्थानों के प्रति जनता का विश्वास बना रहे। रेलवे में कर्मचारियों की कार्यकुशलता और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होने से यात्रियों को बेहतर सेवाएं मिल सकती हैं। दूसरी ओर, बैंकिंग क्षेत्र में निवेश और प्रबंधन सुधार से वित्तीय सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ने की संभावना है। दोनों ही मामलों में घोषणाओं से आगे बढ़कर उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर ध्यान देना होगा।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण,निवेश को प्रोत्साहन और आर्थिक सुधारों को विकास की प्रमुख प्राथमिकताओं में रखा गया है। इन प्रयासों का मूल्यांकन इस आधार पर होना चाहिए कि उनसे रोजगार, उत्पादकता, सेवाओं की गुणवत्ता और आम नागरिकों के जीवन में कितना सकारात्मक परिवर्तन आता है।अंततः 14 अक्टूबर की मंत्रिमंडलीय बैठक के ये दोनों फैसले आर्थिक विकास के दो महत्वपूर्ण पक्षों को सामने रखते हैं।रेलकर्मियों के लिए बोनस का निर्णय श्रम और सेवा के सम्मान का संदेश देता है, जबकि आईडीबीआई बैंक का रणनीतिक विनिवेश वित्तीय क्षेत्र में बदलाव की दिशा को रेखांकित करता है। देश की प्रगति के लिए आवश्यक है कि आर्थिक सुधारों के साथ जनहित सुरक्षित रहे, कर्मचारियों का मनोबल बढ़े और सार्वजनिक संस्थानों की जवाबदेही बनी रहे। विकास की यही संतुलित दृष्टि भारत को मजबूत अर्थव्यवस्था बनाने और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।
~~~~~~~~~

पेंच पार्क में दिखते हैं कुदरत के अनोखे रंग

महाराष्ट्र के नागपुर और मध्य प्रदेश के सिवनी के बीच 'पेंच नेशनल पार्क' ऐसी जगह है जहां रुखे व्यवहार वाला आदमी भी कुछ दिन रुक जाए तो वह भी काव्यात्मक लहजे में बातें करने लगेगा। पेंच की खूबसूरती को समझने के लिए 292 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले इस घने जंगल में आपको घूमना पड़ेगा।

जिन जगहों पर कुदरत दिल से मेहरबान रही है उनमें से पेंच भी एक है। पेंच आने वाले पर्यटकों का पहला सामना अपनी उछलकूद में मग्न बंदरों से होता है। कच्ची मगर सलीकेदार सड़क के चारों ओर घने झुरमुटों में से स्वच्छंद विचरते हिरण, सांभर और चीतल जरूर ठुमक कर पर्यटकों का स्वागत करते हैं मगर अपनी उत्सुक निगाहों को आप से हटा कर कुलाचें भरने का यह सिलसिला यहीं खत्म नहीं होता। हर दूसरे मोड़ पर ये दोबारा आपके सामने नजर आ जाते हैं।

पेंच में शेर का दिखना मौके की बात है। यहां विचरते समय बीच-बीच में आपको नीलगाय, जंगली भैंसा, जंगली सूअर और जंगली कुत्ता आदि के साथ ही अन्य जंगली जानवर भी देखने को मिलेंगे।

पेंच में कुछ घंटे गुजरने के साथ ही आपको खुद ब खुद महसूस होगा कि स्वच्छ हवा या आक्सीजन क्या होती है। सुबह-शाम पक्षियों की संगीतमय चहचहाहट के जादू से बच पाना भी किसी के बूते की बात नहीं है और न ही रंगबिरंगे पक्षी संसार को इतने नजदीक से देखने का अवसर चूकने की।

पेंच नेशनल पार्क में अब रुकना भी सरल हो गया है। मध्य प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम ने पर्यटकों के प्रति अपनी गंभीरता को समझते हुए किपलिंग कोर्ट का निर्माण करवाया है। 20 कमरों का तमाम आधुनिक सुख-सुविधाएं लिए किपलिंग कोर्ट मोगली के जंगल में आप का घर ही है। किपलिंग कोर्ट के कमरे आम होटलों जैसे एक-दूसरे से सटे नहीं हैं और न ही आमने-सामने हैं। यह एक छोटी बस्ती की तरह चारों तरफ दोमंजिला शक्ल में फैले हुए हैं।

नागपुर और सिवनी के बीच खवासा गांव उतर कर मात्र 10 किलोमीटर अंदर जाकर जब पेंच का जीवन तबियत से जीने की इच्छा हो तो जरूरी है कि आप चश्मा ले जाएं, दूरबीन भी और कैमरा भी। जीप से घूमते समय पानी की बोतल साथ रखें। खाने-पीने के लिए गेट पर काफी रेस्तरां हैं साथ ही वन विभाग की कैंटीन और रेस्ट हाउस भी यहां उपलब्ध हैं।

मौसम कोई भी हो, पेंच में सुबह-सुबह सर्दी का एहसास जरूर होता है। सर्दियों में शाम भले ही किपलिंग कोर्ट के अंदर कमरे में कुछ सोचते, गुनगुनाते, थिरकते या नीचे मैदान में बैठ साथी पर्यटकों से बातचीत करते गुजारी जाए लेकिन गर्मियों की शाम में अगर बगैर दीवारों वाले तितली रेस्तरां में कुछ ठंडा-गरम पिया जाए तो पेंच आने की कीमत वसूल हो जाती है।

वनों का सुंदर उपहार कोडैकनाल

कोडैकनाल भारत का एक आकर्षक पहाड़ी पर्यटन स्थल है जो तमिलनाडु राज्य में बसा डिंडागुल जिले का एक शहर है। यह समुद्र तल से 2133 मीटर की ऊंचाई पर एक पठार के ऊपर है। तमिल में कोडैकनाल का अर्थ वन का उपहार है। कोडै शब्द के चार अलग-अलग अर्थ होते हैं- पहला 'जंगल का अंतिम छोर', दूसरा 'लताओं का जंगल', तीसरा 'गर्मियों का जंगल' और चौथा 'जंगल का उपहार'। यहां की प्राकृतिक सुंदरता के कारण इसे 'हिल स्टेशनों की राजकुमारी' भी कहते हैं

कोडैकनाल हिल रिजॉर्ट अपनी सुंदरता और शांत वातावरण से सबको सम्मोहित कर लेता है। यहां घूमने का मजा कुरिंजी नामक फूल के खिलने के समय दोगुना हो जाता है। हालांकि यह फूल बारह साल में एक बार खिलता है। यहां के लोग कुरिंजी के फूल को देखना अपनी शान समझते हैं। जब यह खिलता है तो पहाड़ियों की सुंदरता देखते बनती है। इसकी खुशबू मदहोश कर देने वाली होती है। विशाल चट्टान, शांत झील, फलों के बागीचे और पाइन के जंगलों से आती शुद्ध हवा यहां के वातावरण को सुगंधित और गुलजार बना देती है। कोडैकनाल का उल्लेख ईसा पूर्व के संगम साहित्य में मिलता है। पलानी हिल्स के आसपास के क्षेत्र में उस समय पेलियंस और पुलयंस नामक आदिम जनजाति निवास करती थी। 1845 में अंग्रेजों ने यहां हिल स्टेशन स्थापित किया था। ब्रिटिश प्रशासकों और मिशनरियों का यह पसं दीदा हिल स्टेशन था। कोडैकनाल की स्थापना 1863 में हुई थी। इस सूबसूरत शहर के दर्शनीय स्थल-

कोडैकनाल झील

इस खूबसूरत सितारानुमा झील का निर्माण एक अंग्रेज ने किया था। जो 60 एकड़ क्षेत्र में फैली हुई है। इसके चारों ओर की हरियाली पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है। इस झील का बोट क्लब रोमांचक रेसिंग ट्रिप की सुविधा उपलब्ध कराता है।

कोकर्स वाक

लेफ्टिनेंट कोकर के नाम से इस स्थान का नाम कोकर्स वाक पड़ा। कोकर ने कोडैकनाल का मानचित्र तैयार किया था। यह शहर से एक किलोमीटर दूर मनमोहक पर्यटन स्थल है। यहां से आसपास की पहाड़ियों तथा मदुरै शहर का दृश्य बहुत ही सुंदर दिखाई देता है। मैदानों से खूबसूरत दिलकश नजारों का लुत्फ लिया जा सकता है। यहां की प्रसिद्ध पिलर रॉक्स चट्टानें कोडैकनाल से 7.4 किलोमीटर दूर हैं। ये 122 मीटर ऊंची है, जो देखने में बहुत ही खूबसूरत लगती हैं। यह स्थान पिकनिक के लिए भी उपयुक्त है।

ब्रायंट पार्क

बेरियम झील के पूर्व दिशा में फैला ब्रांयट पार्क स्थित है। यह पार्क फूलों तथा संकर प्रजाति के विभिन्न पेड़-पौधों के लिए जाना जाता है। यहां एक ग्लास हाउस में विभिन्न किस्म के फूल खिले रहते हैं। मई महीने में यहां उद्यान मेला लगता है।

बेरियम झील

यह खूबसूरत झील पिकनिक के लिए लोकप्रिय स्थल है। प्राकृतिक सुंदरता से भरी यह झील कोडै कनाल बस स्टे शन से 21 किलोमीटर दूर है। इस झील से पेरियाकुलम नगर को पानी की सप्लाई होती है। झील की खोज और सुधार कार्य ब्रिटिश आर्मी कर्नल हेमिल्टन द्वारा 1864 में किया गया था।

शेनबागानूर संग्रहालय

झील से 5 किलोमीटर की दूरी पर यह संग्रहालय स्थित है। इसकी देखरेख सेक्रेड हार्ट कॉलेज द्वारा की जाती है। यहां का आर्किडोरियम भारत के सबसे बेहतर आर्किडोरियम में से एक माना जाता है।

कुरिंजी अंदावर मंदिर

यह मंदिर कोडैकनाल से 3.2 किलोमीटर दूर है। यहां पर 'लार्ड मुरुगन' की एक आकर्षक प्रतिमा रखी हुई है। यहां से पलानी पहाड़ियों तथा वैगाई डैम का खूबसूरत दृश्य मन को मोह लेता है।

बीयरशोला फाल

यह खूबसूरत पिकनिक स्थल कोडैकनाल से 16 किलोमीटर दूर है। यहां अक्सर भालुओं को पानी पीते देख जा सकता है। भालुओं की उपस्थिति के कारण इस झरने का नाम बीयरशोला पड़ा।

सिल्वर कासकेड प्रपात

यह आकर्षक जलप्रपात कोडैकनाल झील से 8 किलोमीटर दूर है। झील का अतिरिक्त जल 180 फीट की ऊंचाई से झरने के रूप में गिरता है। यहां के शांत और सौम्य वातावरण का पर्यटक भरपूर आनंद लेते हैं।

बोट क्लब

यह बोट क्लब 1910 में स्थापित किया गया था। 1932 से पहले यह आम लोगों और पर्यटकों के लिए नहीं था। मात्र कुछ चुनिंदा सदस्य ही बोटिंग का आनंद ले सकते थे। बाद में पर्यटकों और आम लोगों को भी सुविधा दे दी गई।

वेधशाला

कोडैकनाल से 3.2 किलोमीटर दूर स्थित इस वेधशाला का निर्माण 1899 में किया गया था। 2347 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह वेधशाला कोडैकनाल की सबसे ऊंची जगह है। यहां से प्रकृति का अद्भुत नजारा दिखता है।

टेलीस्कोप हाउस

घाटी और उसके आसपास की सुंदरता को देखने के लिए दो टे लीस्कोप हाउस स्थापित किये गये हैं। इसके अलावा सौर भौतिक वेधशाला, ग्रीन वैली व्यू, गुना गुफाएं, डॉल्फिन नोज, थालाइयर झरना आदि जगहों की सैर कर सकते हैं। फलों में नाशपाती के लिए यह जगह प्रसिद्ध है। चॉकलेट प्रेमियों के लिए यह स्वर्ग माना जाता है। साहसिक गतिविधियों में ट्रैकिंग, बोटिंग, हॉर्स राइडिंग और साइकिलिंग का आनंद लिया जा सकता है।

कब और कैसे जाएं

सालभर मौसम अच्छा रहता है। वैसे, अच्छा समय अप्रैल से अगस्त उत्तम है। सर्दियों के दौरान इस जगह की यात्रा अच्छी रहती है। निकटतम हवाई अड्डा मदुरै है, जो यहां से 120 किलोमीटर दूर है। यहां से बस या टैक्सी द्वारा कोडैकनाल पहुंच सकते हैं। रेल मार्ग के लिए निकटतम रेलवे स्टेशन कोडै रोड है, जो कोडैकनाल से 80 किलोमीटर दूर है। सड़क मार्ग के लिए दक्षिण भारत के कई मुख्य शहरों से सीधी बस सेवा द्वारा जुड़ा है।

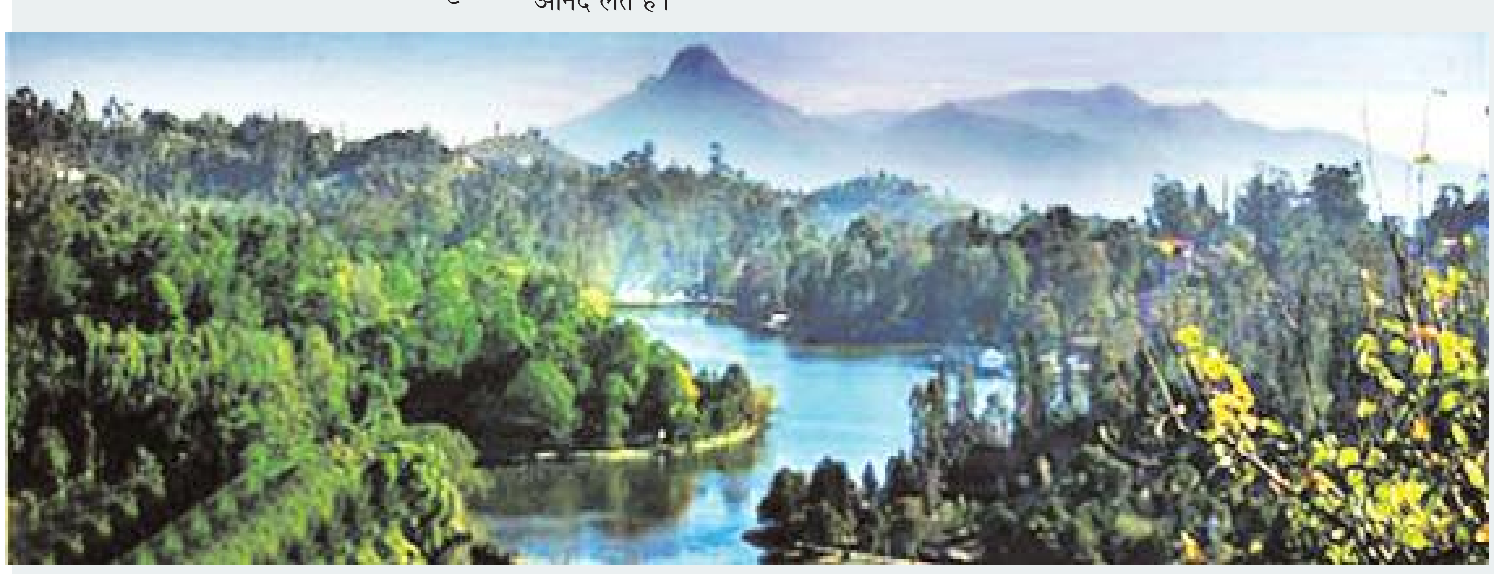

सागर किनारे लक्षद्वीप

अरब सागर की गोद में बैठे छोटे ये द्वीप अपनी सुंदरता में अद्वितीय और आकर्षक हैं। ये भारत के दक्षिण-पश्चिम किनारे पर स्थित हैं। मुख्य भूमि से दूर इनका प्राकृतिक सौंदर्य, प्रदूषणमुक्त वातावरण, चारों ओर समुद्र और इसका पारदर्शी तल पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देता है।

समुद्री जल में तैरती असंख्य प्रजातियों की रंगबिरंगी मछलियाँ इन द्वीपों की सुंदरता को चार चाँद लगा देती हैं। हर द्वीप पर नारियल व पाम के झूमते हरे-भरे वृक्ष हैं। और साथ है कोरा-कुँवारा समुद्र जिसका नीला पानी आपको अनोखी पवित्रता का अहसास कराता है।

लक्षद्वीप भारत के एकमात्र मूँगा द्वीप हैं। इन द्वीपों की श्रृंखला मूँगा एटोल हैं। एटोल मूँगे के द्वारा बनाया गई ऐसी रचना है जो समुद्र की सतह पर पानी और हवा मिलने पर बनती है। सिर्फ इन्हीं परिस्थितियों में मूँगा जीवित रह सकता है। यहाँ के निवासी केरल के निवासियों से बहुत मिलते-जुलते हैं। यह द्वीप पर्यटकों का स्वर्ग है। यहाँ का नैसर्गिक वातावरण देश-विदेश के सैलानियों को बरबस अपनी ओर खींच लेता है। अब केंद्र सरकार इन द्वीपों का पर्यटन की दृष्टि से तेजी से विकास कर रही है।

समुद्र जल में जो जीव सृष्टि है, वह धरातल के ऊपर के प्राणियों से कम सुंदर और आकर्षक नहीं है। ये द्वीप प्रकृति की एक अद्भुत देन हैं। यह आश्चर्य की बात है कि यहाँ की धरती का निर्माण मूँगों द्वारा किया गया। उन्होंने ही मानव के रहन-सहन के उपयुक्त बनाया। यह द्वीप पर्यटकों का स्वर्ग है। यहाँ का नैसर्गिक वातावरण देश-विदेश के सैलानियों को बरबस अपनी ओर खींच लेता है।

द्वीप

अगत्ती लक्षद्वीप का बेहद खूबसूरत लैगून में से है। यहाँ एयरपोर्ट भी है। लक्षद्वीप में यहीं से प्रवेश किया जाता है। यहीं पर 20 बिस्तरों वाला एक पर्यटक काम्पलैक्स भी है।

बंगारम

आँसू के आकार के इस द्वीप में चारों ओर क्रीमी रंग की रेत बिखरी हुई है। लक्षद्वीप के हर द्वीप की तरह यहाँ भी नारियल के वृक्ष सघन मात्रा में हैं जो दिन की तीखी गर्मी में भी ठंडक देते हैं।

कवरत्ती

कवरत्ती यहाँ की प्रशासनिक राजधानी है। यह सबसे अधिक विकसित भी है साथ ही यहाँ द्वीपवासियों के अलावा अन्य लोग भी बड़ी संख्या में रहते हैं। पूरे द्वीप में 52 मस्जिद हैं, सबसे खूबसूरत मस्जिद है उज्र मस्जिद। कहा जाता है कि यहाँ के पानी में चमत्कारी शक्ति है।

इस द्वीप में एक्वेरियम भी है जिसमें सुंदर मछलियों की प्रजातियाँ हैं। यहाँ काँच की तली वाली नौका में बैठकर आप समुद्री दुनिया का नजारा ले सकते हैं। इसके अलावा यहाँ वाटर स्पोर्ट्स जैसे केयाकिंग, कनोइंग और स्नोरकेलिंग का मजा भी ले सकते हैं।

कालपेनी

यहाँ तीन द्वीप हैं जिनमें आबादी नहीं है। इनके चारों ओर लैगून की सुंदरता देखने लायक है। कूमेल एक खाड़ी है जहाँ पर्यटन की पूरी सुविधाएँ उपलब्ध हैं। यहाँ से पित्ती और थिलक्कम नाम के दो द्वीपों को देखा जा सकता है। यहाँ आप तैर सकते हैं, रीफ पर चल सकते हैं, नौका में बैठकर घूम सकते हैं और कई वाटर स्पोर्ट्स का आनंद ले सकते हैं।

कदमठ

एक जैसी गहराई और दूर अनंत तक जाते किनारे कदमठ को स्वर्ग बनाते हैं। यही एकमात्र द्वीप है जिसके पूर्वी और पश्चिमी दोनों ओर लैगून हैं। यहाँ वाटर स्पोर्ट्स की बेहतरीन सुविधाएँ हैं।

मिनिकॉय

यह कवरत्ती से 200 किमी दूर दक्षिण में है। मालदीव के करीब होने के कारण यहाँ भिन्न संस्कृति के दर्शन होते हैं। मिनिकॉय नृत्य परंपरा के मामले में बेहद समृद्ध है। विशेष अवसर पर यहाँ लावा नृत्य किया जाता है। यहाँ खासकर तूना मछली का शिकार और नौका की सैर आनंददायी है। अँग्रेजों के द्वारा 1885 में बनवाया गया प्रकाश स्तंभ देखने लायक है, पर्यटक यहाँ ऊपर तक जा सकते हैं।

कैसे जाएँ

हवाई मार्ग से कोचीन से अगत्ती द्वीप तक सीधी हवाई सेवा है। अगत्ती से हेलिकॉप्टर या बोट के माध्यम से आगे जाया जा सकता है। दूसरे द्वीपों के लिए हेलिकॉप्टर सेवा उपलब्ध है। पानी के जहाज से केरल के कोचीन से जहाज की सेवा भी उपलब्ध है।

कब जाएँ

अक्टूबर-नवंबर में यहाँ बारिश होती है और पानी के जहाज चलना बंद हो जाते हैं। फिर भी हेलिकॉप्टर के माध्यम से आप यहाँ जा सकते हैं। इन दिनों मौसम कुछ ठंडा हो जाता है लेकिन अन्य दिनों में गर्मी रहती है।

परमाणु ऊर्जा क्षमता को 2047 तक 91 गीगावाट बढ़ाने 15 लाख करोड़ की जरूरत- सीईए

सीईए चेयरमैन ने निजी क्षेत्र की व्यापक भागीदारी को बताया महत्वपूर्ण

नई दिल्ली ।

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) के चेयरमैन घनश्याम प्रसाद ने बुधवार को घोषणा की कि भारत को 2047 तक अपनी परमाणु ऊर्जा क्षमता को 100 गीगावाट तक बढ़ाने के लिए अनुमानित 15 लाख करोड़ रुपए के भारी निवेश की आवश्यकता होगी। उन्होंने इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निजी क्षेत्र की व्यापक भागीदारी को अनिवार्य बताया। प्रसाद ने भारतीय बिजली क्षेत्र को एआई सक्षम बनाने पर आयोजित एक विचार-मंथन कार्यक्रम में बताया कि वर्तमान में भारत की स्थापित परमाणु ऊर्जा क्षमता लगभग 8.8 गीगावाट है, जिसे 2030-31 तक 22 गीगावाट तक पहुंचने की उम्मीद है। उन्होंने जोर दिया कि परमाणु ऊर्जा बिजली का एक स्थिर और विश्वसनीय स्रोत है, जो चौबीसों घंटे निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करता है। यह 2035-36 तक अनुमानित 459 गीगावाट की अधिकतम बिजली मांग को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जबकि मौजूदा 274 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का योगदान केवल 29.2 फीसदी है। चेयरमैन के अनुसार 100 गीगावाट के कुल लक्ष्य में से 46 गीगावाट क्षमता सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, निजी कंपनियों और संयुक्त उद्यमों के माध्यम से पूरी की जाएगी। यह निवेश और भागीदारी देश की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है।

मस्क से पहले सैटकॉम शुरू करना चाहते हैं मित्तल, कहा- कतार में आगे हैं हम!

पांच साल पहले लाइसेंस के लिए आवेदन किया था, ग्राउंड नेटवर्क पिछले तीन साल से तैयार

नई दिल्ली ।

भारत में उपग्रह संचार (सैटकॉम) सेवाओं के बाजार में प्रतिद्वंद्विता और जुबानी जंग तेज हो गई है। भारती एयरटेल के चेयरमैन सुनील भारती मित्तल ने बुधवार को कहा कि उनका उद्यम यूटेलसैट वनवेब, अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क की स्टारलिंक से देश में सेवाएं शुरू करने की मंजूरी पाने की कतार में काफी आगे है। यह बयान मस्क द्वारा भारतीय उद्योगपतियों पर स्टारलिंक को रोकने के लिए एकाधिकार बनाए रखने के आरोपों के जवाब में आया है। मित्तल ने यहां ब्लूमबर्ग न्यू इकॉनमी फोरम 2026 में कहा कि उन्होंने पांच साल पहले लाइसेंस के लिए आवेदन किया था। उनका ग्राउंड नेटवर्क पिछले तीन साल से तैयार है और उपग्रह पांच साल से भारत के ऊपर चक्कर लगा रहे हैं। उन्होंने अपनी मंशा स्पष्ट करते हुए कहा कि उन्हें खुशी होगी अगर वनवेब को मस्क से कम से कम कुछ दिन पहले सेवाएं शुरू करने की मंजूरी मिल जाए, क्योंकि वे उनसे कतार में बहुत आगे हैं। हाल ही में, एलन मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आरोप लगाया था कि कुछ प्रभावशाली उद्योगपति भारतीयों पर एकाधिकार बनाए रखना चाहते हैं और इसी वजह से वे स्टारलिंक को भारत में आने से रोक रहे हैं। इसके बाद उन्होंने रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी को भारत का असली बॉस तक पूछ लिया था। मस्क के इन आरोपों पर संचार मंत्रालय ने अगले ही दिन जवाब देते हुए कहा था कि नियामकीय ढांचे या उसके क्रियान्वयन को अनुचित या भेदभावपूर्ण बताने वाली बात का कोई आधार नहीं है और यह गलतफहमी पर आधारित है। संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी पिछले सप्ताह स्पष्ट किया था कि भारत किसी भी क्षेत्र में एकाधिकार की अनुमति नहीं देता। यह पूरा घटनाक्रम भारत के महत्वाकांक्षी सैटकॉम बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा को रेखांकित करता है।

एलपीजी सिलेंडर की कीमतें जस की तस

नई दिल्ली ।

सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियों ने बुधवार को भी उपभोक्ताओं को रसोई गैस की कीमतों में कोई नई राहत नहीं दी है। देश भर में घरेलू और कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम अपरिवर्तित बने हुए हैं।

ओएमसी हर सुबह 6 बजे एलपीजी दरों को अपडेट करती हैं, लेकिन बुधवार को इनमें कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली में 14.2 किलो वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 939.50 रुपये पर स्थिर है, जबकि मुंबई में यह 941.50 रुपये और कोलकाता में 968.00 रुपये में उपभोक्ताओं को मिल रहा है। पटना जैसे शहरों में घरेलू सिलेंडर अभी भी 1,000 रुपये से अधिक (1,031.50 रुपये) में बिक रहा है, जिससे आम जनता की जेब पर बोझ बना हुआ है। इसी तरह होटल और रेस्टोरेंट में इस्तेमाल होने वाले 19 किलोग्राम के कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतें भी ऊंची बनी हुई हैं। दिल्ली में यह 2,810 रुपये प्रति सिलेंडर पर उपलब्ध है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 251, निफ्टी 99 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज सबसे ज्यादा बिकवाली फार्मा और हेल्थकेयर क्षेत्रों में रही जिससे भी बाजार पर दबाव पड़ा। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सूचकांक सेंसेक्स 251.89 अंक फिसलकर 72,781.89 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 99.25 अंक नीचे आकर 22,622.70 के स्तर पर बंद हुआ हालांकि आईटी शेयरों में आई तेजी ने बाजार की गिरावट को कुछ हद तक रोका। बाजार जानकारों के अनुसार, सुबह के कारोबारी सत्र में निफ्टी एक बार 22,700 के महत्वपूर्ण स्तर को पार करने में सफल रहा था, लेकिन ऊपरी स्तरों पर मुनाफावसूली और बिकवाली के दबाव के चलते यह अपनी बढ़त बरकरार नहीं रख सका। मुनाफावसूली के चलते सूचकांक एक समय गिरकर 22,558.95 के निचले स्तर तक चला गया था, लेकिन कारोबार के आखिरी घंटों में आई हल्की खरीदारी ने बाजार को थोड़ा सहारा दिया, जिससे यह अपने दिन के निचले स्तरों से कुछ ऊपर बंद हुआ। आज के कारोबारी सत्र में सेक्टोरल प्रदर्शन की बात करें तो फार्मा और हेल्थकेयर इंडेक्स में सबसे बड़ी

गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी फार्मा और निफ्टी हेल्थकेयर दोनों ही अपने संबंधित सेक्टोरल इंडेक्स में सबसे कमजोर साबित हुए, जो बाजार की समग्र गिरावट के मुख्य कारणों में से एक था। इसके विपरीत, बाजार को गिरावट के बावजूद इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी शेयरों ने शानदार प्रदर्शन किया। निफ्टी आईटी इंडेक्स आज सबसे ज्यादा मुनाफा कमाने वाला सेक्टोरल इंडेक्स रहा, जिससे बाजार को कुछ हद तक संतुलन बनाए रखने में मदद मिली। दिग्गज शेयरों की स्थिति पर नजर डालें तो सेंसेक्स की टॉप 30 कंपनियों में से इंफोसिस, टेक महिंद्रा, टीसीएस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एनटीपीसी बढ़त के साथ बंद हुए। यह दिखाता है कि आईटी और कुछ अन्य क्षेत्रों में निवेशकों का भरोसा बना रहा।

रुपया बढ़त के साथ बंद हुआ

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 30 पैसे की तेजी के साथ ही 95.06 पर बंद हुआ। रुपया बुधवार आज सुबह शुरुआती कारोबार में 44 पैसे मजबूत होकर 94.92 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के हस्तक्षेप से डॉलर की निकट अवधि की मांग कम होने और विदेशी मुद्रा बाजार में सट्टेबाजी पर अंकुश लगने से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर के मुकाबले रुपये में पिछले तीन कारोबारी सत्रों में करीब दो फीसदी की मजबूती आई है। बुधवार को भी कारोबार की शुरुआत सकारात्मक रही। इसकी मुख्य वजह बाजार में उतार-चढ़ाव सीमित करने और सट्टेबाजी पर अंकुश लगाने के लिए आरबीआई द्वारा लागू किए गए नियामकीय उपाय हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.05 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद मजबूत होकर 94.92 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 44 पैसे की बढ़त है। रुपया मंगलवार को 42 पैसे की बढ़त के साथ 95.36 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बी, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 फीसदी की गिरावट के साथ 102.11 पर रहा।

प्रेस्टीज एस्टेट्स की बिक्री बुकिंग में 20 फीसदी उछाल

मजबूत मांग से 7,225 करोड़ का कारोबार

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट की प्रमुख कंपनी प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की जुलाई-सितंबर तिमाही में अपनी बिक्री बुकिंग में 20 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की है, जो 7,225 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। कंपनी ने मंगलवार को बताया कि आवासीय क्षेत्र में मजबूत मांग और स्थापित व प्रतिष्ठित ब्रांड्स पर ग्राहकों के बढ़ते भरोसे ने इस उछाल में अहम भूमिका निभाई।

बेंगलुरु स्थित इस रियल एस्टेट दिग्गज ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में उसके आवासीय कारोबार की बिक्री बुकिंग पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के मुकाबले सालाना आधार पर 20 प्रतिशत अधिक रही। इस दौरान कंपनी ने 58.4 लाख वर्ग फुट क्षेत्र में फैली 3,910 आवासीय इकाइयां बेचीं। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में कंपनी की कुल बिक्री बुकिंग 13,804.3 करोड़ रुपये रही, जिसमें 1.18 करोड़ वर्ग फुट क्षेत्र में 7,247 इकाइयों की बिक्री शामिल है। प्रेस्टीज समूह के एक वे रिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि हमारे आवासीय कारोबार में मांग लगातार अच्छी बनी हुई है। खास बात यह है कि हमारी नई परियोजनाओं को भी शानदार प्रतिक्रिया मिली है, यहां तक कि वे परियोजनाएं जो तिमाही के अंत में शुरू की गई थीं। प्रेस्टीज एस्टेट्स देश की एक अग्रणी रियल एस्टेट कंपनी है जो प्रमुख शहरों में आवासीय, वाणिज्यिक, खुदरा, आतिथ्य और एकीकृत टाउनशिप परियोजनाओं का निर्माण करती है।

थोक मुद्रास्फीति में भारी उछाल, सितंबर में 11.39 फीसदी पर पहुंची

खाद्य पदार्थों, ईंधन और विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में भारी वृद्धि

नई दिल्ली ।

देश में महंगाई का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। सितंबर 2026 में थोक मुद्रास्फीति (डब्ल्यूपीआई) बढ़कर 11.39 प्रतिशत के ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है, जो अगस्त में दर्ज 9.92 प्रतिशत से काफी अधिक है। बुधवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, खाद्य पदार्थों, ईंधन एवं बिजली तथा विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में तेज बढ़ोतरी ने समग्र थोक महंगाई दर को ऊपर धकेल दिया है, जिससे आम जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ने की आशंका है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, खाद्य पदार्थों की महंगाई दर अगस्त के 7.05 प्रतिशत से बढ़कर सितंबर में 8.66 प्रतिशत हो गई। इसी तरह, विनिर्मित वस्तुओं में थोक मूल्य सूचकांक-आधारित मुद्रास्फीति 9.76 प्रतिशत के श्रृंखला के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई, जो अगस्त में 8.37 प्रतिशत थी। ईंधन एवं बिजली की महंगाई भी 22.93 प्रतिशत से बढ़कर 25.85 प्रतिशत रही।

खनिज तेल (पेट्रोलियम उत्पादों सहित), कच्चे पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस, कोयले, बुनियादी धातुओं और रासायनिक उत्पादों सहित कई क्षेत्रों में कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई। यह बढ़ोतरी चालू वित्त वर्ष की शुरुआत से ही जारी है।

पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध और होर्मुज जलडमरूमध्य में

संभावित अवरोधों के कारण वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल एवं उर्वरकों की लागत में वृद्धि हुई है, जिसका सीधा असर घरेलू कीमतों पर पड़ रहा है। बढ़ती महंगाई पर अंकुश लगाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पिछले सप्ताह नीतिगत दर रेपो को 0.25 प्रतिशत बढ़ाकर 5.50 प्रतिशत कर दिया था।

गौरतलब है कि थोक महंगाई के साथ-साथ खुदरा महंगाई भी सितंबर में 23 महीने के उच्चतम स्तर 5.54 प्रतिशत पर पहुंच गई है, जिससे आम लोगों पर दोहरी मार पड़ रही है।

त्योहारी सीजन में 7 लाख करोड़ से अधिक व्यापार का अनुमान- कैट

दुर्गा पूजा से शुरू हुई रौनक, दिवाली तक बाजार में दिखेगी बंपर खरीदारी

नई दिल्ली ।

देशभर में त्योहारी सीजन की धूम के साथ ही कारोबारियों के चेहरों पर भी रौनक आ गई है। व्यापारियों के संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने इस साल नवरात्र से लेकर दिवाली तक 7 लाख करोड़ रुपए से अधिक के व्यापार का अनुमान लगाया है, जो पिछले साल के मुकाबले काफी बेहतर रहने वाला है।

कैट के अनुसार इस साल त्योहारी सीजन के दौरान देशभर में 7 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कारोबार होने की उम्मीद है। यह आंकड़ा पिछले साल के करीब 6.05 लाख करोड़ रुपए (जिसमें 5.40 लाख करोड़ का सामान और 65,000 करोड़ की सेवाएं शामिल थीं) के मुकाबले 15 से 18 फीसदी अधिक होगा।

कैट के एक अ धिकारी ने

बताया कि बाजार में अच्छी मांग के चलते यह वृद्धि संभव है। पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में दुर्गा पूजा की शुरुआत हो चुकी है, वहीं उत्तर भारत में नवरात्रि से लेकर दिवाली तक खरीदारी का सिलसिला तेज होने की संभावना है। करवा चौथ, धनतेरस, गोवर्धन पूजा, भैया दूज, छठ पूजा, गुरु नानक जयंती और तुलसी विवाह जैसे कई त्योहारों के चलते व्यापारिक गतिविधियों में लगातार तेजी बनी रहेगी।

चीन के साथ संबंध फिर से मजबूत करने की दिशा में प्रयास कर रहा भारत- गोयल

वाणिज्य मंत्री ने कहा- उचित शर्तों पर सभी देशों से सहयोग को तैयार

नई दिल्ली ।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को स्पष्ट किया कि भारत चीन के साथ अपने संबंधों को फिर से मजबूत करने की दिशा में प्रयासरत है, हालांकि इस यात्रा का अंतिम पड़ाव अभी अनिश्चित है। 'ब्लूमबर्ग न्यू इकॉनमी फोरम' में उन्होंने दोहराया कि भारत उचित शर्तों, सतत जुड़ाव और स्थिर भू-राजनीतिक स्थिति के आधार पर किसी भी देश के साथ संयुक्त उद्यम के लिए तैयार है। गोयल ने स्वीकार किया कि अतीत में चीन के साथ भारत की कुछ चिंताएं रही हैं। गोयल की यह टिप्पणी महत्वपूर्ण है क्योंकि चीन भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। वित्त वर्ष 2025-26 में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 7.9 फीसदी बढ़कर 127.7 अरब डॉलर हो गया। इसी अवधि में भारत का निर्यात 36.62 फीसदी बढ़कर 19.47 अरब डॉलर हो गया, जबकि चीन से आयात 16 फीसदी बढ़कर 131.62 अरब डॉलर पहुंच गया। इससे व्यापार घाटा बढ़कर 99.19 अरब डॉलर हो गया, जो भारत के लिए चिंता का विषय है। चीन से निवेश को लेकर भी भारत ने भूमि सीमा साझा करने वाले देशों से आने वाले एफडीआई के लिए नियम सख्त किए हैं।

एशियाई देशों को जापान का रेड अलर्ट, तेल भंडार मजबूत करने की अपील

पश्चिम एशिया तनाव से आपूर्ति बाधित होने की आशंका

टोक्यो । एशिया के सबसे बड़े तेल आयातक जापान ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल आपूर्ति बाधित होने के खतरे के मद्देनजर एशियाई देशों के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया है। जापान ने सभी एशियाई देशों से अपने आपातकालीन तेल भंडार मजबूत करने और संभावित संकट से निपटने के लिए साझा रणनीतियां अपनाने की अपील की है। जापान के उद्योग मंत्री योजी अकाजावा ने तेल उत्पादक और आयातक देशों के बीच सहयोग बढ़ाने पर जोर देते हुए चेताया कि संकट से पहले तेल भंडार मजबूत करना आवश्यक है। जापान ने रियाद में अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा मंच और मनीला में एजीक की बैठकों में ऊर्जा सुरक्षा को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। इसके तहत, एशियाई देश आपूर्ति बाधित होने पर साझा भंडारण और आपातकाल में तेल जारी करने की व्यवस्था पर काम कर रहे हैं। जापान ने खुद को मध्य पूर्व के तेल उत्पादक और एशियाई आयातक देशों के बीच सहयोग का सेतु बनने की पेशकश भी की है। एशिया ज़ीरो एमिशन कम्युनिटी (एजेडईसी) के सदस्य देशों ने भी तेल भंडार मजबूत करने की कार्ययोजनाओं पर सहमति जताई है। यह रणनीति स्वच्छ ऊर्जा योजनाओं को छोड़े बिना, तात्कालिक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने और किसी भी संकट के दौरान अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों को कम करने पर केंद्रित है। जापान की इस व्यापक पहल का उद्देश्य ऊर्जा संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित कर आर्थिक स्थिरता बनाए रखना है।

रूसी डीजल समझौते पर ट्रंप घिरे, वैश्विक बाजार को ठहराया वजह

सांसदों ने करार को 'दुश्मन को तोहफा' और 'सहयोगियों से विश्वासघात' बताया

वॉशिंगटन ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस के साथ हुए डीजल आपूर्ति समझौते को लेकर द्विदलीय आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं। ट्रंप ने इस कदम का बचाव करते हुए कहा कि रूस से मिलने वाला यह ईंधन वैश्विक बाजार में ऊंची कीमतों को स्थिर करने के लिए है, न कि सीधे अमेरिका के लिए। इस समझौते ने अमेरिकी कांग्रेस द्वारा रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाने वाले कानून के ठीक बाद विवाद खड़ा कर दिया है। ट्रंप ने 9 अक्टूबर को 3 लाख टन से अधिक रूसी डीजल की आपूर्ति की घोषणा की, जिसके बाद कुल 18 लाख टन तक की खेपें होंगी। इन खेपों के लिए अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने अप्रैल 2027 तक रूसी डीजल पर वैश्विक प्रतिबंधों में अस्थायी ढील दी है। यह निर्णय नवंबर के अमेरिकी मध्यावधि चुनावों से ठीक पहले आया है, जब ईरान युद्ध से डीजल की कीमतें बढ़ी हैं। रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक दोनों दलों के सांसदों ने ट्रंप के इस कदम की कड़ी आलोचना की है। एक पत्र में उन्होंने इसे विरोधी को तोहफा और सहयोगियों से विश्वासघात बताते हुए तत्काल रद्द करने की मांग की। सांसदों ने याद दिलाया कि कांग्रेस ने हाल ही में रूस पर व्यापक प्रतिबंध कानून पारित किया था, जिसका उद्देश्य रूस पर आर्थिक दबाव बनाना था। ट्रंप फिर भी अपने फैसले पर कायम हैं, उनका

कहना है कि यह ईंधन पूरी दुनिया के लिए है, अमेरिका के लिए नहीं।

बैंक ऑफ अमेरिका पर 1.2 अरब डॉलर का जुर्माना

अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने कहा, बैंक की लापरवाही से वित्तीय प्रणाली में अवैध गतिविधियों का जोखिम बढ़ा

वॉशिंगटन ।

अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने बैंक ऑफ अमेरिका (बीओए) पर धनशोधन रोधी (एएमएल) और प्रतिबंध संबंधी कानूनों के कथित उल्लंघन के लिए 1.2 अरब डॉलर का भारी जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना वित्त मंत्रालय के इतिहास में तीसरा सबसे बड़ा है, जो बैंक की विफलता से अमेरिकी वित्तीय प्रणाली के लिए पैदा हुए अवैध गतिविधियों के जोखिम को दर्शाता है।

वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि ऐसे बड़े बैंकों की विफलता के गंभीर परिणाम होते हैं और यह अमेरिकी वित्तीय प्रणाली को अवैध गतिविधियों के लिए खोल सकती है। उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया कि कोई भी वित्तीय संस्थान कानून से ऊपर नहीं है। मंत्रालय के वित्तीय अपराध प्रवर्तन नेटवर्क (फिनसीईएन) ने राष्ट्रीय सुरक्षा जोखिमों को कम करने व रिपोर्ट करने में बैंक की विफलता को जुर्माने का आधार बताया। इनमें चीन के धनशोधन नेटवर्क और अमेरिकी सीमा पर अवैध वित्तीय गतिविधियां शामिल थीं। बीओए ने ईरान, रूस और आतंकवाद से जुड़े प्रतिबंधों के उल्लंघन के लिए 1.16 करोड़ डॉलर के समझौते पर भी सहमति दी। बैंक ने 1970 के बैंक गोपनीयता कानून का जानबूझकर उल्लंघन करना स्वीकार किया है। बैंक ऑफ अमेरिका ने बयान में कहा कि वह वित्तीय अपराधों से निपटने के लिए प्रौद्योगिकी में अरबों डॉलर का निवेश कर रहा है और नियामक मुद्दों को सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध है।

वैश्विक मांग से चीन का निर्यात उछला, यूरोप से व्यापार संतुलन पर बढ़ा दबाव

चीन का निर्यात सितंबर में सालाना आधार पर 36.3 प्रतिशत बढ़ा

हांगकांग ।

चीन का निर्यात सितंबर में सालाना आधार पर 36.3 प्रतिशत बढ़कर अर्थशास्त्रियों की उम्मीदों को पार कर गया, जिससे देश का व्यापार अधिशेष काफी बढ़ गया। हालांकि, इस शानदार वृद्धि के बावजूद, यूरोपीय संघ सहित प्रमुख व्यापारिक साझेदारों की ओर से व्यापार असंतुलन को संतुलित करने का दबाव लगातार बढ़ रहा है। चीन के सीमा शुल्क विभाग के अनुसार सितंबर में निर्यात में यह वृद्धि अगस्त के 25 प्रतिशत से भी तेज रही। वहीं आयात में भी 31 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जो अगस्त के 28.2 प्रतिशत से अधिक है। इसके परिणामस्वरूप, सितंबर में चीन का व्यापार अधिशेष बढ़कर 133.5 अरब डॉलर हो गया, जो अगस्त में 119.1 अरब डॉलर था। वर्ष के पहले नौ महीनों (जनवरी-सितंबर) में कुल व्यापार अधिशेष 938 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, और यह पिछले साल के 1.2 लाख करोड़ के रिकॉर्ड को पार कर सकता है। सेमीकंडक्टर और कारों जैसे उच्च-प्रौद्योगिकी उत्पादों ने इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मजबूत निर्यात ने इस वर्ष चीन की कुल आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा दिया है, हालांकि, रियल एस्टेट क्षेत्र की मंदी के चलते घरेलू खपत और निवेश सुस्त बने हुए हैं। बीएनपी परिबास एसेट मैनेजमेंट की एकातेरिना बिगोस ने चेतावनी दी है कि चीन के निर्यात की मजबूती के सामने अब चुनौतियां बढ़ रही हैं, खासकर यूरोपीय संघ द्वारा उच्च मूल्य वाले निर्यात को निशाना बनाने की पहल के कारण। 27 देशों का यूरोपीय संघ चीन के साथ प्रतिदिन 1.1 अरब डॉलर से अधिक के व्यापार घाटे को कम करने में खासे मुश्किलों का सामना कर रहा है। हाल ही में, यूरोपीय संघ के व्यापार प्रमुख मारोस सेफकोविच की बीजिंग यात्रा के दौरान, चीन के साथ हाइब्रिड कारों के आयात को अगले कुछ वर्षों में आधा करने पर समझौता हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान के कप्तान साहिबजादा फरहान ने तोड़ा अभिषेक शर्मा का रिकॉर्ड

नई दिल्ली । पाकिस्तान के कप्तान साहिबजादा फरहान ने भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का एक बड़ा टी20 रिकॉर्ड तोड़ दिया है। फरहान ने अभिषेक को पीछे छोड़ते हुए एक नई उपलब्धि अपने नाम की है। पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच हाल ही में तीन टी20 मैचों की सीरीज खेली गई। पाकिस्तान ने ये सीरीज 2–1 से जीती। साहिबजादा फरहान के लिए कप्तानी के साथ ही बतौर बल्लेबाज भी श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज यादगार रही है। फरहान ने तीनों ही मैचों में अर्धशतक लगाते हुए 238 रन बनाए और तीन टी20 मैचों की सीरीज में सबसे ज्यादा

रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। पिछला रिकॉर्ड भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के नाम था। अभिषेक ने अफगानिस्तान के खिलाफ हाल ही में खेली गई तीन टी20 मैचों की सीरीज में 229 रन बनाए थे। इस सूची में तीसरे नंबर पर न्यूजीलैंड के कोलिन मुनरो हैं। मुनरो ने 2023–24 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 3 टी20 मैचों की सीरीज में 223 रन बनाए थे। चौथे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर हैं। वॉर्नर ने 2019 में श्रीलंका के खिलाफ 217 रन बनाए थे। पांचवें स्थान पर अफगानिस्तान के हजरतुल्लाह जजई हैं। जजई ने 2019 में आयरलैंड के खिलाफ 204 रन बनाए थे।

बांग्लादेश टेस्ट सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम की घोषणा, विकम को मौका

एंटीगुआ । बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए वेस्टइंडीज की 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी गई है। रोस्टन चेस की कप्तानी वाली टीम में केविन विकम को पहली बार मौका दिया गया है। सीरीज का पहला टेस्ट 28 अक्टूबर से मीरपुर में और दूसरा 5 नवंबर को सिलहट में शुरू होगा। केविन विकम को 2026 वेस्टइंडीज चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। 23 साल के इस बल्लेबाज ने चैंपियनशिप में लगातार तीन

शतकीय पारियां खेली थीं। 25 प्रथम श्रेणी मैचों में 40 से ऊपर की औसत से रन बनाने वाले केविन 6 शतक लगा चुके हैं। वह मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाज हैं। व्हाइट–बॉल टीम के कप्तान शाई होप को आराम दिया गया है। तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ को रूटीन मेडिकल जांच और विशेषज्ञों की सलाह के बाद सीरीज से हटा दिया गया है। जोसेफ की सहमति से, क्रिकेट वेस्टइंडीज ने उनके वर्कलोड को मैनेज करने का फैसला किया है। हालांकि, वह छोटे फॉर्मेट में टीम का हिस्सा हैं। ऑलराउंडर कीमो पॉल को सीरीज के लिए जोसेफ की जगह बुलाया गया है। जॉन कैंपबेल ने हैमस्ट्रिंग इंजरी से रिकवर करते हुए टीम में वापसी की है। इसके अलावा, गर्मियों में श्रीलंका को हराने और पाकिस्तान के साथ ड्रॉ खेलने वाली स्क्वाड में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

राफेल जोडर का शानदार प्रदर्शन जारी

शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले बने दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी

शंघाई । राफेल जोडर ने शानदार जुझारूपन दिखाते हुए लगातार तीसरे मैच में एक सेट गंवाने के बाद वापसी की और शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। यह टूर्नामेंट इस सीजन के सबसे बड़े एटीपी मास्टर्स 1000 आयोजनों में से एक है। 20 वर्षीय जोडर ने नीदरलैंड्स के बोटिक वैन डी जैंडशल्प को 2 घंटे 30 मिनट तक चले मुकाबले में 6–7(4), 6–4, 6–2 से हराया। पहला सेट हारने के बाद उन्होंने शानदार वापसी की और अगले दो सेट जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ जोडर शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। शंघाई मास्टर्स के इतिहास में सबसे युवा क्वार्टर फाइनलिस्ट जैकब मेन्सिक हैं, जो 19 साल की उम्र में शंघाई मास्टर्स 2024 में अपने पहले एटीपी मास्टर्स 1000 क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे। वैन डी जैंडशल्प ने मैच की शानदार शुरुआत की और पहले सेट में मिले दोनों ब्रेक प्वाइंट बचाए। इसके बाद उन्होंने टाई–ब्रेक में बेहतरीन खेल दिखाते हुए शुरुआती बढ़त हासिल कर ली। हालांकि, राफेल जोडर ने हार नहीं मानी और दूसरे सेट से अपनी लय पकड़नी शुरू की। धीरे–धीरे उन्होंने मैच पर नियंत्रण बना लिया और शानदार वापसी करते हुए क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। एटीपी टूर की रिपोर्ट के अनुसार, यह उनका शंघाई में पहला टूर्नामेंट था।

इस जीत के साथ एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालिफाई करने की उनकी उम्मीदें भी मजबूत हो गई हैं। 20 वर्षीय जोडर एटीपी टूर पर अपना पहला पूरा सीजन खेल रहे हैं और इस साल उनका जीत–हार का रिकॉर्ड 41–16 हो गया है।

पुरुष हॉकी टीम का ऐलान

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए कृष्ण पाठक की वापसी

नई दिल्ली । हॉकी इंडिया ने मंगलवार को पंजाब में होने वाली 'एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026' के लिए भारतीय पुरुष टीम की घोषणा कर दी है। यह टूर्नामेंट 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक जालंधर और मोहाली में खेला जाएगा। कप्तान हरमनप्रीत सिंह टीम की कमान संभालेंगे। उन्होंने जापान में हुए एशियन गेम्स में भारत को ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जिताया था, जहां टीम ने पहली बार अपने महाद्विपीय खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। टीम में उन खिलाड़ियों को बरकरार रखा गया है, जिन्होंने एशियन गेम्स में सफलता दिलाई थी।

इससे निरंतरता बनी रहेगी, क्योंकि भारत घरेलू मैदान पर एशिया के प्रमुख हॉकी देशों का सामना करने की तैयारी कर रहा है। गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक की वापसी हुई है, जबकि युवा डिफेंडर अमनदीप लकरा और मिडफील्डर आदित्य अर्जुन लालागे को सीनियर टीम में अपनी जगह मजबूत करने का एक और मौका मिला है। 18 सदस्यीय प्लेइंग स्क्वाड के अलावा मिडफील्डर विष्णु कांत सिंह और फॉरवर्ड अंगद बीर सिंह को दो रिजर्व खिलाड़ियों के तौर पर चुना

गया है। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, 'पंजाब में एसीटी खेलना कुछ खास होगा। इस टीम में युवा जोश और अनुभव का मेल है, और हम घरेलू दर्शकों के उत्साह का लाभ उठाने के लिए बेताब हैं। भारत में टूर्नामेंट खेलने जैसा कुछ नहीं है, और हमने इसे बहुत मिस किया है।'

यह टूर्नामेंट खास महत्व रखता है, क्योंकि इससे पंजाब में इंटरनेशनल हॉकी की वापसी हो रही है। इस राज्य ने खेल में बहुत बड़ा योगदान दिया है और कई पीढ़ियों तक शानदार खिलाड़ी दिए हैं।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम

● **गोलकीपर :** सूरज करकेरा, कृष्ण बहादुर पाठक ● **डिफेंडर :** संजय, हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, जरमनप्रीत सिंह, अमनदीप लकरा ● **मिडफील्डर :** राजिंदर सिंह, आदित्य अर्जुन लालागे, नीलकंठ शर्मा, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह ● **फॉरवर्ड :** शिलानंद लकरा, अभिषेक, सुखजीत सिंह, दिलप्रीत सिंह, मनदीप सिंह ● **रिजर्व/रिप्लेसमेंट खिलाड़ी :** विष्णु कांत सिंह, अंगद बीर सिंह

हरमनप्रीत बोले-पहली बार मेरे पिता मुझे देखेंगे लाइव खेलते

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा है कि मेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 भारतीय टीम के लिए एक खास अवसर है। यह टूर्नामेंट 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक पंजाब में खेला जाएगा और इसके साथ ही राज्य में अंतरराष्ट्रीय हॉकी की वापसी होगी। भारत इस छह टीमों वाले टूर्नामेंट में मलेशिया, साउथ कोरिया, चीन, जापान और बांग्लादेश के साथ मुकाबला करेगा। टूर्नामेंट का आयोजन जालंधर और मोहाली में किया जाएगा। 2023 में चेन्नई में आयोजन के बाद यह दूसरी बार होगा जब भारत पुरुषों की एशियन चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करेगा। हरमनप्रीत के लिए इस टूर्नामेंट का खास महत्व है क्योंकि भारतीय कप्तान को अपने गृह राज्य में परिवार के सदस्यों के सामने इंटरनेशनल मैच खेलने का मौका मिलेगा। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, 'यह पूरी टीम के लिए खासकर पंजाब के खिलाड़ियों के लिए एक खास मौका होगा क्योंकि यह पहली बार है जब हम पंजाब में किसी इंटरनेशनल टूर्नामेंट में भारत की जर्सी पहनकर खेलेंगे।'

हरमनप्रीत ने कहा, 'उम्मीद है कि मेरा पूरा परिवार स्टेडियम में मौजूद रहेगा और पहली बार मुझे एक साथ इंटरनेशनल मैच खेलते हुए देखेगा। इसमें मेरे पिता भी शामिल होंगे, जिन्होंने मुझे कभी स्टेडियम में बैठकर देश के लिए खेलते हुए नहीं देखा है।' हरमनप्रीत देश के पहले ऐसे कप्तान हैं जिन्होंने लगातार दो एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने वाली टीम का नेतृत्व किया है।

इस टूर्नामेंट से भारतीय हॉकी में पंजाब के लंबे समय से चले आ रहे योगदान पर भी ध्यान केंद्रित होने की उम्मीद है। ग्रासरूट अकादमियों और गांवों के खेल के मैदानों से लेकर इंटरनेशनल मंच तक, इस राज्य ने देश के कुछ सबसे मशहूर खिलाड़ी दिए हैं, जिनमें उधम सिंह, बलबीर सिंह सीनियर, मनप्रीत सिंह और खुद हरमनप्रीत सिंह शामिल हैं।

खासकर जालंधर का इस खेल के इतिहास से गहरा नाता रहा है, जहां संसारपुर और मीठापुर जैसे इलाकों में हॉकी खेलने वाले समुदायों ने कई पीढ़ियों तक प्रतिभाओं को निखारा है। बर्ल्टन पार्क स्थित ओलंपियन सुरजीत सिंह हॉकी स्टेडियम में 27 अक्टूबर से 2 नवंबर तक ओपनिंग सेरेमनी और लीग–स्टेज के मैच होंगे।

बर्थडे स्पेशल

75 और 97 ही नहीं गौतम गंभीर की 137 रन की पारी भी थी यादगार

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के मौजूदा हेड कोच गौतम गंभीर बतौर क्रिकेटर भी टीम इंडिया के लिए बेहद सफल रहे हैं। अपने समय के बेहतरीन ओपनर रहे गंभीर के करियर की सबसे यादगार पारियों में टी20 विश्व कप 2007 के फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ 75 और वनडे विश्व कप 2011 के फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ खेली 97 रन की मैच-विजयी पारियां हमेशा अहम रहेंगी, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में भी गंभीर ने ऐसी कई पारियां खेली हैं, जो बतौर बल्लेबाज उनकी संपूर्णता का उदाहरण हैं।

गौतम गंभीर ने अपने टेस्ट करियर में देश और विदेश में कई प्रशंसनीय पारियां खेली हैं, लेकिन न्यूजीलैंड के नेपियर में 2009 में खेली गई 137 रन की पारी उनके टेस्ट करियर की सबसे अद्भुत और बेहतरीन पारी मानी जाती है। गंभीर की उस पारी ने भारत को हार से बचाया था।

हमने बहुत गलतियां की, जिसका खामियाजा भुगतना पड़ा: हैरी केन

स्टावांगर । बेयर्न म्यूनिख के स्ट्राइकर हैरी केन ने टीम की रक्षात्मक गलतियों पर निराशा जताई है। यूईएफए चैंपियंस लीग के ग्रुप स्टेज मुकाबले में बेयर्न म्यूनिख को वाइकिंग एफके के खिलाफ 3-3 से ड्रॉ खेलना पड़ा, जबकि टीम ने दो गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए बढ़त हासिल कर ली थी। केन ने दूसरे हाफ में दो गोल दागे, जिससे बेयर्न ने 2-0 से पिछड़ने के बाद मैच में वापसी की। इसके बाद लुइस डियाज ने गोल करके टीम को बढ़त भी दिला दी। हालांकि, माइकल ओलिस को रेड कार्ड मिलने के बाद मुकाबले का रुख बदल गया और बेयर्न को अंतिम समय में दबाव झेलना पड़ा। इसका फायदा उठाते हुए वाइकिंग एफके के हरमन हॉगेन ने मैच के अंतिम चरण में बराबरी का गोल कर दिया, जिससे मुकाबला 3-3 से ड्रॉ पर समाप्त हुआ और दोनों टीमों को एक-एक अंक मिला। नतीजे पर प्रतिक्रिया देते हुए केन ने कहा कि पहले हाफ में टीम संघर्ष करती दिखी, लेकिन ब्रेक के बाद खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। उनके मुताबिक, दूसरे हाफ में बेयर्न ने इतना अच्छा खेल दिखाया कि वह मैच जीत सकता था। हालांकि, रेड कार्ड और बाद की रक्षात्मक चूक के कारण टीम अपनी बढ़त कायम नहीं रख सकी और जीत हाथ से निकल गई।

मैच के बाद केन ने कहा, 'पहला हाफ हमारे लिए खराब रहा। हमने दूसरे हाफ में बहुत बेहतर खेल दिखाया। हम बेहतर टीम थे, मौके बनाए और खेल को 3-2 से अपने पक्ष में कर लिया था। फिर रेड कार्ड ने जाहिर तौर पर सब कुछ बदल दिया, खासकर आखिरी 15 से 20 मिनट में। हमने एक अच्छी टीम के खिलाफ बहुत सारी आसान गलतियां कीं।

आईसीसी रैंकिंग

एनाबेल सदरलैंड और मेगन शट को मिला दमदार प्रदर्शन का इनाम

दुबई । बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम की शानदार शुरुआत का असर ताजा आईसीसी महिला वनडे रैंकिंग में भी देखने को मिला है। एलिस पेरी बल्लेबाजों की टॉप 10 सूची में वापस आ गई हैं, जबकि एनाबेल सदरलैंड और मेगन शट गेंदबाजी रैंकिंग में टॉप पांच में पहुंच गई हैं। ऑस्ट्रेलिया तीन मैचों की सीरीज में 2–0 से आगे है। यह सीरीज आईसीसी महिला चैंपियनशिप का हिस्सा है और ब्रिस्बेन में खेले गए शुरुआती दो मैचों में कई खिलाड़ियों ने अहम योगदान दिया है। एलन बॉर्डर फील्ड में खेले गए पहले वनडे में सदरलैंड का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने चार विकेट लिए और फिर नाबाद 25 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाई।

चैंपियंस लीग: बार्सिलोना ने गैलाटसराय को 4-1 से हराया

बायर्न म्यूनिख और वाइकिंग का मैच ड्रॉ रहा

इस्तांबुल । बार्सिलोना ने चैंपियंस लीग में अपने अभियान की शानदार शुरुआत को जारी रखते हुए यूरोप के सबसे खतरनाक मैदानों में से एक आरएएमएस पार्क में गैलाटसराय को 4-1 से हरा दिया। वहीं बायर्न म्यूनिख को नॉर्वे में वाइकिंग एफके ने 3-3 से ड्रॉ पर रोककर बड़ा उलटफेर किया। इस्तांबुल में खेले गए मैच में मेजबान गैलाटसराय ने तेज शुरुआत की। अलेक्सई बत्राकोव के डिफ्लेक्टेड शॉट से गैलाटसराय ने बढ़त ले ली और पहले हाफ में बार्सा दबाव में दिखा। लेकिन हाफटाइम से ठीक पहले जोआओ कैंसेलो ने सूझबूझ भरी फिनिश से स्कोर 1-1 कर दिया।

दूसरे हाफ में बार्सिलोना पूरी तरह बदल गया। कोच हांसी फ्लिक की टीम ने इंटरवल के बाद सिर्फ तीन मिनट में दो गोल दागकर मैच अपने काबू में कर लिया। पहले लैमिन यामल ने शानदार खेल दिखाते हुए फर्मिन लोपेज के लिए सटीक पास दिया, जिस पर लोपेज ने हेडर से गोल किया। इसके तुरंत बाद यामल ने ही एंथनी गॉर्डन को गोल के लिए असिस्ट किया। मैच के आखिरी हिस्से में सब्स्टीट्यूट करीम अदेयेमी ने एक शानदार स्ट्राइक से चौथा गोल कर बार्सा की जीत पर मुहर लगा दी। इस जीत से बार्सिलोना ने लीग फेज में लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

आर्सेनल ने लिली को 3-0 से हराया 7 मिनट में दागे तीनों गोल

नई दिल्ली । आर्सेनल ने चैंपियंस लीग में अपने शानदार फॉर्म को जारी रखते हुए लिली पर 3–0 से जीत हासिल की। आर्सेनल ने दूसरे हाफ के सिर्फ सात मिनट में तीन गोल करते हुए करिश्माई अंदाज में मैच अपने नाम किया। टीम की इस सीजन के लीग फेज में यह दूसरी जीत थी। फ्रेंच टीम लिली ने पहले 45 मिनट में आर्सेनल को बांधे रखा और डिफेंस में कोई बड़ी चूक नहीं की। लेकिन हाफ टाइम के बाद आर्सेनल ने अपना दबाव कई गुना बढ़ा दिया। दूसरे हाफ के शुरुआती 15 मिनट में लिली को अपने हाफ से निकलने का मौका तक नहीं मिला। आखिरकार 64वें मिनट में गतिरोध टूटा। जुरियन टिम्बर ने शानदार व्यक्तिगत गोल किया। इस गोल के तीन मिनट बाद ही आर्सेनल ने बढ़त दोगुनी कर दी। एक बार फिर टिम्बर ने हाई प्रेस करके गेंद जीती। मार्टिन ओडेगार्ड ने गेंद को आगे बढ़ाया और फिर बुकायो साका के जरिए गेंद एबेरे एजे के पास पहुंची, जिन्होंने बॉक्स के अंदर से सटीक फिनिश किया। 71वें मिनट में आर्सेनल ने तीसरा गोल करते हुए मैच पूरी तरह अपने पक्ष में कर लिया। यह गोल तीनों सब्स्टीट्यूट का कमाल था। काई हैवर्ट्ज, ओडेगार्ड और साका के बीच शानदार वन–टू हुआ। हैवर्ट्ज ने गेंद साका को लौटाई और साका ने ठंडे दिमाग से गेंद को नीचे के कोने में स्लाइड कर दिया।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। विद्यार्थियों को लाभ। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-6-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-3-4-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। संतान की उन्नति के योग हैं। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-4-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
पुराने मित्र से मिलन होगा। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। व्यापार में वृद्धि होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। शुभांक-4-2-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-6-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-3-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। किसी कार्य विशेष के लिए यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-6-7-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। काम पर पैनी नजर रखिए। सब्र का फल मीठा होता है अतः धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। शुभांक-2-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सफलता मिलेगी। शुभांक-3-7-8

काकुरो पहेली - 4039

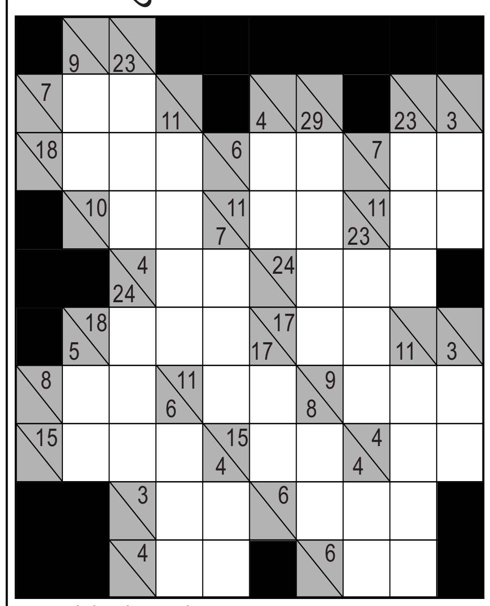

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 4038 का हल

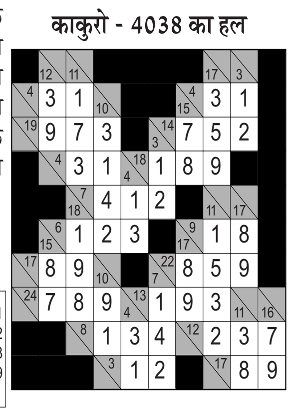

लॉफिंग ज़ोन

एक ऐसी युवती थी, जिसका कभी किसी से कोई रोमांस नहीं हुआ था। एक दिन उसने रोमांटिक ख्वाब देखा- जब वह गार्डन में घूम रही थी, तभी एक सुंदर युवक ने साड़ी के पीछे छुपकर उससे लिपट गया। वह भागी लेकिन एक घने पेड़ की मधुर छाया में तरुण ने उसे पकड़ लिया।

तुम-तुम क्या करने जा रहे हो? वह हकबकाई।

शैतानी से मुस्कराकर युवक बोला- तुम बताओ। यह तुम्हारा सपना है।

□ □ □

अखबार पढ़ते प्रेमी को प्रेमिका ने पीछे से जोरदार घूँसा मारा। इस पर प्रेमी ने कहा –क्या हुआ, प्रिया?

प्रेमिका- तुम्हारी शर्ट की जेब में एक कागज मिला था जिस पर मेरी (लड़की का नाम) लिखा हुआ था।

प्रेमी- अरे नहीं प्रिये, तुम्हें याद है पिछले सप्ताह मैं ट्रेकिंग पर गया था। मैंने घोड़े की सवारी की थी। मेरी उसी घोड़े का नाम है।

अगले दिन प्रेमिका ने फिर जोरदार घूँसा मारा।

प्रेमी- अब क्या हुआ प्रिये?

प्रेमिका – तुम्हारे घोड़े का फोन आया था।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 4039

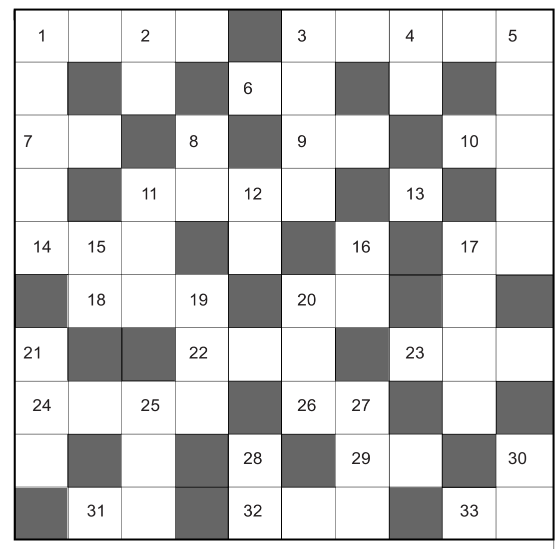

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, अक्षय, करिश्मा की 'दिल लगाने की' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'आते आते तेरी' गीत वाली संजयदत्त, अनिताराज की फिल्म-२,१,२
६. दिलीपकुमार, निम्मी की 'आग लगी तन मन में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'धक धक करने लगा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-२
९. 'कमसिन कली हूँ' गीतवाली फिल्म-२
१०. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की रामगोपाल वर्मा निर्देशित फिल्म-२
११. राजेश खन्ना, शबाना की 'दिन महीने साल' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'उगंली में अंगूठी' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१
१४. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'दोस्तों तुम सबको' गीतवाली अनिल, जैकी, टीना, हेमा की फिल्म-२
१८. नायक सुनीलदत्त वाली फिल्म 'मिलन' की नायिका कौन थी-३
२०. 'सनी' में अमुता सिंह का नायक-२
२२. अशोक, मधुबाला की 'मुश्किल है बहुत मुश्किल' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' गीत वाली संजयदत्त, अनिताराज की फिल्म-३
२४. सुनील शेट्टी, रवीना टंडन की 'बप्पा मोरिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. 'ऐ दिल कहाँ तेरी मंजिल' गीतवाली देव आनंद, माला की फिल्म-२
२९. दीनो मोरिया, बिपाशा बसु की 'तुम अगर सामने' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिरोज खान, संजय, मुमताज की फिल्म-२
३२. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या की 'तेरी उम्मीद तेरा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'मेरा कँगना झाँझर चूड़ी' गीत वाली सुनील शेट्टी, रंभा की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, रेखा की 'मैं ने कह दी तूने सुन ली' गीत वाली फिल्म-२,३
२. 'दिलबर दिलबर' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा, करिश्मा की फिल्म-२
३. 'सच कहते हैं हम' गीत वाली अक्षय कुमार, करिश्मा की फिल्म-४
४. 'तेरा जादू चल गया' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-२
५. 'सुन सजना तेरे' गीत वाली मिथुन, जयाप्रदा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-५
८. सलमान खान, रेवती की 'साथिया तूने क्या किया' गीत वाली फिल्म-२
११. फिल्म 'कालीचरण' में 'लॉयन' के नाम से कौन प्रसिद्ध हुआ-३
१२. 'इस टूट दिल की पीर' गीतवाली फिल्म-२
१५. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
१६. फिल्म 'प्यार दिवाना होता है' में गोविंदा के साथ नायिका -२
१७. मिथुन, संगीता बिजलानी की 'नाले नाले मैं चली' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
२०. फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
२१. १९४२ ए लव स्टोरी' के गीत 'क्यों नये लग रहे हैं' की गायिका कौन?-३
२५. फिल्म 'अमर प्रेम' में नायिका कौन थी-३
२७. 'छू कर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
२८. धर्मेन्द्र, सायरा 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
३०. संजय खान, डैनी, जीनत की 'उलझन सुलझे ना' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 4038

सूडोकु -4039

	8			6				
					5			
		9				7		3
	1			8				2
			7		4			
6				3			8	
5		7				4		
			8					
				1			6	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4038 का हल

9	4	5	3	1	8	7	6	2
1	8	6	7	2	5	4	9	3
2	7	3	9	4	6	8	1	5
6	3	9	1	7	4	2	5	8
5	2	4	8	9	3	6	7	1
7	1	8	6	5	2	9	3	4
4	6	7	5	8	1	3	2	9
8	9	1	2	3	7	5	4	6
3	5	2	4	6	9	1	8	7

शब्द पहेली - 4039

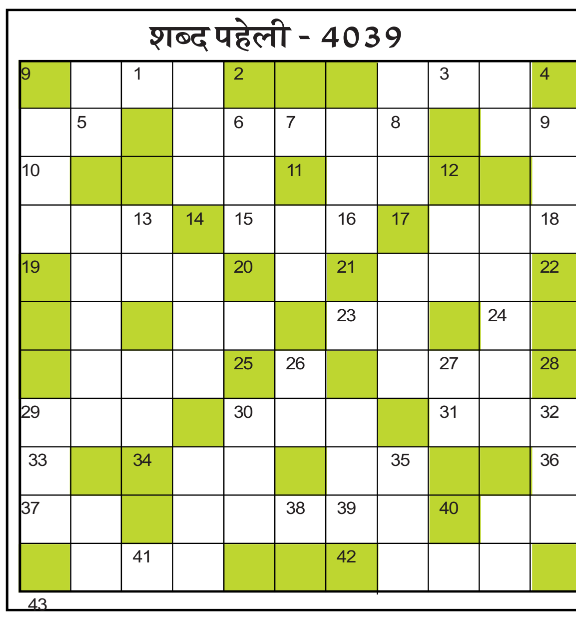

बाएँ से दाएँ

1.ईश्वर,करतार-3
3.मुस्कुराहट-3
5.ईख-2
6.रजनीगंधा -2,1,2
9.समुद्र तट (अंग्रेजी-2)
11.ताकत,दम-2
12.अमिताभ व किमी काटकर की फिल्म-2
13.वेतन,पगार-3
16.मनोनीत,नामकृत-3
18.बंधक,गिरवी वस्तु-3
20.निशा,रात्री-3
22.वचन,प्रतिज्ञा-3
23.श्रीनगर की झील-2
24.मूल्य,कीमत-2
25.असावधान-3
28.धिक्कार,फटकार-3
30.हवा,पवन-3
31.झाझर,कुंभ-3
33.चिंतन-3
35.संस्कृत में मेरा-2
36.मादा का विलोम-2
38.कुबेर,भूत-2
40.परोपकारी,जितेंद्र की एक फिल्म-5
41.फलों का राजा-2
42.फूल चुननेवाली-3
43.घोड़ों की देखभाल करनेवाला-3

ऊपर से नीचे

1.तमिल भाषा में बड़ा भाई-2
2.बेकार-3
3.दीवान,खजांची-3
4.पैगंबर,रसूल-2
5.झूठ,मिथ्या -3
7.तेल में पकाना-3
8.आराम,मदद-3
10.गुलिस्ता-3
14.नरकभोगी-5
15.खुजली-2
17.सखा,दोस्त-2
18.मजा,आनंद-2
19.स्वदेशवासी-5
21.सुई (अंग्रेजी-3)
22.विष्णुप्रिया-3
26.पुनः,वापस-2
27.मर्करी,पारद-2
29.भीगा हुआ-2
30.वक्त,टाईम-3
31.अच्छी बुद्धि-3
32.निम्नता-3
34.मुलायम-3
35.बड़ा,विशाल-3
37.धनवान-3
39.माफी-2
41.उम्मीद-2

शब्द पहेली -4038 का हल

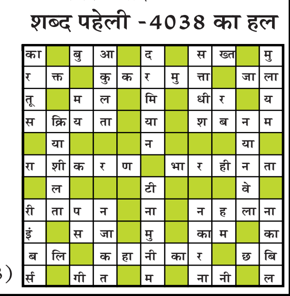

रेसिपी

ऑलिव सैलेड

सामग्री

- काले एवं हरे ऑलिव्स: 200 ग्राम
- 2 नींबू के छिलके
- 2 पतली स्लाइसेज में कटे नींबू
- 2 तेज पत्ता
- ऑलिव ऑयल: 1 कप
- सौंफ: 1.5 टीस्पून
- काली मिर्च पाउडर या ऑरेगेनो: 1 टेबलस्पून
- नमक
- कुछ पुदीना

विधि

ऑलिव्स को अच्छी तरह धोकर साफ करें। किसी कपड़े पर फैला दें और पानी सूखने दें। सॉसपैन में सौंफ डालकर तीन मिनट तक भूनें। अब इसमें नींबू के छिलके एवं स्लाइसेज में कटा नींबू डालें। अब तेज पत्ता तोड़कर डालें। इसमें अब ऑलिव्स डालकर चलाएं। ऑलिव ऑयल और ऑरेगेनो डालें। इसे तीन मिनट तक धीमी आंच पर पकने दें। ऊपर से नमक डालकर दोबारा मिलाएं। ऑलिव सैलेड को बोल में निकालें। ध्यान रखें, इसे हलका गर्म ही सर्व करें।

पनीर टिक्का

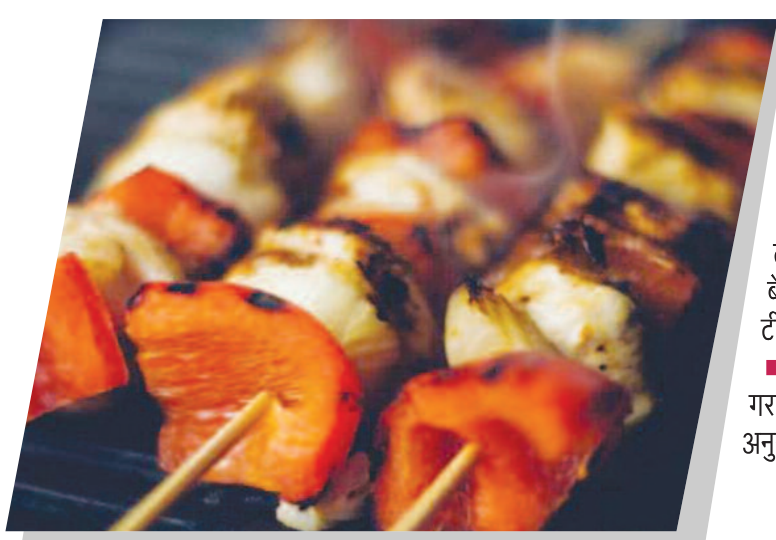

सामग्री

■ पनीर: 750 ग्राम ■ पालक का पेस्ट: 1 कप ■ हंग कर्ड: 1 कप ■ जीरा पाउडर: 1 टीस्पून ■ काजू का पेस्ट: 1 टीस्पून ■ भुना बेसन: 3 टेबलस्पून ■ हरी मिर्च का पेस्ट: 1 टीस्पून ■ अदरक-लहुसन का पेस्ट: 3 टीस्पून ■ ऑयल: 2 टेबलस्पून ■ 1 नींबू का रस ■ गरम मसाला: 1 टीस्पून ■ नमक: स्वाद के अनुसार

विधि

मैरिनेशन के लिए एक बोल में हंग कर्ड, गरम मसाला, अदरक-लहुसन का पेस्ट और काजू का पेस्ट डालकर अच्छी तरह मिलाएं। अब इसमें पालक का पेस्ट डालें। पनीर को मोटे स्लाइसेज में काटें और इस मिक्सर में अच्छी तरह लपेटें। इसे आधे घंटे के लिए मैरिनेट होने दें। अब इसे ग्रिल पैन में दोनों ओर से सुनहरा होने तक सेंक लें। प्लेट में पनीर टिक्का को निकालें और ऊपर से नींबू का रस डालकर सर्व करें।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR & Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	- 50%	Island Position	- 50%	Strip Advt.	- 15%
Front Page (Solus)	- 75%	Right Hand Page	- 10%	Political Advt.	- 50%
Back Page	- 25%	Top of AD Column	- 15%	Pull Outs	- 50%
Page Three	- 20%	Any Other Spl. Position	- 10%	Discount as per deal	

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

मणि रत्नम के साथ काम करना जिंदगी बदलने वाला अनुभव

अभिनेत्री अदिति राव हैदरी के लिए कला का मतलब सिर्फ अभिनय या फैशन तक सीमित नहीं है। उनके लिए यह खुद को पहचानने, अपनी सहज प्रवृत्ति पर भरोसा करने और हर नए अनुभव से कुछ सीखने का सफर है। बचपन के सपनों से लेकर अपने करियर को नई दिशा देने वाले फिल्मकारों तक, अदिति ने हमेशा अपने भीतर की जिज्ञासा को जिंदा रखने की कोशिश की है।

फेमिना के सितंबर-अक्टूबर 2026 अंक की कवर स्टोरी में अदिति ने सिनेमा, फैशन, अपनी कलात्मक पहचान और निजी भावनाओं को पर्दे पर उतारने के अनुभवों पर खुलकर बात की है। उन्होंने यह भी बताया कि उनके जीवन में परिवार की सीख और फिल्मकार मणि रत्नम के साथ काम करने के अनुभव ने कितनी अहम भूमिका निभाई है।

अदिति की कलात्मक सोच को आकार देने में उनके परिवार और बचपन के माहौल का बड़ा योगदान रहा है। वह बताती हैं कि उनकी मां की एक सीख आज भी उनके साथ है। अदिति के मुताबिक, उनकी मां ने उनसे कहा था, 'अगर आप सच में एक कलाकार हैं, तो कोई आपको कमतर नहीं आंक सकता। जिंदगी में उतार-चढ़ाव आते रहेंगे, लेकिन सृजन करने की क्षमता आपके भीतर होती है। यही आपका सबसे बड़ा उपहार है, इरादे और प्रेम के साथ लगातार कुछ नया रचते रहना।' अदिति के लिए यह विचार उनके काम का मूल आधार है। वह अपने करियर को सिर्फ उपलब्धियों के तराजू पर नहीं तौलतीं, बल्कि इस बात को भी अहम मानती हैं कि वह अपने काम के जरिए क्या नया सीख रही हैं और किस तरह अपनी रचनात्मकता को आगे बढ़ा रही हैं।

अतीत से ज्यादा भविष्य को लेकर उत्सुक हैं अदिति

अपने करियर में कई यादगार भूमिकाएं और महत्वपूर्ण सहयोग करने के बावजूद अदिति पीछे मुड़कर देखने के बजाय वर्तमान में जीना पसंद करती हैं। वह कहती हैं, 'मैं शायद ही कभी पीछे मुड़कर देखती हूं। मैं वर्तमान में जीना चाहती हूं, उससे सीखना और उसका जश्न मनाना चाहती हूं। मैं भविष्य को लेकर उत्सुक हूं।' उनकी यह सोच बताती है कि वह पुरानी सफलताओं में उलझे रहने के बजाय नए अनुभवों और संभावनाओं के लिए खुद को खुला रखना चाहती हैं।

अदिति के दिल में फिल्मकार मणि रत्नम की फिल्मों के लिए खास जगह रही है। वह उनकी फिल्में देखकर इतनी प्रभावित हुई थीं कि बचपन में उन्हीं की फिल्मों की नायिका बनने का सपना देखने लगी थीं। जब उन्हें उनके साथ काम करने का अवसर मिला, तो यह अनुभव उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा था। अदिति कहती हैं, 'मणि रत्नम के साथ काम करने ने मेरी जिंदगी को हर तरह से बदल दिया। इससे मुझे अपने सपनों पर विश्वास हुआ। मुझे महसूस हुआ कि मुझे समझा और पहचाना जा रहा है। इस अनुभव ने मुझे अपने भीतर के उस जिज्ञासु पांच साल के बच्चे को सहजता से स्वीकार करने का साहस दिया।' उनकी बातों से साफ है कि इस सहयोग ने सिर्फ उनके पेशेवर सफर को ही नहीं, बल्कि खुद को देखने और समझने के नजरिए को भी प्रभावित किया।

कैमरे के सामने अपनी निजी भावनाएं खोलना आसान नहीं

अभिनय की दुनिया में कलाकारों को कई बार ऐसी भावनाएं पर्दे पर दिखानी पड़ती हैं, जिन्हें वे अपनी निजी जिंदगी में दूसरों से साझा नहीं करते। अदिति भी इस अनुभव को दिलचस्प और संवेदनशील मानती हैं। वह कहती हैं, 'मुझे यह बात दिलचस्प लगती है कि फिल्म की शूटिंग के दौरान हम अपने दिल और दिमाग के बेहद संवेदनशील हिस्सों को सामने लाते हैं और फिर उन्हें पूरी दुनिया के साथ साझा कर देते हैं। गुस्सा, आंसू, प्यार और ऐसी ही कई भावनाएं हम अपनी निजी जिंदगी में बहुत संभालकर रखते हैं, लेकिन कैमरे के सामने उन्हें जाहिर कर देते हैं।' अदिति के मुताबिक, अभिनय की यही प्रक्रिया कलाकार को अपनी भावनाओं के उन पहलुओं से रूबरू कराती है, जिन्हें आमतौर पर वह निजी दायरे में ही रखना पसंद करता है।

मां बनने के बाद अब ये ध्यान में रखकर चुनती हैं फिल्में

श्रिया सरन ने हाल ही में 'दृश्यम' के मेकर्स की तारीफ की है। एक्ट्रेस ने बताया कि नई मां होने के नाते फिल्म की टीम ने उनकी जरूरतों का खास ध्यान रखा। इसके अलावा मां बनने के बाद अब वो फिल्में क्या सोचकर चुनती हैं? इस पर भी एक्ट्रेस ने खुलासा किया है।

वे मेरे लिए बहुत सपोर्टिव थे

बातचीत में श्रिया ने बताया कि जब उन्होंने 'दृश्यम 2' की शूटिंग की थी, तब उनकी बेटी सिर्फ 8 महीने की थी। वहीं, 'दृश्यम 3' के समय उनकी बेटी थोड़ी बड़ी हो चुकी है। एक्ट्रेस ने कहा, 'जब मैंने 'दृश्यम 2' की थी, तब मेरी बेटी 8 महीने की थी। और पार्ट 3 में, जाहिर है, वह बड़ी हो गई है। लेकिन टीम बहुत सपोर्टिव थी। शूटिंग के बाद वो मुझे पहले भेज देते थे, कई बार अजय सर से भी पहले, क्योंकि वे कहते थे कि वह नई मां हैं। वे बहुत दयालु और प्यारे हैं और मैं उनकी आभारी हूं।'

ये सोचकर करती हैं फिल्में

श्रिया ने यह भी बताया कि मां बनने के बाद फिल्मों को चुनने का उनका नजरिया बदल गया है। अब वह इस बात का भी ध्यान रखती हैं कि एक दिन उनकी बेटी उन्हें पर्दे पर देखेगी। उन्होंने कहा, 'हां, मुझे इसका ध्यान रखना पड़ता है। मैं अपनी बेटी के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताना चाहती हूं और ऐसी फिल्में करना चाहती हूं, जिन पर मुझे पता हो कि एक दिन मेरी बेटी को मुझ पर गर्व होगा। मैं चाहती हूं कि वह बड़ी होकर कहे, 'मामा, वह बहुत अच्छी फिल्म थी और मुझे खुशी है कि आपने यह फिल्म की।'

दंगल की इमेज में बंधना नहीं चाहती थी, हर किरदार नई शुरुआत जैसा है

फातिमा सना शेख हाल ही में जियोहॉटस्टार पर आई सीरीज 'हुंकार' में दिखीं। उनके मुताबिक, 'मॉडर्न लव मुंबई' से लेकर 'हुंकार' की जसलीन तक उनकी कोशिश खुद को किसी एक इमेज में सीमित न रखने की रही है। फातिमा के मुताबिक, 'दंगल' उनके करियर का अहम पड़ाव जरूर है, लेकिन वह उस फिल्म या गीता फोगाट की छवि को पकड़कर आगे नहीं बढ़ना चाहती थीं। हर नया किरदार उनके लिए एक नई शुरुआत है।

'दंगल' की गीता और 'हुंकार की जसलीन अलग हैं...

फातिमा कहती हैं... 'अगर मैं पिछले किरदार को पकड़कर चलूंगी तो मौजूदा किरदार नहीं कर पाऊंगी। एक्टर की उम्र, अनुभव और सोच बदलती रहती है। इसलिए हर नए किरदार के साथ खुद को फिर से ढालना जरूरी है। अलग-अलग किरदारों में एक जैसी सोच तलाशना एक्टिंग प्रोसेस को जेनेरिक बना सकता है। 'दंगल' की गीता और 'हुंकार' की जसलीन अलग दुनिया से आती हैं, इसलिए दोनों को एक नजर से देखना सही नहीं होगा। अगर हर किरदार को एक ही रंग में देखेंगे तो सब एक जैसे ही हो जाएंगे।'

किरदार को सिर्फ बाहर से ही जानना पर्याप्त नहीं...

फातिमा ने कहा...' हुंकार' में पुलिस अधिकारी के किरदार के लिए मैंने किसी खास पुलिस अफसर की बॉडी लैंग्वेज या व्यवहार को कॉपी नहीं किया। यहां मेरे लिए ज्यादा जरूरी था कि मैं यह समझें कि यह महिला किस तरह सोचती होगी। किसी किरदार को सिर्फ बाहर से पकड़ना मेरे लिए पर्याप्त नहीं है। उसकी थॉट प्रोसेस समझना जरूरी है। वह किसी परिस्थिति में क्यों वैसा फैसला लेती है, उसके अंदर क्या चल

रहा है, लोगों को किस तरह देखती है-इन सवालों के जवाब किरदार को भीतर से बनाने में मदद करते हैं।'

गीता के लिए मैंने एक रेसलर की बॉडी लैंग्वेज समझी थी

'दंगल' के लिए मैंने रियल लाइफ रेसलर गीता फोगाट से प्रेरणा नहीं ली बल्कि दूसरे रियल लाइफ रेस्लर से प्रेरण ली थी। मैंने गीता की बॉडी लैंग्वेज हूबहू कॉपी नहीं की। सामान्य तौर पर यह समझने की कोशिश की कि एक रेसलर की बॉडी लैंग्वेज कैसी होती है, क्योंकि स्वाभाविक रूप से खिलाड़ियों में कुछ चीजें कॉमन होती हैं। उनका उठना-बैठना, शरीर का इस्तेमाल, मूवमेंट और अपने शरीर को लेकर जागरूकता, इन सबको समझना जरूरी था। मेरे लिए यह किसी की नकल करने से ज्यादा उसकी दुनिया को समझना था।

मलयालम सिनेमा के महिला किरदार आकर्षित करते हैं...

फातिमा अलग-अलग रीजनल इंडस्ट्रीज में भी काम करना चाहती हैं। वे कहती हैं... 'खासतौर पर मुझे मलयालम सिनेमा के महिला किरदार आकर्षित करते हैं, क्योंकि उनमें महिलाओं की अपनी इच्छाएं, फैसले और नजरिया दिखाई देता है। मैं किसी भाषा के लिए नहीं, बल्कि अच्छी कहानी और चुनौतीपूर्ण किरदार के लिए दूसरी इंडस्ट्री में जाना चाहती हूं। मेरे लिए 'दंगल' जर्नी का महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन पूरी जर्नी नहीं। हर नया किरदार मेरे लिए फिर से नई शुरुआत है।'

अनीत पड्डा ने साझा किया साथ काम करने का अनुभव

हाल ही में बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार नाना पाटेकर का निधन हो गया। उनके निधन पर बॉलीवुड के कई सेलेब्स ने शोक जताया है। इस लिस्ट में अब 'सैयारा' फेम अभिनेत्री अनीत पड्डा का नाम जुड़ गया है। उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म 'शक्ति शालिनी' के साथी कलाकार नाना पाटेकर को याद किया है। उन्होंने एक भावुक पोस्ट लिखी और कलाकार से सीखी गई चीजों के बारे में बताया।

अनीत पड्डा ने नाना पाटेकर के साथ अपनी पहली मुलाकात को याद करते हुए लिखा, 'जब मैं पहली बार नाना पाटेकर सर से मिली, तो मैं मुश्किल से ही कुछ बोल पाई। मुझे लगता है कि मैं बस उस पल को महसूस कर रही थी। इतने ईमानदार, बेबाक और बिना किसी दिखावे के खुद जैसे रहने वाले व्यक्ति के सामने बैठना अपने आप में एक अनोखा अनुभव था।'

अभिनेत्री ने नाना की जिंदगी और सिनेमा को देखने के अनोखे नजरिए के बारे में भी बात की। उन्होंने लिखा 'वह ऐसे इंसान थे जिन्होंने अपनी शर्तों पर जिंदगी जी, शोहरत के शोर के बजाय सादगी को चुना और आपको याद दिलाया कि असल में कलाकार होने का क्या मतलब होता है। उन्हें बोलते हुए सुनना, काम करते हुए देखना और बस उनके आस-पास रहना, एक ऐसा सबक था जिसे मैं हमेशा अपने साथ रखूंगी।'

अनीत ने आगे लिखा, 'अपने करियर की शुरुआत में ही उनसे मिलना और फिर उनके साथ काम करना, ऐसी बात है जिसके लिए मैं हमेशा शुक्रगुजार रहूंगी। उन्हें बस देखते हुए ही मैंने बहुत कुछ सीखा और पीछे मुड़कर देखती हूं तो एहसास होता है कि वे पल कितने कीमती थे। उनकी आखिरी फिल्मों में से एक मेरे साथ थी, यह सोचकर आज भी मेरे पास शब्द नहीं होते। यह सब किसी सपने जैसा लगता है।'

'बंदिश बैंडिट्स' वाली तमन्ना शर्मा की बड़ी छलांग

'बंदिश बैंडिट्स' के दोनों सीजन में तमन्ना शर्मा के किरदार से दर्शकों का ध्यान खींचने वाली अभिनेत्री श्रेया चौधरी अब बड़े पर्दे पर एक नई शुरुआत करने जा रही हैं। खास बात यह है कि उनका यह थिएट्रिकल डेब्यू आयुष्मान खुराना के साथ होगा।

श्रेया और आयुष्मान जल्द ही फिल्म 'मुपापा' में स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे, जो 19 फरवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। 'मुपापा' में श्रेया के किरदार और कहानी को लेकर फिलहाल ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। मेकर्स ने फिल्म से जुड़ी ज्यादातर डिटेल्स को अभी सीक्रेट रखा है। ऐसे में श्रेया और आयुष्मान की जोड़ी को किस तरह की कहानी में दिखाया जाएगा, इसे लेकर दर्शकों की दिलचस्पी बनी हुई है। अभिनेत्री को वाईआरएफ टैलेंट ने एक्सक्लूसिव मैनेजमेंट के लिए साइन किया है। इसे उनके प्रोफेशनल सफर में एक नई शुरुआत के तौर पर देखा जा रहा है। श्रेया ने अब तक वेब सीरीज और फिल्मों में अलग-अलग तरह के किरदार निभाकर अपनी पहचान बनाई है और अब वह थिएट्रिकल फिल्मों की ओर आगे बढ़ रही हैं।

इंशाअल्लाह पर फिर शुरू हुआ काम

आलिया भट्ट और निर्देशक संजय लीला भंसाली एक बार फिर साथ काम करने की तैयारी में हैं। दोनों की पुरानी फिल्म 'इंशाअल्लाह' को नए सिरे से बनाने की योजना है। 2019 में सलमान खान के साथ इस फिल्म का ऐलान किया गया था, लेकिन बाद में प्रोजेक्ट आगे नहीं बढ़ सका। अब भंसाली इसकी कहानी और पटकथा में बड़े बदलाव कर इसे नए अंदाज में पेश करने की तैयारी कर रहे हैं। एक्ट्रेस और डायरेक्टर इससे पहले 'गंगूबाई काठियावाड़ी' में साथ काम कर चुके हैं।

संक्षिप्त समाचार

युद्धविराम के दावों के बीच यूक्रेन में रूस के हमले जारी, रिहायशी इमारत पर ड्रोन हमले में दो की मौत

कीव , एजेंसी। रूस ने सोमवार शाम एक बार फिर यूक्रेन पर घातक हमले किए। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बताया कि इन हमलों में दो लोगों की मौत हो गई जबकि नौ लोग घायल हुए हैं। उन्होंने एक बार फिर रूस पर और ज्यादा दबाव बनाने की बात दोहराई। एक तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस और यूक्रेन के बीच युद्धविराम की बात कह रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ रूस के हमले लगातार जारी हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, ''रूस लगातार हमारे लोगों के खिलाफ आतंक फैला रहा है। वह रिहायशी इमारतों पर हमले कर रहा है और लोगों की जान ले रहा है। सोमवार शाम के समय रूस ने कीव की एक ऊंची रिहायशी इमारत पर 'शाहेद' ड्रोन से हमला किया। अभी तक की जानकारी के अनुसार, इस हमले में दो लोगों की मौत हो चुकी है। मैं उनके परिवारों और करीबियों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। नौ लोग घायल हुए हैं। राहत और बचाव दल ने आग पर काबू पा लिया है।'' जेलेंस्की ने पोस्ट में आगे लिखा, ''यह एक और सबूत है कि रूस पर और ज्यादा दबाव बनाने की जरूरत है। लगातार क्रूर हमले वही कर रहा है। युद्ध को लंबा खींचने वाला भी वही है। यहां तक कि अमेरिका के प्रस्ताव के जवाब में भी रूस की ओर से 'शाहेद' ड्रोन हमले ही देखने को मिल रहे हैं। हमें उम्मीद है कि अमेरिका रूस की ओर से मिल रहे इन संकेतों को समझेगा और ठोस कदम उठाएगा। रूस को इस युद्ध को खत्म करने के लिए मजबूर करने के लिए मजबूती और सख्त कार्रवाई की जरूरत है।

एशिया दौरे पर किम जोंग-उन से मिल सकते हैं ट्रंप, आसियान और एपेक में लेंगे हिस्सा

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगले महीने एशिया दौरे के दौरान उनकी उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन से मुलाकात हो सकती है। व्हाइट हाउस में पत्रकार वार्ता में ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह इस यात्रा के दौरान किम से मिलने की योजना बना रहे हैं। इस पर उन्होंने जवाब दिया, 'हां, हो सकता है।' हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि ऐसी मुलाकात कहां और कब हो सकती है। व्हाइट हाउस के हवाले से न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप 16 नवंबर को फिलीपींस की राजधानी मनीला में होने वाले आसियान शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इसके बाद वह चीन के शेनझेन जाएंगे, जहां 17 से 19 नवंबर तक एपेक शिखर सम्मेलन आयोजित होगा। चीन में ट्रंप की इस साल तीसरी बार चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात होने की उम्मीद है। ट्रंप पहले भी कई बार कह चुके हैं कि वह किम जोंग-उन से दोबारा मिलना चाहते हैं। अगस्त में उन्होंने पत्रकारों से कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि इस साल के अंत तक उनकी किम से मुलाकात होगी। जब उनसे पूछा गया था कि क्या वह 2026 में किम से मिलेंगे, तो उन्होंने जवाब दिया था, 'हां, बिल्कुल मिलूंगा। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अगस्त में अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से रिपोर्ट दी थी।

मस्क ने अमेरिकी मध्यावधि चुनाव के लिए रिपब्लिकन पार्टी को दिए 2,500 करोड़ रुपये

वाशिंगटन, एजेंसी। एलन मस्क ने तीन नवंबर को होने वाले अमेरिकी मध्यावधि चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी की मदद के लिए 27.6 करोड़ डॉलर (करीब 2,500 करोड़ रुपये) का चंदा दिया है। न्यूयॉर्क टाइम्स की सोमवार की रिपोर्ट के मुताबिक, जुलाई से अब तक दिए गए इस चंदे से उन राज्यों में रिपब्लिकन उम्मीदवारों के प्रचार अभियान को मजबूती मिली है, जहां डेमोक्रेटिक पार्टी से कड़ी चुनौती मिल रही है। रिपोर्ट के अनुसार, 2025-26 के चुनाव चक्र में मस्क अब तक रिपब्लिकन समूहों को कुल 36.6 करोड़ डॉलर दे चुके हैं। यह 2024 में डोनाल्ड ट्रंप के चुनाव अभियान के लिए उनके 29 डॉलर डॉलर के योगदान से भी अधिक है। मस्क ने रिपब्लिकन सीनेट लीडरशिप फंड को 15.8 करोड़ डॉलर दिए, जिसे रिपोर्ट में अमेरिकी राजनीतिक इतिहास का सबसे बड़ा एकल राजनीतिक दान बताया गया है। इसके अलावा, उन्होंने रिपब्लिकन सीनेट उम्मीदवारों के समर्थन में सक्रिय अमेरिका पीएसी को 7.6 करोड़ डॉलर, हाउस रिपब्लिकन के प्रमुख सुपर पीएसी को 2 करोड़ डॉलर और टेक्सास में सीनेट उम्मीदवार केन पैक्सटन के समर्थन वाले समूह को 1 करोड़ डॉलर दिए। रिपब्लिकन गवर्नर्स एसोसिएशन को भी 10 मिलियन डॉलर मिले।

अमेरिका में मध्यावधि चुनावः जनता ट्रंप से नाराज...सुरक्षित सीटों पर भी कड़ा मुकाबला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव में बस तीन हफ्ते का समय बचा है और ओपिनियन पोल में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की लोकप्रियता लगातार घटती जा रही है। ट्रंप की नीतियों, ईरान युद्ध और कमरतोड़ महंगाई के कारण अमेरिकी जनता खासे गुस्से में है। हाल ये है कि ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी का सुरक्षित गढ़ मानी जाने वाली सीटों पर ही संकट मंडराने लगा है। असमंजस में घिरे ट्रंप की पार्टी के नेताओं को डेमोक्रेट के गढ़ों में सेंध लगाने का सपना देखने के बजाय अपनी सुरक्षित सीटों पर ही जीत के लिए सारी ताकत झोंकनी पड़ रही है। अपनी ही पार्टी के घटते जनाधार और राष्ट्रपति की गिरती लोकप्रियता से परेशान निचले सदन प्रतिनिधि सभा के एक रिपब्लिकन उम्मीदवार ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, ट्रंप पार्टी का बेड़ा गर्क कर रहे हैं। महीनों तक राष्ट्रपति से प्रमुख उम्मीदवारों के पक्ष में रैलियां करने का आग्रह करने वाले कुछ रिपब्लिकन नेता इस कदर चिंतित हैं कि उन्हें लगता है कि ट्रंप का चुनाव प्रचार में आना फायदे की जगह नुकसान पहुंचा रहा है।

जीती मानी गई सीटों पर बहा रहे करोड़ों डॉलर : कड़े मुकाबले वाली सीटों की संख्या अचानक बढ़ने से रिपब्लिकन नेताओं की वो योजनाएं ध्वस्त हो गई हैं, जिसके तहत आखिरी दौर में करोड़ों डॉलर खर्च करके अपनी बढ़त बनाना चाहते थे। ट्रंप समर्थक सुपर-पैक मागा इंक से भारी फंडिंग के बावजूद, पार्टी की किस्मत नहीं बदल सकी है। सारा पैसा उन सीटों को बचाने में चला जा रहा है, जिन्हें पहले ही जीती हुई माना गया था। बतौर उदाहरण, सीनेट चुनावों का सबसे बड़ा रिपब्लिकन सुपर-पैक सीनेट लीडरशिप फंड नॉर्थ कैरोलिना में अपने विज्ञापन रोककर कम से कम 10 मिलियन डॉलर (करीब 83 करोड़ रुपये) कंसास राज्य में लगा रहा है, जबकि यह ऐसा राज्य है जिसने 1932 के बाद से किसी डेमोक्रेट को सीनेट में नहीं भेजा।

साउथ कैरोलिना जैसे गढ़ में मौजूदा सीनेटर डार्लिन ग्राहम को डेमोक्रेट उम्मीदवार एनी एंड्रयूज से पिछड़ने से बचाने के लिए 5 मिलियन डॉलर और दिए गए हैं। फंड ने टेक्सास में केन पैक्सटन को बचाने के लिए 100 मिलियन डॉलर से अधिक खर्च कर दिए हैं जो डेमोक्रेट जेम्स टैलारिको से कड़े मुकाबले में फंसे हैं।

ट्रंप के राजनीतिक विज्ञापनों पर रोक : अमेरिका की एक कोर्ट ने ट्रंप प्रशासन को आदेश दिया कि राष्ट्रपति के राजनीतिक संदेश को बढ़ावा देने के लिए करदाताओं के लाखों डॉलर से बने टीवी विज्ञापनों को रद करें। न्यूयॉर्क में अमेरिकी डिस्ट्रिक्ट जज जेनिफर एल रोचोन ने अस्थायी रोक का आदेश जारी किया, जिससे प्रशासन को बचे सभी विज्ञापन रद करने होंगे। एजेंसी

क्या होता है मध्यावधि चुनाव : अमेरिका में 3 नवंबर को मध्यावधि चुनाव होने जा रहे हैं। आखिर यह चुनाव क्या होता है और इसे कब कराया जाता है, इसी पर एक नजर...

निचले सदन के कितने प्रतिनिधि चुनेगी जनता : अमेरिकी कांग्रेस के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के सभी 435 सदस्यों के लिए हर दो वर्ष में चुनाव होते हैं। लेकिन जब ये चुनाव मौजूदा राष्ट्रपति के निर्वाचन के दो साल बाद यानी कार्यकाल के ठीक बीच में होते हैं तो इन्हें मध्यावधि चुनाव कहा जाता है। इस चुनाव के नतीजे तय करेंगे कि निचले सदन में ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी का दबदबा रहेगा या विपक्षी डेमोक्रेट हावी होंगे। अभी निचले सदन में 219 रिपब्लिकन और 214 डेमोक्रेट सांसद हैं। दो सीटें खाली हैं।

और किन प्रतिनिधियों का होगा चुनाव : प्रतिनिधिसभा सदस्यों का कार्यकाल दो वर्ष का होता है, जबकि कांग्रेस के ऊपरी सदन सीनेट के सदस्य छह साल के लिए निर्वाचित होते है। इनमें एक-तिहाई सदस्यों का चुनाव हर दो साल में होता है।

ठु सीनेट में कुल 100 सदस्य होते हैं। इस बार मध्यावधि चुनाव में 35 सीनेट सदस्यों का चुनाव हो रहा है। इसके अलावा कई राज्यों में गवर्नर भी चुने जाने हैं। कैलिफोर्निया, लोरिडा, जॉर्जिया और मिशिगन के गवर्नर पद पर सबकी खास नजर रहेगी।

इल्हान उमर के घर एफबीआई की छापेमारी: भारत विरोधी हैं अमेरिकी सांसद, ट्रंप लगा चुके हैं भाई से शादी का आरोप

वॉशिंगटन , एजेंसी। अपने भारत विरोधी रूख के लिए जानी जाने वाली डेमोक्रेटिक सांसद इल्हान उमर के वॉशिंगटन स्थित घर पर संघीय एजेंटों की तलाशी के बाद अमेरिका में सियासत गरमा गई है। वहीं, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जांच में अपनी किसी भी भूमिका से इनकार करते हुए उमर पर तीखा हमला बोला है। दूसरी तरफ डेमोक्रेट नेताओं ने आरोप लगाया कि मध्यावधि चुनाव से ठीक पहले राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाया जा रहा है।

ट्रंप ने उमर को बताया खराब इंसान : व्हाइट हाउस से ओहायो रवाना होने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि न्याय विभाग मामले की जांच कर रहा है और उनका इससे कोई लेना-देना नहीं है। हालांकि, उन्होंने उमर पर व्यक्तिगत टिप्पणियां करने से परहेज नहीं किया। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने उमर को हमेशा बेईमान पाया है। उन्होंने उन्हें शिकायत करने वाली नेता बताते हुए सोमालिया को लेकर भी विवादित टिप्पणी की। ट्रंप ने कहा कि उमर ऐसे देश से आती हैं, जिसका कोई अस्तित्व नहीं है, और फिर अमेरिका आकर उसके संविधान की शिकायत करती हैं।

किस मामले में हुई उमर के घर तलाशी : अमेरिकी न्याय विभाग के मुताबिक, होमलैंड सिक्योरिटी इन्वेस्टिगेशंस के अधिकारियों ने अदालत से अधिकृत तलाशी वारंट के आधार पर उमर के घर की तलाशी ली। यह एजेंसी अमेरिकी आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन विभाग की जांच शाखा है। विभाग ने बताया कि कार्रवाई एक जारी संघीय आपराधिक जांच का हिस्सा है। हालांकि, जांच की पूरी वजह सार्वजनिक नहीं की गई और उमर के खिलाफ किसी आपराधिक आरोप की घोषणा भी नहीं हुई। सीबीसी न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, जांच का संबंध उमर के बचपन के आव्रजन दस्तावेजों से हो सकता है। इनमें अमेरिका आने के दौरान उनके परिवार की ओर से भरे गए कागजात और उनके दिवंगत पिता से जुड़े दस्तावेज शामिल बताए गए हैं। वहीं, उमर ने किसी भी गलत काम से इनकार किया है। उनके कार्यालय ने तलाशी को सरकारी शक्तियों का दुरुपयोग बताया और आरोप लगाया कि उन्हें राजनीतिक वजहों से निशाना बनाया जा रहा है।

भारत पर बयानों को लेकर भी विवादों में रही हैं उमर : इल्हान उमर अमेरिकी राजनीति में अपने विवादित बयानों के लिए भी चर्चा में रही हैं। भारत सरकार की नीतियों, खासकर कश्मीर और मानवाधिकारों से जुड़े मुद्दों पर उनकी टिप्पणियों की भारत में आलोचना होती रही है। जून 2022 में उन्होंने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर का दौरा भी किया था। इस यात्रा और कश्मीर पर उनके रुख को लेकर भारत में सवाल उठे थे। ट्रंप और उमर के बीच लंबे समय से राजनीतिक टकराव रहा है।

पनामा में फिर भूकंप के झटकों से कांप उठी धरती, 6.1 मैग्नीट्यूड दर्ज की गई तीव्रता

पनामा सिटी, एजेंसी। मध्य अमेरिकी देश पनामा में दो शक?तिशाली भूकंप के तीन दिन बाद मंगलवार सुबह एक बार फिर लोगों ने जबरदस्त भूकंप के झटके महसूस किए. राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, भूकंप की तीव्रता रियेक्टर स्केल पर 6.1 दर्ज की गई. इसका केंद्र भी जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई पर दर्ज क?िया गया. पनामा में लगातार भूकंप के झटकों से दहशत बनी हुई है. मंगलवार तड़के भारतीय समयानुसार 4:50 बजे पनामा के लोगों ने एक और शक्तिशाली भूकंप का सामना किया. एक बार फिर भूकंप ने सड़कों, इमारतों को नुकसान पहुंचाया. सुबह-सुबह झटके महसूस होते ही लोग खुले स्थान की ओर भागे. तीन दिन पहले ही शुक्रवार देर रात और शनिवार तड़के ही पनामा ने दो जबरदस?त भूकंप के झटके महसूस किए थे. 7.7 और 6.6 तीव्रता वाले इन झटकों के बाद से ही पनामा में दहशत का माहौल बना हुआ है. जब पनामा में आया 7.7 की तीव्रता का भूकंप अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, शुक्रवार की सुबह पनामा के दक्षिणी छोर के पास 7.7 तीव्रता का एक शक्तिशाली भूकंप आया, जिससे राजधानी में 100 मील से अधिक दूर तक इमारतें हिल गईं और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया. इसके बाद दिन में कई झटके आए और फिर 6.6 तीव्रता का एक और शक्तिशाली भूकंप आया. दो शक्तिशाली भूकंप के बाद पनामा के लोगों में दहशत रही. भूकंप का असर पनामा की राजधानी पनामा सिटी तक महसूस किया गया. भूकंप से कई इमारतों को नुकसान हुआ. लोगों के घरों की दीवारों पर दरारें पड़ गईं. लोग डर के कारण घरों और इमारतों से बाहर निकल आए. रात भर लोग खुले स्थानों पर खड़े रहे. दहशत के चलते लोगों में घरों के अंदर जाने की हिम्मत नहीं हुई. लोग सुबह तक घरों के बाहर ही रहे और हालात की जानकारी का इंतजार करते रहे. पनामा सरकार ने शक्तिशाली भूकंप के बाद राहत और बचाव कार्यों को तेज करने तथा प्रभावित समुदायों की मदद के लिए देश में आपातकाल घोषित कर दिया था।

उत्तर कोरिया ने 'टैक्टिकल' बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया

सोल , एजेंसी। उत्तर कोरिया ने टैक्टिकल बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया है। देश की सरकारी मीडिया के मुताबिक यह परीक्षण उसके हथियार सिस्टम के एक महत्वपूर्ण हिस्से को और बेहतर बनाने के लिए किया गया था और इसे 'बड़ी सफलता' बताया गया है। यह खबर ऐसे समय आई है, जब एक दिन पहले दक्षिण कोरिया की सेना ने प्योंगयांग क्षेत्र से पूर्वी सागर की ओर दागी गई कई बैलिस्टिक मिसाइलों का पता लगाया था। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के अनुसार, उत्तर कोरिया के मिसाइल प्रशासन ने 12 अक्टूबर को एक टैक्टिकल बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया। इसका मकसद एक अहम तकनीकी हिस्से के उन्नयन से जुड़े शोध की सफलता की पुष्टि करना था। प्रशासन का दावा है कि यह उन्नयन बड़ी सफलता साबित हुआ है, जो सभी आक्रामक हथियार प्रणालियों की क्षमता और तकनीकी स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत देता है। उत्तर कोरिया ने इस परीक्षण को अपनी नियमित गतिविधियों का हिस्सा बताया है। हालांकि, उसने मिसाइल परीक्षण के बारे में ज्यादा तकनीकी जानकारी साझा नहीं की। दक्षिण कोरिया की ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ (जेसीएस) ने पहले बताया था कि उत्तर कोरिया ने कई तरह की बैलिस्टिक मिसाइलें दागी थीं। इनमें से एक मिसाइल ने 900 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तय की। दक्षिण कोरिया और अमेरिका के अधिकारी अब उनकी तकनीकी विशेषताओं का विस्तृत विश्लेषण कर रहे हैं। जेसीएस के प्रवक्ता कैप्टन जांग डो-यंग ने मंगलवार को कहा, 'संभव है कि उत्तर कोरिया ने कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल को उसकी अधिकतम सीमा तक दागा हो। यह भी संभव है कि उसने मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल को कम दूरी तक परीक्षण के लिए लॉन्च किया हो। जानकारी के अनुसार, कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों की मारक क्षमता 300 से 1,000 किलोमीटर तक होती है, जबकि मध्यम दूरी की मिसाइलें 1,000 से 3,000 किलोमीटर तक मार कर सकती हैं। जांग ने कहा कि दक्षिण कोरिया और अमेरिका की संयुक्त रक्षा तैयारियां मजबूत हैं और दोनों देश उत्तर कोरिया की हालिया मिसाइलों का पता लगाने और उन्हें रोकने में पूरी तरह सक्षम हैं।

सोमवार के प्रक्षेपण के तुरंत बाद जापान के रक्षा मंत्रालय ने भी कहा था कि उत्तर कोरिया ने कम से कम दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागी थीं। इनमें से एक ने करीब 220 किलोमीटर और दूसरी ने 910 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तय की। अमेरिकी पैसिफिक कमांड (पीएकॉम) ने भी सोमवार को पुष्टि की थी कि उत्तर कोरिया के हालिया प्रक्षेपण में दो बैलिस्टिक मिसाइलें शामिल थीं। यह परीक्षण दक्षिण कोरिया की ओर से अपनी स्वदेशी हाइपरसोनिक ग्लाइड व्हीकल (एचजीवी) के पहले सफल परीक्षण की सार्वजनिक घोषणा के चार दिन बाद हुआ है।

भारत में लड़कियों की तरक्की का असर देश की सीमाओं से कहीं आगे तक है : यूनिसेफ

न्यूयॉर्क , एजेंसी। यूनिसेफ की डिप्टी एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर हनान सुलेमान ने भारत में लड़कियों के सशक्तीकरण की स्थिति में हुए सुधार की तारीफ की है और कहा है कि इसका सकारात्मक असर वैश्विक स्तर पर भी होगा। हनान सुलेमान ने कहा, 'पिछले एक दशक में भारत में लड़कियों की शिक्षा में काफी सुधार हुआ है, जो परिवारों में लड़कियों के महत्व को बढ़ती मान्यता को दर्शाता है।' उन्होंने कहा कि भारत में दुनिया की सबसे बड़ी किशोर आबादी है। भारत में 25 करोड़ 30 लाख किशोर हैं और इसका मतलब है कि भारत में लड़कियों के लिए हुई प्रगति का महत्व उसकी सीमाओं से कहीं आगे तक है।

हनान सुलेमान भारत और सिएरा लियोन द्वारा अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रही थीं। उन्होंने कहा कि भारत ने दिखाया है कि लगातार निवेश, बड़े पैमाने पर सामुदायिक भागीदारी और नीतिगत कार्रवाई से वास्तविक और सार्थक बदलाव लाया जा सकता है। भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी हरीश ने कहा कि लड़कियों को आगे बढ़ाने के लिए भारत के कई कार्यक्रमों ने जीवन भर अपना असर दिखाया है। उन्होंने हैदराबाद के उस्मानिया यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में महिलाओं की प्रगति का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, 'जब मैं कॉलेज में मैकेनिकल इंजीनियरिंग का छात्र था, तो मेरी क्लास में कोई लड़की नहीं थी। यह पूरी तरह से लड़कों की क्लास थी क्योंकि इसे पुरुषों का विषय माना जाता था, लेकिन आज मेरी यूनिवर्सिटी में लगभग 70 प्रतिशत क्लास में लड़कियां हैं।

इसलिए यह हमारे ही जीवनकाल में वास्तविक प्रगति है। हालांकि उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में अभी भी पुरुषों का दबदबा है। हम सिर्फ टेक ब्रदर्स के बारे में सुनते हैं, टेक सिस्टर्स के बारे में नहीं सुनते। उन्होंने कहा कि एआई की ताकत को देखते हुए सभी सदस्य देशों को इस पर ध्यान देना चाहिए ताकि एआई का क्षेत्र लड़कियों और महिलाओं के अनुकूल बने। भारत में हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि डिजिटल टूल्स, जिसमें डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर भी शामिल है, लड़कियों की शिक्षा के लिए मददगार साबित हों। एआई का इस्तेमाल अब खास ट्यूटोरियल और बच्चों के लिए पढ़ाई की सामग्री बनाने में हो रहा है, जिससे बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल सके। सिएरा लियोन की उप विदेश मंत्री जेनेबा बंगुरा ने कहा कि लड़कियों को सशक्त बनाने में किया गया निवेश समाज और देश के लिए कई गुना सकारात्मक असर डालता है। उन्होंने कहा कि जब हम एक लड़की की तरक्की में जब हम निवेश करते हैं, तो हम परिवारों, समुदायों और राष्ट्रों को मजबूत करते हैं और एक अधिक शांतिपूर्ण और समृद्ध दुनिया बनाते हैं। अफ्रीका और दुनिया भर में लड़कियां सिर्फ कमजोर नहीं हैं, बल्कि वे बदलाव लाने वाली, इनोवेटर, लीडर और विकास लाने वाली हैं।

रियाद में सुपुर्द-ए-खाक किए गए यूसुफ अली: हूती के हमले में गई थी जान, अंतिम विदाई में भारतीय राजदूत रहे मौजूद

रियाद , एजेंसी। सऊदी अरब की राजधानी रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 10 अक्टूबर को हुए हमले में जान गंवाने वाले भारतीय नागरिक मोहम्मद यूसुफ अली को अंतिम विदाई दी गई। सऊदी अरब में भारत के राजदूत विपुल और भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने अंतिम संस्कार में शामिल होकर शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना जताई। इस दौरान राजदूत ने परिवार को भरोसा दिलाया कि मुश्किल की इस घड़ी में भारतीय दूतावास उनके साथ खड़ा है और हर जरूरी मदद मुहैया कराता रहेगा।

अंतिम संस्कार में शामिल हुए भारतीय राजदूत : रियाद स्थित भारतीय दूतावास ने सोमवार देर रात सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर इसकी जानकारी दी। दूतावास के मुताबिक, राजदूत विपुल और मिशन के अधिकारी मोहम्मद यूसुफ अली के परिवार के सदस्यों और शुभचिंतकों के साथ अंतिम संस्कार में शामिल हुए। राजदूत ने परिवार से मुलाकात कर दुख जताया और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। उन्होंने परिवार को यह भी भरोसा दिया कि दूतावास की ओर से आगे भी हर संभव सहायता जारी रहेगी।

एयरपोर्ट पर हमले में गई थी भारतीय नागरिक की जान : मोहम्मद यूसुफ अली की मौत 10 अक्टूबर को रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हुए हमले में हुई थी। इस हमले में कई लोग घायल भी हुए थे, जिनमें 10 भारतीय नागरिक शामिल हैं। सऊदी अरब ने इस हमले के लिए यमन के हूती विद्रोहियों को जिम्मेदार ठहराया है। इस घटना ने सऊदी अरब में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बढ़ा दी है।

दूतावास ने बताया कि मोहम्मद यूसुफ अली के परिवार को जरूरी सहायता दी गई। साथ ही, अंतिम संस्कार से जुड़ी औपचारिकताएं पूरी कराने में भी मदद की गई, ताकि परिवार को इस कठिन समय में प्रशासनिक प्रक्रियाओं के लिए परेशान न होना पड़े। दूतावास ने कहा कि वह प्रभावित परिवार के संपर्क में बना हुआ है और जरूरत के मुताबिक मदद उपलब्ध करा रहा है। हमले में घायल भारतीय नागरिकों की स्थिति जानने के लिए भारतीय दूतावास के अधिकारी अस्पतालों का दौरा भी कर रहे हैं। वहां इलाज करा रहे लोगों के स्वास्थ्य की जानकारी ली जा रही है। इसके साथ ही, घायलों के परिवारों से भी लगातार संपर्क बनाए रखा गया है। दूतावास का कहना है कि प्रभावित भारतीयों और उनके परिजनों को हर संभव सहायता दी जा रही है। भारत ने रियाद एयरपोर्ट पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है। भारत ने कहा कि सऊदी अरब में आम नागरिकों और नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर बार-बार किए जा रहे हमले पूरी तरह अस्वीकार्य हैं। भारत ने ऐसे हमलों को तुरंत रोकने की मांग भी की है।

रूसी डीजल डील पर ट्रंप के विरोध में उतरे अपने ही सांसद, तुरंत प्लान वापस लेने की मांग की

वॉशिंगटन, एजेंसी। छह सीनेटरों के एक ग्रुप ने रविवार को प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन से कहा कि वह ईंधन की ऊंची कीमतों को कम करने की कोशिश के तहत रूस से डीजल खरीदने के प्लान पर तुरंत अपना फैसला वापस लें.

ट्रंप ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर यह ऐलान करके सांसदों को चौंका दिया कि उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ फोन पर एक डील की है. उन्होंने कहा कि रूस तुरंत अमेरिकी और ग्लोबल मार्केट में 300,000 टन से अधिक डीजल सप्लाई करेगा. इसके बाद नवंबर में 500,000 टन और उसके तुरंत बाद 1 मिलियन टन डीजल सप्लाई करेगा. उन्होंने लिखा कि रूस उसके बाद थोड़े ही समय में 3 मिलियन टन और डीजल सप्लाई करेगा.

चार रिपब्लिकन सीनेटर और दो डेमोक्रेटिक सीनेटर ने रविवार को जारी बयान पर साइन करके इस डील का विरोध किया. उन्होंने कहा कि सरकार कानून के मुताबिक अपने फैसले को सही ठहराने के लिए कांग्रेस से सलाह नहीं ले पाई या कोई सफाई नहीं दी. उन्होंने लिखा, 'जब रूस यूक्रेनी नागरिकों को मार रहा है, तो अमेरिका को पुतिन को आर्थिक मदद नहीं देनी चाहिए. प्रशासन को तुरंत अपना रास्ता बदलना चाहिए.' जिन रिपब्लिकन सीनेटर ने इस बयान पर साइन किया है, वे हैं मेन की सेनेटर सुसान कॉलिन्स, अलास्का की लिसा मुर्कोव्स्की, नॉर्थ कैरोलिना के थॉम टिलिस और यूटा के जॉन कर्टिस. डेमोक्रेटिक सीनेटर हैं न्यू हैम्पशायर की सेनेटर जीन शाहीन और कनेक्टिकट के रिचर्ड ब्लूमेंथल. एनबीसी के मीट द प्रेस पर रविवार को एयर हुए एक इंटरव्यू में टिलिस ने कहा कि अगर प्रशासन अपने डीजल खरीदने के प्लान पर आगे बढ़ता है, तो यह कहना सही है कि राष्ट्रपति कानून का पालन नहीं कर रहे हैं. टिलिस ने कहा, 'हम इस बात को लेकर बहुत साफ थे कि रूस हमलावर है. रूस ही वह है जो अपने कब्जे वाले इलाके से पीछे हटकर इस युद्ध को खत्म कर सकता है. ट्रंप की यह घोषणा कांग्रेस के उस कानून के कुछ ही हफ्ते बाद आई है, जिसमें ट्रंप को रूसी तेल या नैचुरल गैस के टॉप इंपोर्टर्स पर भारी टैरिफ लगाने का निर्देश दिया गया था. इसमें उन देशों को छूट दी गई थी जो रूस के नैचुरल गैस एक्सपोर्ट का 15 फीसदी से कम इंपोर्ट करते हैं और जिन्होंने उन इंपोर्ट को कम करने के लिए बड़े कदम उठाए हैं. कांग्रेस के प्रयास का उद्देश्य रूस को तेल और गैस की बिक्री से मिलने वाले धन के प्रवाह में कटौती करना था जिससे कि वह यूक्रेन के खिलाफ जंग में कमजोर पड़ सके. सांसदों ने यह भी नोट किया कि अमेरिका को युद्ध के लिए आर्थिक मदद रोकने के लिए कांग्रेस ने 2022 में रूस के ऊर्जा आयात पर स्पष्ट रूप से प्रतिबंध लगा दिया था. छह सांसदों ने अपने बयान में लिखा, 'कांग्रेस साफ थी, अमेरिका को रूस से तेल तब तक आयात नहीं करना चाहिए जब तक वह यूक्रेन के खिलाफ अपना हमला बंद नहीं कर देता और हमारे नाटो सहयोगियों के खिलाफ धमकियां देना बंद नहीं कर देता.' राष्ट्रपति ट्रंप का अमेरिका में रूसी डीजल आयात की इजाजत देने का फैसला सीधे उस कानून के खिलाफ है.' सीनेटर जॉन बैरासो, आर वयो ने कहा कि ट्रंप एनर्जी की कीमत कम करने पर फोकस कर रहे हैं, जब उनसे पूछा गया कि क्या राष्ट्रपति का यह कदम अमेरिकी कानून का उल्लंघन होगा।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)